भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | वीरवार, 2 जुलाई 2026 | 18 आषाढ़, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 68, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | bhartendunewsmedia@gmail.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

जीएसटी राजस्व संग्रह जून में 14 फीसदी बढ़कर 1.95 लाख करोड़

एजेंसी, नई दिल्ली। देश के वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। जून महीने सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 13.9 फीसदी बढ़कर करीब 1.95 लाख करोड़ रुपए हो गया। पिछले महीने मई में जीएसटी राजस्व संग्रह 3.2 फीसदी बढ़कर 1.94 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा था। जीएसटी महानिदेशालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि मई में 1,94,812 करोड़ रुपये (1.95 लाख करोड़) की जीएसटी वसूली हुई है। पिछले साल इसी महीने में 1,71,105 करोड़ रुपए की वसूली हुई थी। इस तरह सालाना आधार पर जीएसटी राजस्व संग्रह में 13.9 फीसदी का इजाफा हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक घरेलू लेन-देन से सकल जीएसटी संग्रह 6.5 फीसदी बढ़कर लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि आयात से प्राप्त राजस्व 34.6 फीसदी बढ़कर 60,038 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

नायरा का पेट्रोल पांच डीजल 3 रुपए सस्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी प्राइवेट फ्यूल रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल के दाम में 5 रुपए प्रति लीटर व डीजल में 3 रुपए प्रति लीटर की कमी की है, अब भोपाल में नायरा के पेट्रोल की कीमत 119.79 रुपए से घटकर 114.79 रुपए और डीजल 102.57 रुपए से घटकर 99.57 रुपए पर आ गया है। नायरा एनर्जी के देश भर में 7 हजार से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं। बाकी कंपिनयों के एक लाख से ज्यादा हैं। इस तरह बाजार में इसकी 7% हिस्सेदारी है। नायरा की नई दरें सभी जगह लागू हो गई हैं। हालांकि, अलग-अलग राज्यों में लोकल टैक्स और वैल्यू-एडेड टैक्स की दरें अलग होने की वजह से हर शहर में रिटेल प्राइस में थोड़ा अंतर देखने को मिल सकता है।

7 किलो तक का बैग हो तो इंडिगो में सस्ता टिकट

एजेंसी, नई दिल्ली। इंडिगो ने केबिन बैग यानी हाथ में ले जाने वाले बैग के साथ सफर करने वाले पैसेंजर्स के लिए एक नया और सस्ता किराया 'इंडिगो लाइट' लॉन्च किया है। इस बैग में 7 किलो सामान ले जाया जा सकेगा। कंपनी ने यह कदम हवाई टिकटों की शुरुआती कीमतें कम करने के लिए उठाया है, ताकि बड़े सामान के बिना चलने वाले यात्रियों को कम पैसे देने पड़े। इंडिगो भारत की सबसे बड़ी घरेलू एयरलाइन कंपनी है।

वॉट्सऐप के यूजरनेम फीचर की जांच करेगी सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार वॉट्सऐप के नए यूजरनेम फीचर की जांच करेगी। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, सरकार का कहना है कि इस फीचर से पहचान छिपाकर धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड का खतरा काफी बढ़ सकता है। पेरेंट कंपनी मेटा ने अपने इंस्टेंट मैसेजिंग एप में मोबाइल नंबर बताए बिना चैट करने वाला फीचर लॉन्च किया है। इसमें लोग सिर्फ यूजरनेम के जरिए किसी नए व्यक्ति से चैट कर सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार, सरकार वॉट्सऐप के इस अपकमिंग यूजरनेम फीचर की बारीकी से जांच करेगी। चिंता इस बात को लेकर है कि जब यूजर्स को फोन नंबर छिपाने की आजादी मिल जाएगी, तो जालसाजों के लिए किसी दूसरे के नाम का फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों को धोखा देना आसान हो सकता है।

जम्मू-कश्मीर व हिमाचल में फटे बादल

अरुणाचल में बाढ़: एमपी-बिहार में बिजली गिरने से 8 की मौत; जुलाई में सामान्य से कम बारिश का अनुमान

एजेंसी, भोपाल, शिमला/जम्मू। जम्मू-कश्मीर को डोडा में बुधवार सुबह 2 बार बादल फटा। भलेसा के कलालगीसर इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। ढेर सारा मलबा पहाड़ी से बहकर सड़क पर आ गया। इससे रास्ते ब्लॉक हो गए। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर है, अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अंजॉ जिले के सारती गांव में लैंडस्लाइड में एक व्यक्ति की मौत हुई। इससे पहले कीयी पन्योर में बाढ़ में 3 लोग बह गए थे।

अधिकारियों के मुताबिक 2 लोग लापता हैं। 28 जिलों के 90 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। इधर, मध्य प्रदेश के हरदा-खरगोन में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि बैतूल में एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। वहीं, चंपा नदी के उफान में बाइक समेत दो युवक बह गए। बिहार में भी बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। यूपी के सोनभद्र में मंगलवार शाम 4 बजे पिकनिक मनाने गए 3 लोग बरसाती नाले के तेज बहाव में बह गए। एक ही मौत हुई। उत्तराखंड में बारिश से देहरादून में रिस्पना नदी उफान पर है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ऋषिकेश में मंगलवार शाम से राफ्टिंग पर 31 अगस्त तक रोक लगा दी गई है। उधर, हिमाचल के लाहौल-स्पीति जिले के जिस्पा क्षेत्र में मंगलवार रात बादल फटने से एक नाले में अचानक बाढ़ आ गई थी, जिसके कारण लेह-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ और कई वाहन फंस गए। प्रशासन और संबंधित एजेंसियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मार्ग बहाल कर दिया है। लाहौल-स्पीति पुलिस कंट्रोल रूम के अनुसार फिलहाल लेह-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सामान्य रूप से चल रहा है। वहीं, चंबा जिले के तहत आने वाले सलूणी उपमंडल की ग्राम पंचायत लनोट से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां के गांव लनोट और फगड़ोग में अचानक बादल फटने से भारी तबाही हुई है। बादल फटने के कारण क्षेत्र में अचानक बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिससे स्थानीय निवासियों के घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस आपदा के कारण फगड़ोग गांव के निवासी तानी (पुत्र कंठ) और नारद (पुत्र लछमण) के घरों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है।

हिमाचल के मंडी में पत्थर की चपेट में आने से महिला की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून की दस्तक के साथ शुरू हुई झमाझम बारिश अब जानलेवा भी साबित होने लगी है। प्रदेश में मानसून से जुड़े भूस्खलन की पहली मौत मंडी जिले में सामने आई है, जहां पहाड़ी से गिरे एक बड़े पत्थर की चपेट में आने से 38 वर्षीय महिला की मौत हो गई। लगातार हो रही वर्षा के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं शुरू हो गई हैं। इससे लोगों की चिंता बढ़ गई है।

देश में जून में 39.8% कम हुई बारिश

देश में इस साल जून महीने में 1901 के बाद पांचवीं सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, जून में सामान्य 165.3एमएम के मुकाबले केवल 99.5एमएम बारिश हुई, जो 39.8% कम है। अल नीनो के असर के कारण इस साल मानसून प्रभावित हुआ है।

दिल्ली, राजस्थान को छोड़ पूरे देश में पहुंचा मानसून

मानसून ने बुधवार को पंजाब व हरियाणा में एंट्री कर ली, अब दिल्ली और राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि जुलाई में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है।

भारत में 9 करोड़ बच्चे हीटवेव की चपेट में

यूनिसेफ की 'चिल्ड्रन्स क्लाइमेट रिस्क रिपोर्ट 2026' के अनुसार, भारत में करीब 8.93 करोड़ बच्चे ऐसे इलाकों में रहते हैं, जहां हीटवेव का खतरा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के लगभग 99.7 प्रतिशत बच्चे किसी न किसी जलवायु संबंधी खतरे का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 96.2 प्रतिशत भारतीय बच्चे सूखे के खतरे वाले क्षेत्रों में रहते हैं, जबकि 92 प्रतिशत बच्चे तेज गर्मी से प्रभावित हैं, जहां तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है। रिपोर्ट ने बच्चों पर बढ़ते जलवायु संकट को गंभीर चिंता का विषय बताया है।

चार्जशीट की प्रति न मिलने को डिफॉल्ट जमानत का आधार नहीं माना जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्पष्ट किया कि किसी आरोपी को आरोप-पत्र (चार्जशीट) की प्रति उपलब्ध नहीं कराए जाने को डिफॉल्ट जमानत का आधार नहीं बनाया जा सकता है।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें एक आरोपी की ऐसी ही एक याचिका खारिज कर दी गई थी। आरोपी का तर्क था कि उसे चार्जशीट की प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई, इसलिए उसे डिफॉल्ट जमानत दी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 193(8) के तहत चार्जशीट की अतिरिक्त प्रतियां दाखिल नहीं किए जाने से स्वयं चार्जशीट अमान्य नहीं हो जाती। सुप्रीम कोर्ट केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज एक मामले में गिरफ्तार आरोपी की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। यह मामला करीब 3.81 करोड़ रुपए की कथित बड़े पैमाने की साइबर ठगी से जुड़ा है। सीबीआई के अनुसार, अज्ञात साइबर अपराधी अत्याधुनिक डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल कर लोगों से ठगी कर रहे हैं। इसके लिए वे फर्जी पहचान, जाली दस्तावेज और अन्य तकनीकी तरीकों का उपयोग करते हैं।

कब मिल सकती है डिफॉल्ट जमानत?

अदालत ने कहा कि पूर्ववर्ती दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की तरह ही बीएनएसएस के तहत भी डिफॉल्ट जमानत का अधिकार तभी उत्पन्न होता है, जब जांच एजेंसी 60 या 90 दिनों की निर्धारित अवधि के भीतर, जैसा भी मामला हो, चार्जशीट दाखिल नहीं करती। पीठ ने कहा, 'निर्धारित अवधि के भीतर बीएनएसएस की धारा 193(3) के तहत निर्धारित प्रारूप में चार्जशीट दाखिल हो जाने के बाद डिफॉल्ट जमानत का अधिकार समाप्त हो जाता है। बीएनएसएस की धारा 193(8) का पालन नहीं करने को धारा 187(3) के समान नहीं माना जा सकता।' बता दें कि बीएनएसएस, 2023 की धारा 187(3) डिफॉल्ट जमानत से संबंधित प्रावधानों को नियंत्रित करती है।

उत्तराखंड में अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम लागू, मदरसा बोर्ड समाप्त

◆ **नई व्यवस्था से शिक्षा प्रणाली होगी पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण : सीएम धामी**

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड में बुधवार से उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण (यूएसएएमई) लागू हो गया। इसके साथ ही उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम और गैर-सरकारी अरबी-फारसी मदरसा मान्यता नियम समाप्त हो गए।

नई व्यवस्था के तहत राज्य के 452 पंजीकृत मदरसों समेत सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को निर्धारित नियमावली के अनुरूप मान्यता लेनी होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को जारी एक पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार आधुनिक, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण व जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के लिए समान एवं पारदर्शी मान्यता प्रणाली सुनिश्चित करेगी तथा शिक्षा की गुणवत्ता व जवाबदेही को मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के बच्चों को आधुनिक शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और भारतीय जीवन मूल्यों से सशक्त बनाना है, ताकि वे विकसित उत्तराखंड और विकसित भारत के निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकें। नई व्यवस्था के तहत राज्य के 452 पंजीकृत मदरसों को पहले उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा बोर्ड से संबद्धता प्राप्त करनी होगी, जिसके बाद अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण से मान्यता दी जाएगी। प्रत्येक मान्यता तीन शैक्षणिक वर्षों के लिए वैध होगी। प्राधिकरण को संस्थानों का निरीक्षण करने तथा नियमों के उल्लंघन पर सुनवाई के बाद मान्यता निरस्त करने का अधिकार भी होगा। राज्य सरकार के अनुसार नई व्यवस्था मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी समुदायों के अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों पर समान रूप से लागू होगी। संस्थानों को निर्धारित पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज और शुल्क जमा करना होगा।

हरियाणा सीएम ऑफिस व चंडीगढ़ एयरफोर्स स्कूल समेत कई विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी, चंडीगढ़। एक बार फिर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के कार्यालय तथा चंडीगढ़ स्थित एयरफोर्स स्कूल समेत कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बुधवार को गर्मी की छुट्टियों के बाद पहले दिन स्कूल खुले हैं। स्कूल खुलते ही धमकी भरे ई-मेल मिलने से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। धमकी भरा यह मेल चंडीगढ़ के सेक्टर-37 गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल 37 बी और केंद्रीय विद्यालय सेक्टर-47 को आई है। मेल में कहा कि बम धमाके, आईडी ड्रोन। चंडीगढ़ के सारे स्कूलों में दोपहर 1.11 बजे, जबकि सीएम सैनी हरियाणा आफिस दोपहर 3.11 बजे का धमाके किए जाएंगे।

हमारा सबसे बड़ा मकसद स्वदेशी तरीकों का इस्तेमाल करके युद्ध जीतना होगा : आर्मी चीफ

एजेंसी, नई दिल्ली। नए सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ को कार्यभार संभालने के बाद बुधवार को पहला गार्ड ऑफ ऑनर साउथ ब्लॉक लॉन्स में दिया गया।

इसके बाद उन्होंने अपने पिता लेफ्टिनेंट जनरल केएम सेठ (सेवानिवृत्त) और छोटे भाई रियर एडमिरल रविनीश सेठ को सैल्यूट किया। अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि हमारा सबसे बड़ा मकसद स्वदेशी तरीकों का इस्तेमाल करके युद्ध जीतना होगा। हम अपनी सीमाओं और उभरते खतरों के बारे में लगातार विजिलेंस बनाए रखेंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी चुनौती का असरदार तरीके से मुकाबला करने के लिए ऑपरेशनल रेडीनेस का हाई लेवल बनाए रखेंगे।

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने संभाला 51वें वायुसेना उप प्रमुख का कार्यभार

एजेंसी, नई दिल्ली। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के पूर्व चीफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने बुधवार को एयर मार्शल नागेश कपूर की जगह लेते हुए 51वें वाइस चीफ ऑफ द एयर स्टाफ का पद संभाला। एयर मार्शल कपूर वायु सेना में लगभग चार दशकों की शानदार सेवा के बाद 30 जून को रिटायर हुए। उनकी नियुक्ति ऐसे अहम समय पर हुई है, जब भारतीय वायु सेना अपने आधुनिकीकरण और क्षमता बढ़ाने के कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रही है। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने पहली बार 15 मई 2023 को एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी के स्थान पर उप वायु सेना प्रमुख का पदभार संभाला था। एयर मार्शल एक योग्य फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर होने के साथ-साथ एक एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट भी हैं।

राजस्थान में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर ट्रक से टकराई बस, आठ की मौत

एजेंसी दौसा। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर एक स्लीपर बस के ट्रक से टकराने के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई।

हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 28 अन्य घायल हो गए। घायलों को दौसा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दौसा जिले के कोलवा थाना क्षेत्र में बुधवा तड़के करीब तीन बजे यह हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार ऋषिकेश से इंदौर जा रही स्लीपर बस तनावड़ स्थित जीरो प्वॉइंट के पास आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद बस और ट्रक में आग लग गई। दौसा पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के अनुसार, हादसे में पांच लोगों की मौत आग में झुलसने से हुई, जबकि तीन अन्य की सिर में गंभीर चोट लगने के कारण जान गई। उन्होंने बताया कि अब तक नौ घायलों की पहचान की जा चुकी है और अन्य की पहचान की प्रक्रिया जारी है। स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि दुर्घटना और आग लगने की सूचना करीब 3:20 बजे पुलिस तथा एक्सप्रेस-वे प्रबंधन को दी गई। उनका आरोप है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां देर से मौके पर पहुंचीं, जिसके कारण राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हुआ। बताया गया कि हादसे के लगभग एक घंटे बाद बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला जा सका।

स्वस्थ व समृद्ध हरियाणा के निर्माण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सैनी

सीएम ने हरियाणा को 337 करोड़ की विकास परियोजनाओं की दी सौगात

◆ **डॉक्टर्स-डे पर मुख्यमंत्री ने सात स्वास्थ्य परियोजनाओं का किया शुभारंभ**

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को नारायणगढ़ में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान प्रदेश की जनता को 337 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी।

मुख्यमंत्री ने कुल 7 महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजनाओं का शुभारंभ किया और साथ ही 'डॉक्टर्स डे' के अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े सभी कर्मयोगियों को बधाई दी। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह अवसर पूरे हरियाणा के लिए ऐतिहासिक है। यह केवल विकास परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं, बल्कि एक स्वस्थ और समृद्ध हरियाणा के निर्माण का हमारा संकल्प है। हमारी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में भी जनकल्याण के कार्यों को दोगुनी गति से आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नारायणगढ़ से शुरू की गई इन परियोजनाओं में 114 करोड़ रुपए की लागत से तैयार 7 स्वास्थ्य सेवाएं शामिल हैं। इसके अलावा, पर्यावरण और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 223 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 325 अमृत सरोवर भी प्रदेश की जनता को समर्पित किए गए हैं। क्षेत्र के लोगों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री ने नागरिक अस्पताल में लगभग 32 करोड़ रुपए की लागत से बने नए 50 बेड के ब्लॉक का उद्घाटन किया।

इस नए ब्लॉक के शुरू होने से नारायणगढ़ का नागरिक अस्पताल अब 100 बेड की क्षमता वाला अत्याधुनिक हस्पताल बन गया है। इसके साथ ही अस्पताल में एक ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट का भी शुभारंभ किया गया। सीएम ने याद दिलाया कि गत 11 फरवरी को प्रदेश के 17 जिलों में डे-केयर कैंसर सेंटरों की शुरुआत की गई थी, जिससे मरीजों को स्थानीय स्तर पर बड़ी राहत मिल रही है। नारायणगढ़ में कम्युनिटी सेंटर के निर्माण के लिए पांच करोड़ की राशि अलग से देने का एलान किया। नारायणगढ़ और शहजादपुर दोनों स्थानों पर आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण कराया जाएगा।

योगी ने अयोध्या दान प्रकरण की एसआईटी जांच की समय-सीमा 15 जुलाई तक बढ़ाई

◆ **कहा- दोषियों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा**

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या तीर्थ क्षेत्र में दान प्रकरण की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की समय-सीमा 15 जुलाई तक बढ़ा दी है।

मामले के विभिन्न पहलुओं की गहन छानबीन के लिए एसआईटी ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार करते हुए उन्होंने एसआईटी को आगामी 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। यह जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय से दी गयी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी का गठन करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि एसआईटी इस प्रकरण में हर पहलू की सघनता और निष्पक्षता से जांच करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करेगी। दोषियों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। गत 23 जून को एसआईटी के प्रमुख सदस्य लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अपना प्रारंभिक प्रतिवेदन गृह विभाग को सौंपा था, जिसमें कठोर संस्तुतियां की गई थीं। इन संस्तुतियों के आधार पर गत 25 जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्णमोहन की लिखित शिकायत पर श्रीराम जन्मभूमि थाने में पहली एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें आठ नामजद व अन्य अज्ञात व्यक्तियों को अभियुक्त बनाया गया था। सभी नामजद अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

उपलब्धि हिमाचल के 8 पारंपरिक उत्पादों को मिला जीआई टैग, किन्नौरी सेब व चंबा मेटल आर्ट शामिल

जीआई टैग से मिलेंगे रोजगार के नए अवसर : सीएम सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और कृषि महत्व वाले आठ पारंपरिक उत्पादों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) पंजीकरण मिल गया है।

इन उत्पादों में स्पीति का सी-बकथॉर्न (छरमा), सलूणी सफेद मक्का, चंबा मेटल आर्ट, सिरमौरी लोइया, किन्नौरी टोपी, मंडी की सेपूबड़ी, किन्नौरी सेब व किन्नौरी आभूषण शामिल हैं। इन आठ नए उत्पादों के साथ अब हिमाचल प्रदेश के कुल 17 पारंपरिक उत्पादों को हिमाचल प्रदेश विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद् (हिमकोस्ट) के माध्यम से जीआई पंजीकरण मिल चुका है। ये सभी उत्पाद हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक ज्ञान, हस्तशिल्प और कृषि उत्कृष्टता का प्रतीक हैं तथा प्रदेश की विशिष्ट पहचान को दर्शाते हैं। मुख्यमंत्री सुक्खू ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि राज्य सरकार द्वारा पिछले साढ़े तीन वर्षों में हिमाचल की पारंपरिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के लिए किए गए निरंतर प्रयासों का परिणाम है। जीआई टैग मिलने से इन उत्पादों की मौलिकता और पहचान सुरक्षित रहेगी, बाजार में इनकी मांग और मूल्य बढ़ेगा, नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यह मान्यता हमारी अमूल्य सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के साथ-साथ आर्थिक विकास, ग्रामीण उद्यमिता और आजीविका के नए अवसर भी प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चार अन्य पारंपरिक उत्पादों को भी जीआई टैग दिलाने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही है। इनमें चंबा जिले के पांगी क्षेत्र का भोट जौ, चंबा चुख, भरमौर क्षेत्र का प्लेक्ट्रेंथस शहद तथा सिरमौर ज़िले का अदरक शामिल हैं।

जीआई टैग से जनजातीय समुदायों, किसानों और कारीगरों की आजीविका होगी मजबूत

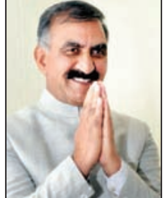

सुक्खू ने कहा कि जीआई टैग मिलने से जनजातीय समुदायों, कारीगरों, बुनकरों, किसानों और पारंपरिक उत्पादकों की आजीविका को मजबूती मिलेगी। साथ ही उत्पादों में मूल्य संवर्धन, ग्रामीण उद्यमिता और सतत आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। पर्यावरण, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव सुशील कुमार सिंगला ने कहा कि जीआई पंजीकरण इन उत्पादों को नकली और अनाधिकृत उपयोग से बचाने का प्रभावी माध्यम है। इससे इनकी ब्रांड पहचान मजबूत होगी, बाजार में इनकी स्वीकार्यता बढ़ेगी और निर्यात की संभावनाओं को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

भारत-पाक की 117 प्रमुख हस्तियों ने मोदी-शहबाज को पत्र लिखा: बोले- दुश्मनी खत्म करें

एजेंसी, नई दिल्ली/इस्लामाबाद। भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने के लिए दोनों देशों की 117 हस्तियों ने पीएम मोदी और पाक पीएम शहबाज शरीफ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि टकराव नहीं, बातचीत का रास्ता चुनिए, ताकि दक्षिण एशिया में शांति और विकास का माहौल बन सके। इन 117 हस्तियों में पूर्व अधिकारी, सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां शामिल हैं। भारत की ओर से जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और आरजेडी सांसद मनोज झा समेत 61 लोगों और पाकिस्तान की ओर से पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी समेत 56 लोगों ने चिट्ठी पर साइन किए हैं।

दिल्ली सरकार ने अधिसूचित की नई ईवी नीति, 2030 तक स्वच्छ, आधुनिक व हरित परिवहन व्यवस्था बनाने का लक्ष्य

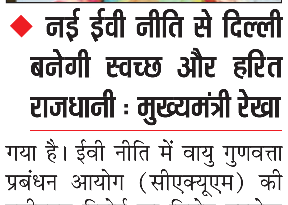

◆ **नई ईवी नीति से दिल्ली बनेगी स्वच्छ और हरित राजधानी : मुख्यमंत्री रेखा**

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2026 को अधिसूचित कर दिया है। यह नीति 1 जुलाई से प्रभावी हो गई है और 31 मार्च 2030 तक लागू रहेगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने बुधवार को विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि नई नीति का उद्देश्य दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने के साथ-साथ वायु गुणवत्ता में सुधार करना, पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करना, चार्जिंग एवं बैटरी स्वैपिंग अवसंरचना का व्यापक विस्तार करना तथा इलेक्ट्रिक वाहन आधारित मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र (ईको-सिस्टम) विकसित करना है। नीति के अंतर्गत वित्तीय प्रोत्साहन, डिजिटल पारदर्शिता, संस्थागत निगरानी तथा पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को समान महत्व दिया गया है। ईवी नीति में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की नवीनतम रिपोर्ट का विशेष उल्लेख किया गया है। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि दिल्ली में विशेषकर शीतकाल के दौरान वायु प्रदूषण में लगभग 23 प्रतिशत योगदान वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का है, जो सभी स्त्रोतों में सबसे अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली के कुल वाहनों में लगभग 67 प्रतिशत दोपहिया वाहन हैं, इसलिए इनके तीव्र विद्युतीकरण को वायु प्रदूषण कम करने के लिए अत्यंत आवश्यक माना गया है। इसके अतिरिक्त तिपहिया वाहन, वाणिज्यिक कारें तथा एन-1 श्रेणी के मालवाहक वाहन प्रतिदिन अधिक दूरी तय करते हैं और शहरी प्रदूषण में इनका योगदान भी अपेक्षाकृत अधिक है। इसी कारण नीति में इन श्रेणियों के वाहनों के प्राथमिकता आधारित विद्युतीकरण पर विशेष बल दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नीति केवल इलेक्ट्रिक वाहन खरीद को बढ़ावा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि चार्जिंग नेटवर्क, बैटरी स्वैपिंग, बैटरी रीसाइक्लिंग, ऊर्जा प्रबंधन, डिजिटल सेवा वितरण तथा पर्यावरण संरक्षण को एकीकृत करते हुए दीर्घकालिक स्वच्छ परिवहन व्यवस्था स्थापित करने का व्यापक रोडमैप प्रस्तुत करती है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत बना वैश्विक डिजिटल शक्ति : अनुराग ठाकुर

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने डिजिटल इंडिया अभियान के 11 वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की डिजिटल क्रांति को ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि 1 जुलाई 2015 को शुरू हुई यह पहल आज भारत के सुशासन, पारदर्शिता, नवाचार और जनसशक्तिकरण की मजबूत आधारशिला बन चुकी है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया ने देश को एनालॉग व्यवस्था से निकालकर तकनीक आधारित आधुनिक प्रशासन की दिशा में अग्रसर किया है, जिससे गांवों से लेकर महानगरों तक नागरिकों के जीवन में व्यापक बदलाव आया है। अनुराग सिंह ठाकुर ने बुधवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने डिजिटल अवसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। आज देश में 144 करोड़ से अधिक आधार आईडी जारी की जा चुकी हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से 9.4 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता डिजिटल माध्यम से उनके खातों में पहुंचाई जा रही है।

भारतनेट परियोजना के अंतर्गत लगभग 97 प्रतिशत ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से जोड़ा जा चुका है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग और सरकारी सेवाओं की पहुंच और अधिक सुलभ हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों नागरिकों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने के साथ-साथ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली ने सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बिचौलिये के सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है तथा सरकारी धन की बचत सुनिश्चित हुई है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि आज भारत में 103 करोड़ से अधिक इंटरनेट कनेक्शन हैं और दुनिया के लगभग आधे रियल-टाइम डिजिटल भुगतान भारत में हो रहे हैं।

शिमला में 50 लोगों को चिट्टा सप्लाई करने वाला मुख्य सरगना पंजाब से काबू

ठियोग मामले की जांच से खुला पूरा नेटवर्क, डिजिटल साक्ष्यों से पुलिस ने पकड़ा मुख्य सप्लायर

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला शिमला के ऊपरी क्षेत्र में दर्जनों लोगों को नियमित रूप से चिट्टा (हेरोइन) सप्लाई करने वाले एक मुख्य सरगना को शिमला पुलिस ने पंजाब के मोहाली से गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी शिव चरण महतो ऊपरी शिमला के करीब 50 लोगों को नशे की खेप पहुंचा चुका था। पुलिस का कहना है कि ठियोग में चिट्टा बरामदगी के एक मामले की जांच के दौरान पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ और इसके बाद मुख्य सप्लायर तक पहुंचने में सफलता मिली। पुलिस के अनुसार यह मामला 21 जून का है। उस दिन पुलिस थाना ठियोग की टीम फागू क्षेत्र में गश्त और अपराध रोकथाम के लिए तैनात थी। इसी दौरान विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध वाहन को जांच के लिए रोका। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से करीब 9 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। मौके पर वाहन चालक ठियोग के फागू निवासी साहिल वर्मा (22 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड लिया गया और मामले की विस्तृत जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों का सहारा लिया। मोबाइल फोन और व्हाट्सएप से जुड़े डिजिटल रिकॉर्ड का विश्लेषण किया गया। इसी पड़ताल में पुलिस को नशे की सप्लाई चेन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। जांच में सामने आया कि बरामद चिट्टे की खेप मोहाली निवासी शिव चरण महतो से लाई गई थी, जो इस नेटवर्क का प्रमुख सप्लायर माना जा रहा है। इसके बाद शिमला पुलिस ने एक विशेष टीम गठित कर पंजाब में कार्रवाई की योजना बनाई। पुलिस टीम ने 29 जून की मध्यरात्रि को मोहाली के एसएएस नगर क्षेत्र में दबिश दी और शिव चरण महतो को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान साधु महतो के पुत्र शिव चरण महतो निवासी जगतपुरा, एसएएस नगर, मोहाली, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि शिव चरण महतो लंबे समय से ऊपरी शिमला क्षेत्र में नशे की आपूर्ति कर रहा था। प्रारंभिक जांच के अनुसार वह करीब 50 लोगों को नियमित रूप से हेरोइन उपलब्ध कराता था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, नशे की खेप कहां से लाई जाती थी और इसकी आपूर्ति किन-किन क्षेत्रों तक की जाती थी। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी शिव चरण महतो को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसका दो दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले के हर पहलू की गहन जांच की जा रही है और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है। एसएसपी गौरव सिंह के अनुसार नशा तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी है और केवल नशीले पदार्थों की बरामदगी तक सीमित रहने के बजाय पूरे सप्लाई नेटवर्क को चिन्हित कर उसके प्रत्येक सदस्य तक पहुंचने पर जोर दिया जा रहा है।

विबी-जी रामजी को लेकर मुख्यमंत्री व उनके मंत्रियों के सारे झूठ हवा-हवाई : जयराम ठाकुर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मंडी से जारी बयान में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह, उनके मंत्रिमंडल के मंत्री और मित्र मंडल के करीबी लोग विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (विबी-जी रामजी) को लेकर लगातार अफवाह फैला रहे थे।

मजदूरी कम करने की बातें कर रहे थे, जबकि विबी-जी रामजी कानून के सेक्शन 10 में यह बात पहले ही स्पष्ट थी कि किसी भी हालत में मनरेगा के मुकाबले मजदूरी कम नहीं होगी। बीते कल प्रकाशित हुए भारत के राजपत्र में भी यह बात साफ हो गई। इस तरह मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह और उनके मंत्रिमंडल का झूठ बेनकाब हो गया। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि कानून में स्पष्ट प्रावधान होने के बाद भी खुद को बहुत पढ़ा-लिखा मुख्यमंत्री बताने वाले सुखविंदर सिंह सुक्खू खुद और अपने मंत्रियों से मजदूरी घटने की अफवाह क्यों उड़वा रहे थे? क्या यह अफवाह शरारतन फैलाई जा रही थी या उन्हें सच में इस बात की कोई जानकारी नहीं थी? अपने इस झूठ के लिए मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को माफी मांगनी चाहिए। विबी-जी रामजी में सरकार की जवाबदेही, रोजगार की पारदर्शिता, रोजगार के अधिकार, काम के भुगतान और रोजगार के दिनों में बढ़ोतरी के प्रावधान हैं और भ्रष्टाचार के चोर दरवाजे खत्म हो रहे हैं। इसी बात से सुक्खू सरकार परेशान है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विबी-जी रामजी 100 दिनों के बजाय 125 दिनों के रोजगार की गारंटी देता है। काम करने के इच्छुक हर व्यक्ति को रोजगार देने का प्रावधान है। निर्माण कार्य के खर्च में केंद्र ने अपनी 15% हिस्सेदारी बढ़ाई है। आपदा राहत और आपदा न्यूनीकरण के लिए भी विबी-जी रामजी में प्रावधान है। इसका सर्वाधिक लाभ हिमाचल प्रदेश के आपदा-ग्रस्त क्षेत्रों में राहत, पुनर्वास और आपदा न्यूनीकरण के कार्यों में लिया जा सकता है, लेकिन यह हिमाचल सरकार की प्राथमिकता ही नहीं है। सरकार सिर्फ झूठ बोलकर लोगों को गुमराह करते हुए अपना समय काट रही है।

आईजीएमसी में तकनीकी नवाचार व गुणवत्ता सुधार पर हुई चर्चा

सर्वाइकल कैंसर जागरूकता नाटक व स्वास्थ्य विषयों पर हुई विस्तृत चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। डॉक्टर्स डे के अवसर पर इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी), शिमला के अस्पताल प्रशासन विभाग द्वारा एक दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अस्पताल प्रशासन से जुड़े चिकित्सकों एवं अधिकारियों को आधुनिक अस्पताल प्रबंधन, नवीन चुनौतियों तथा भविष्य की कार्ययोजना से अवगत कराना था।

कार्यक्रम में अस्पताल प्रशासन विभाग के चिकित्सा अधीक्षक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. राहुल राव ने अस्पताल प्रशासन की दैनिक कार्यप्रणाली, सेवा गुणवत्ता में सुधार तथा संस्थान के भावी विकास के रोडमैप पर अपने विचार साझा किए। सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक ठाकुर ने अपने व्याख्यान में अस्पताल प्रबंधन में तकनीकी नवाचार, गुणवत्ता आश्वासन, रोगी सुरक्षा तथा बदलती स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रवीण एस. भाटिया ने मेडिको-लीगल मुद्दों पर जानकारी देते हुए कहा कि चिकित्सकों को अपने कार्य के दौरान आने वाली कानूनी चुनौतियों की सही समझ होना आवश्यक है। उन्होंने ऐसे मामलों के प्रभावी एवं विधिसम्मत प्रबंधन पर भी विस्तृत चर्चा की। सामुदायिक चिकित्सा विभाग के डॉ. अमित सचदेवा ने 'आज की जीवनशैली में पोषण संबंधी व्यवहार' विषय पर व्याख्यान देते हुए संतुलित आहार, स्वस्थ जीवनशैली तथा रोगों की रोकथाम में पोषण की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान रोटरी क्लब द्वारा सर्वाइकल कैंसर जागरूकता पर एक प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति भी दी गई। इसमें समय पर जांच, एचपीवी टीकाकरण तथा शीघ्र पहचान के महत्व पर विशेष संदेश दिया गया, जिसे उपस्थित प्रतिभागियों ने सराहा। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर आयोजित इस सीएमई कार्यक्रम में चिकित्सकों को उनके समर्पण, सेवा भावना एवं स्वास्थ्य सेवाओं में अमूल्य योगदान के लिए सम्मानपूर्वक शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया। प्रतिभागियों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम अस्पताल प्रशासन और रोगी सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने भविष्य में भी नियमित रूप से ऐसे शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार लाया जा सके।

कांग्रेस पहले अपने बिखरे संगठन को संभाले, भाजपा के कार्यकर्ताओं की चिंता छोड़ दे : संदीपनी भारद्वाज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने कांग्रेस संगठन महासचिव विनोद जिंटा के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें उन्होंने एक माह के भीतर 8 से 10 हजार भाजपा कार्यकर्ताओं के कांग्रेस में शामिल होने का दावा किया है।

उन्होंने कहा कि यह बयान कांग्रेस की हताशा, निराशा और राजनीतिक दिवास्वप्न का परिचायक है। संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को पहले अपने संगठन की वास्तविक स्थिति का आकलन करना चाहिए, जिस पार्टी के अपने विधायक, पूर्व विधायक, वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता लगातार सरकार और संगठन के खिलाफ सार्वजनिक रूप से असंतोष व्यक्त कर रहे हों, वह भाजपा के मजबूत संगठन को तोड़ने के सपने देख रही है। प्रदेश में कांग्रेस के भीतर गुटबाजी चरम पर है और सरकार तथा संगठन के बीच तालमेल पूरी तरह समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को यदि संगठन विस्तार करना है, तो पहले जनता से किए गए अपने 10 चुनावी वादों का हिसाब देना चाहिए। महिलाओं को 1500 प्रतिमाह, युवाओं को 5 लाख रोजगार, 300 यूनिट मुफ्त बिजली, कर्मचारियों की मांगों और किसानों-बागवानों से किए गए वादे आज भी अधूरे हैं। जनता इन वादाखिलाफियों का जवाब मांग रही है और कांग्रेस जवाब देने के बजाय झूठे दावों के सहारे राजनीतिक माहौल बनाने का प्रयास कर रही है।

संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राजनीतिक संगठन है, जहां कार्यकर्ता किसी पद या लाभ के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रवाद, सुशासन और जनसेवा की विचारधारा से जुड़ता है। भाजपा का कार्यकर्ता विचार से जुड़ा है, इसलिए कांग्रेस के झूठे प्रचार से भाजपा के संगठन पर कोई प्रभाव पड़ने वाला नहीं है।

शिमला में नशा जागरूकता अभियान को मिला नया आयाम

खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों से दिया नशा विरोधी संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला कल्याण विभाग, शिमला द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पुलिस ग्राउंड, भराड़ी में एकदिवसीय नशा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम में सीडीएसी पेस सेंटर, लक्कड़ बाजार शिमला तथा इसके कंडाघाट और ठियोग केंद्रों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान क्रिकेट, रस्साकशी, 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, म्यूजिकल चेयर तथा म्यूजिकल बॉल सहित विभिन्न खेल, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने सभी गतिविधियों में उत्साह, टीम भावना और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जिला कल्याण अधिकारी, शिमला कपिल देव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी गंभीर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने युवाओं से नशामुक्त, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे, ताकि प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही देश का भविष्य है और उन्हें सही दिशा देना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यातिथि ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बनता था। तहसील कल्याण अधिकारी, शिमला शहरी ने सीडीएसी पेस सेंटर, लक्कड़ बाजार के प्रबंधन एवं समस्त स्टाफ का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, अधिकारियों, स्वयंसेवकों तथा सहयोगी कर्मचारियों का कार्यक्रम को सफल बनाने में दिए गए योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

नशे के खिलाफ लड़ाई में जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार : राहुल कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बिलासपुर में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया और इससे दूर रहने का संदेश दिया।

करियर काउंसलिंग से लक्ष्य निर्धारण का दिया संदेश, रुचि के अनुसार करें करियर का चयन

डीसी राहुल कुमार ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने बताया कि नशे की शुरुआत अक्सर जिज्ञासा, गलत संगति या क्षणिक आकर्षण से होती है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति के जीवन को पूरी तरह प्रभावित कर देती है। उन्होंने छात्राओं से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने मित्रों और परिवारजनों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से चिट्टा जैसे घातक नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर देता है और कई बार उन्हें अपराध की ओर भी धकेल देता है। उन्होंने कहा कि समय पर जागरूकता और सही मार्गदर्शन से युवाओं को इस सामाजिक बुराई से बचाया जा सकता है। राहुल कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रही है। जिला प्रशासन भी लगातार विद्यालयों और महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान डीसी ने छात्राओं की करियर काउंसलिंग भी की और उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रिया कौशल ने कार्यक्रम के लिए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष जमुना देवी, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

'खेत बचाओ अभियान' सफल, हजारों किसानों को मिला लाभ

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के आह्वान पर आईसीएआर-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), शिमला द्वारा 1 से 30 जून, 2026 तक चलाया गया

राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। यह अभियान संतुलित उर्वरक उपयोग, टिकाऊ कृषि पद्धतियों और आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। अभियान के दौरान देशभर के किसानों और कृषि हितधारकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसे पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु और मेघालय स्थित क्षेत्रीय केंद्रों के साथ-साथ सीपीआरआई मुख्यालय शिमला में एक साथ संचालित किया गया। इस दौरान 100 किसान-केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनसे 5,456 किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिला। कार्यक्रम के अंतर्गत 178 खेत स्तरीय प्रदर्शन आयोजित किए गए, जिनमें उन्नत फसल प्रबंधन, एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन, बीज उपचार तथा

टिकाऊ खेती की तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। जन-जागरूकता के लिए 1,052 बैनर, पोस्टर और प्रचार सामग्री का उपयोग किया गया, जबकि सोशल मीडिया के माध्यम से लगभग 1.5 लाख हितधारकों तक संदेश पहुंचाया गया।

अभियान में मृदा परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण, गुणवत्तायुक्त बीजों का उपयोग और जल-कुशल कृषि पद्धतियों को विशेष रूप से बढ़ावा दिया गया। किसानों को जलवायु-अनुकूल तकनीकों और वैज्ञानिक फसल प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। सीपीआरआई निदेशक डॉ. ब्रजेश सिंह ने कहा कि किसानों की उत्साहजनक भागीदारी वैज्ञानिक तकनीकों पर बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि संस्थान आगे भी टिकाऊ कृषि के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और अनुसंधान आधारित समाधान किसानों तक पहुंचाता रहेगा सह-नोडल अधिकारी डॉ. पिनबियानलांग के. ने बताया कि शिमला और सोलन जिलों में लगभग 25 जागरूकता कार्यक्रमों से करीब 1,200 किसानों को लाभ मिला। इन कार्यक्रमों में संवादात्मक सत्र और खेत प्रदर्शन शामिल रहे। अभियान के सफल संचालन में संस्थान के कई वैज्ञानिकों और 17 बहु-विषयक टीमों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस पहल ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि सीपीआरआई प्रयोगशाला से खेत तक वैज्ञानिक तकनीक पहुंचाने के अपने मिशन के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

डिजिटल व्यापार और ई-कॉमर्स पर उद्यमियों को किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उद्योग विभाग के सौजन्य से सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय के राइजिंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस कार्यक्रम के तहत बीडीओ कार्यालय झंडूता में एकदिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 30 से अधिक प्रतिभागियों को डिजिटल व्यापार, ई-कॉमर्स और जैम पोर्टल की जानकारी दी गई। प्रसार अधिकारी उद्योग बिलासपुर पूनम ने बताया कि प्रतिभागियों को आधुनिक व्यावसायिक तरीकों को अपनाने और डिजिटल बाजार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि उद्यमिता प्रशिक्षण और ई-कॉमर्स की समझ छोटे व्यवसायों को बड़े स्तर तक पहुंचा सकती है। कार्यशाला में विभिन्न सत्रों के दौरान विशेषज्ञों ने उद्यमिता कौशल, क्लस्टर विकास और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। प्रतिभागियों को ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल भुगतान प्रणाली और सामूहिक उद्यमिता के लाभों के बारे में भी जागरूक किया गया।

प्रदेश राज्य शतरंज संघ की चयन समिति के अध्यक्ष बने अशोक भारद्वाज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य शतरंज संघ की सामान्य सभा की बैठक पांवटा साहिब में आयोजित की गई, जिसमें राज्य में शतरंज के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में ठियोग के लिए गर्व का विषय तब बना जब ठियोग निवासी अशोक भारद्वाज को हिमाचल प्रदेश राज्य शतरंज संघ की चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। संघ ने वर्ष 2025 के खेल संहिता के अनुरूप चयन प्रक्रिया में संशोधन करते हुए चयन समिति का पुनर्गठन किया। समिति में अध्यक्ष अशोक भारद्वाज के साथ नम्रता शर्मा (सोलन), प्रांजलि शर्मा (मंडी) और जगदीश चंदेल (कांगड़ा) को सदस्य बनाया गया है। बैठक में कृष्ण कुमार सकलानी को हिमाचल प्रदेश राज्य शतरंज संघ का मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी नामित किया गया। वहीं, एसपी शर्मा (मंडी) तथा ललित वैद्य को संघ की ओर से चुनाव संबंधी जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश राज्य शतरंज संघ ने प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर का विशेष आभार व्यक्त किया। संघ ने कहा कि मंत्री द्वारा जुब्बल स्थित ठाकुर रामलाल खेल छात्रावास में महिला शतरंज खिलाड़ियों के लिए 10 सीटें स्वीकृत करना ऐतिहासिक और सराहनीय कदम है। संघ ने इस योगदान के लिए शिक्षा मंत्री को सम्मानित करने का निर्णय लिया है।

संघ ने सरकार से आग्रह किया है कि इन 10 सीटों को जल्द पात्र महिला शतरंज खिलाड़ियों से भरा जाए, ताकि उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के अवसर मिल सकें। साथ ही छात्रावास में योग्य शतरंज प्रशिक्षक (चेस कोच) की नियुक्ति भी जल्द करने की मांग की गई है। ठियोग के अशोक भारद्वाज को चयन समिति का अध्यक्ष बनाया जाना क्षेत्र के लिए सम्मान और गौरव का विषय माना जा रहा है। स्थानीय खेल प्रेमियों और शतरंज खिलाड़ियों ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए आशा जताई है कि इससे प्रदेश में शतरंज को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

सुनवाई कुलदीप सिंह पठानिया की अध्यक्षता में याचिका समिति की बैठक, कई मामलों पर हुई सुनवाई

118 याचिकाओं में 55 का निपटारा, विस समिति ने तेज किए समाधान के प्रयास

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। विधानसभा सचिवालय के मुख्य समिति कक्ष में याचिका समिति की बैठक का आयोजन हिप्र विधान सभा अध्यक्ष व समिति सभापति कुलदीप सिंह पठानिया की अध्यक्षता में किया गया। इस बैठक में समिति सदस्य व विधायक चंद्रशेखर भी मौजूद थे। बैठक के संचालन के दौरान विधानसभा सचिव यशपाल शर्मा ने आज के लिए प्रस्तावित याचिकाओं को विषय एवं मद वार समिति के समक्ष रखा, जिस पर समिति ने अलग-अलग विषय पर सुनवाई आरंभ की तथा दिशा-निर्देश दिए।

समिति ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की 3 तथा कार्मिक विभाग की एक याचिका पर सचिव स्वास्थ्य विभाग का मौखिक साक्ष्य लिया तथा सभी याचिकाओं के शीघ्र निपटारे के दिशा-निर्देश दिए गए,

जबकि शिक्षा विभाग की कुल 8 याचिकाओं पर समिति द्वारा सुनवाई की गई, जिस पर मौखिक साक्ष्य के दौरान सचिव शिक्षा विभाग द्वारा समिति को याचिकाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत करवाया गया। बैठक के दौरान समिति ने शिक्षा विभाग की 8 में से 6 याचिकाओं के पुनः परीक्षण करने के आदेश दिए तथा एक मामला उच्च न्यायलय के अधीन विचाराधीन होने के कारण व एक अन्य मामले में विभाग से उत्तर अपेक्षित होने के एवज में उन्हें लंबित रखा गया है। करूणा मूलक आधार पर नियुक्तियों मामले पर मौखिक साक्ष्य के दौरान समिति को अवगत करवाते हुए शिक्षा सचिव ने कहा कि अधिक आय की वजह से जिन करूणामूलक अभ्यर्थियों के आवेदन विभागों रद्द किए गए हैं, उनके लिए सरकार द्वारा हाल ही में एक नई नीति अनुमोदित की गई है, जिसे एक या दो दिनों के भीतर अधिसूचित किया जाएगा। इन अभ्यर्थियों को पुनः एक महीने के भीतर अपने-अपने विभागों में आवेदन करने के लिए समिति अधिकारी को उन्हें शीघ्र सूचित करने के दिशा-निर्देश दिए, ताकि ऐसे सभी अभ्यर्थी जिनका आय सीमा के कारण आवेदन रद्द हुआ है समय रहते नई नीति का लाभ उठा सकें। इसके अतिरिक्त समिति ने बिजली विभाग से संबंधित 6 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सचिव बिजली का मौखिक साक्ष्य लिया, जिनमें से 2 याचिकाओं का बैठक में निपटारा किया गया, जबकि 2 याचिकाओं का पुनः परीक्षण तथा 2 अन्य याचिकाओं को विभाग से उत्तर अपेक्षित होने की वजह से लंबित रखा गया है। विधानसभा अध्यक्ष व समिति सभापति कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि अभी तक समिति को कुल 118 याचिकाएं प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 55 याचिकाओं का निपटारा किया जा चुका है। 4 याचिकाओं में ठोस आधार न होने के कारण उन्हें अभ्यर्थियों को वापिस लौटाया गया है। 32 याचिकाओं में अभी विभाग से उत्तर अपेक्षित हैं जबकि 24 याचिकाओं के उत्तर विभागों से प्राप्त हो चुके हैं जिस पर अगली बैठक में सुनवाई की जाएगी। 3 याचिका मामलों में विभागाध्यक्ष को अगली बैठक में मौखिक साक्ष्य के लिए बुलाया जाएगा।

28 वर्षों बाद गठित याचिका समिति से गरीबों और शोषितों को मिलेगा त्वरित न्याय

पठानिया ने कहा कि याचिका समिति का गठन 28 वर्षों उपरांत गरीबों, असहायों तथा शोषित लोगों को त्वरित, शीघ्र तथा मुफ्त न्याय दिलाने के उद्देश्य से किया गया है। कोई भी प्रताड़ित, शोषित तथा निर्धन व्यक्ति मुफ्त न्याय पाने के लिए याचिका समिति के समक्ष अपना आवेदन दे सकता है। आंतरिक बैठक के दौरान समिति ने विभिन्न विभागों से सम्बन्धित 17 याचिकाओं का पुर्नवलोकन किया तथा जिसमें से 13 याचिकाओं पर पुनः परीक्षण, 2 याचिकाओं का बैठक में ही निपटारा किया गया, जबकि 2 अन्य याचिकाओं को अगली बैठक तक लंबित रखने के दिशा-निर्देश जारी किए गए।

भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण व लोकतंत्र की हत्या, इन्हीं 3 स्तंभों पर टिकी है सरकार : डॉ. सिकंदर कुमार

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, जुब्बल। भाजपा के जिला महासू प्रशिक्षण महाभियान के समापन सत्र में भाजपा प्रदेश महामंत्री व राज्यसभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि आज हिमाचल प्रदेश में भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अराजकता व लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग का दौर चल रहा है तथा सरकार जनता के विश्वास को लगातार तोड़ रही है। डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि हाल ही में सामने आई प्रूनिंग कैंची खरीद मामले की खबरें प्रदेश सरकार के भ्रष्टाचार की पोल खोलती हैं। उन्होंने कहा कि पहले लगभग 4,300 रुपए की बोली को निरस्त किया गया और बाद में वही सामग्री लगभग 5,800 प्रति कैंची की दर से खरीदने की मंजूरी दी गई। यह सीधे-सीधे सरकारी धन की बर्बादी व किसानों-बागवानों के हितों से खिलवाड़ है। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि दूसरी ओर धर्मशाला नगर निगम में अवैध कब्जों के मामलों को लेकर कांग्रेस सरकार दोहरा मापदंड अपना रही है। यदि किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है तो कानून सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिए। भाजपा पारदर्शी जांच का समर्थन करती है, लेकिन कांग्रेस सरकार जांच एजेंसियों और प्रशासन का इस्तेमाल केवल राजनीतिक प्रतिशोध के लिए कर रही है। जनता अब इस राजनीति को भली-भांति समझ चुकी है। डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि कांग्रेस सरकार स्थानीय निकायों में जनता के जनादेश को स्वीकार नहीं कर पा रही है। जहां कांग्रेस के पास बहुमत है, वहां अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव तुरंत कराए जा रहे हैं, जबकि जहां भाजपा समर्थित जनप्रतिनिधियों को बहुमत प्राप्त है, वहां नियम बदलकर, नोटिफिकेशन जारी कर और प्रशासन पर दबाव बनाकर चुनाव प्रक्रिया को जानबूझकर लटकाया जा रहा है। यह लोकतंत्र का खुला अपमान है।

न्यूज ब्रीफ

देहरादून में जिला पर्यटन अधिकारी रिश्वतखोरी मामले में निलंबित

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून में होमस्टे अनुदान योजना में रिश्वतखोरी के गंभीर आरोपों के चलते जिला पर्यटन अधिकारी बृजेश पांडे को निलंबित कर दिया गया है। पर्यटन सचिव ने निलंबन के आदेश जारी किए और मामले की विभागीय जांच अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी को सौंप दी है। प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए गए, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। इस घटना से पर्यटन विभाग में हड़कंप मच गया है और आगे की जांच जारी है।

कॉस्मेटिक की दुकान की आड़ में चल रहा था नशे का कारोबार, एसटीएफ ने एक कारोबारी दबोचा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड एसटीएफ और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने हरिद्वार के कलियर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। कॉस्मेटिक की दुकान की आड़ में प्रतिबंधित नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले आरोपी अहतशाम उल हक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 3.9 किलोग्राम कोडीन सिरप और प्रतिबंधित कैप्सूल बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में आरोपी का संबंध एसटीएफ द्वारा पूर्व में बरामद किए गए 18 हजार प्रतिबंधित कैप्सूल के मामले से भी सामने आया है।

कार खाई में गिरने से एक युवक की मौत, दो दोस्त घायल, शराब के नशे में अनियंत्रित हुआ वाहन

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून प्रेमनगर थाना क्षेत्र के फूलसेनी मोड़ पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार चालक की मौत हो गई, जबकि कार में सवार उसके दो दोस्त मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सूचना मिली कि फूलसेनी मोड़ पर एक कार सड़क से नीचे खाई में गिर गई है। सूचना मिलते ही प्रेमनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया।

भाजपा नेता विकास को फिर मिली जान से मारने की धमकी

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। थोक केंद्रीय उपभोक्ता संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं भाजपा नेता विकास तिवारी को एक बार फिर फोन पर जान से मारने की धमकी मिली है। अज्ञात कॉलरों ने अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल कर उन्हें ठिकाने लगाने की धमकी दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए विकास तिवारी ने नगर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। इससे पहले सोमवार को सहकारी समिति के चुनाव के दौरान उनकी कुछ लोगों से कहासुनी हुई थी तथा उनको पिटा गया था।

डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने वीरभद्र मंडल क्षेत्र के लिए 50 स्ट्रीट लाइटें कीं वितरित

भारतेंदु संवाददाता, ऋषिकेश

ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने अपने ऋषिकेश स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वीरभद्र मंडल क्षेत्र में पथ प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु आवश्यकता को देखते हुए 50 स्ट्रीट लाइट वितरित की। इस अवसर पर डॉ. अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के साथ-साथ मूलभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रकाश व्यवस्था से न केवल आमजन को सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत होगी। कार्यक्रम में वीरभद्र मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, मंडल महामंत्री पुनीता भंडारी, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष पिंकी धस्माना सहित जयपाल त्यागी, गीता मित्तल, मनोरमा, प्रियंका देवी, आशा देवी, रमा देवी, अनीता देवी आदि कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी उपस्थित जनों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए इस पहल को क्षेत्र के लिए अत्यंत लाभकारी बताया।

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान का हुआ घर-घर जाकर सत्यापन

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने जनपद में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सभी राजनीतिक दलों, नागरिकों और युवाओं से सक्रिय सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, त्रुटिरहित और अद्यतन बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सही रूप से दर्ज हो सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में डिजिटलीकरण के कार्य के साथ-साथ बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा उन गणना प्रपत्रों का भी पुनः सत्यापन किया जा रहा है, जिन्हें पूर्व में वास्तविक स्थिति के आधार पर 'अन-कलेक्टेबल' श्रेणी में चिह्नित किया गया था। अभियान के तहत मतदाताओं के निवास स्थलों का सत्यापन, मैपिंग का डिजिटलीकरण तथा निर्वाचन अभिलेखों को अधिक सटीक एवं अद्यतन बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि अधिकारी एवं कर्मचारी घर-घर जाकर सत्यापन कार्य कर रहे हैं। उन्होंने जनपद के सभी राजनीतिक दलों, सम्मानित नागरिकों और युवाओं से बूथ स्तर पर चल रहे सत्यापन अभियान में निर्वाचन विभाग के साथ समन्वय एवं सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित पक्षों की सक्रिय सहभागिता से ही मतदाता सूची को अधिक विश्वसनीय, पारदर्शी और अद्यतन बनाया जा सकेगा, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

पहली बार छह लाख छात्रों को मिलेगा निशुल्क कॉपियों का उपहार

समग्र शिक्षा अभियान के तहत कक्षा 1 से 12 तक छात्रों को मिलेंगी निशुल्क कॉपियां

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी पहल के तहत इस बार समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत लगभग छह लाख छात्रों को निशुल्क कॉपियों का वितरण किया जा रहा है। यह पहली बार है जब राज्य में सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को किताबों के साथ-साथ कॉपियां भी मुफ्त में उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस योजना का उद्देश्य छात्रों को शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराना और अभिभावकों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करना है।

नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही यह योजना लागू की गई है। रुड़की स्थित हरिद्वार जिले

के निशुल्क पाठ्य पुस्तक भंडारण एवं वितरण केंद्र पर कॉपियों की खेप पहुंचनी शुरू हो गई है। जैसे ही कॉपियां केंद्रों पर पहुंच रही हैं, उन्हें स्कूलों तक भेजने की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि सभी छात्रों को समय पर कॉपियां उपलब्ध कराने के लिए वितरण व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है।

इस योजना के तहत कक्षा 1 और 2 के प्रत्येक छात्र को एक-एक कॉपी दी जाएगी। कक्षा 3, 4 और 5 के विद्यार्थियों को तीन-तीन कॉपियां प्रदान की जाएंगी, जबकि कक्षा 6 से 12 तक के प्रत्येक छात्र को पांच-पांच कॉपियां निशुल्क मिलेंगी। इस तरह लाखों छात्रों को सीधे लाभ मिलेगा और उनकी पढ़ाई के लिए जरूरी सामग्री आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।

केंद्र के प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि कॉपियों का भंडारण लगातार किया जा रहा है और जल्द ही सभी विद्यालयों में वितरण शुरू कर दिया जाएगा।

कमजोर वर्ग के छात्रों को होगा विशेष लाभ

इस योजना से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को विशेष लाभ होगा, क्योंकि उन्हें पढ़ाई के लिए जरूरी सामग्री बिना किसी खर्च के उपलब्ध हो रही है। इससे न केवल शिक्षा के प्रति छात्रों की रुचि बढ़ेगी, बल्कि स्कूलों में उपस्थिति और पढ़ाई का स्तर भी बेहतर होने की संभावना है। शिक्षा विभाग का मानना है कि इस तरह की योजनाएं बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सरकार की यह पहल राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देखी जा रही है। कुल मिलाकर यह योजना छात्रों के लिए एक बड़ी राहत और प्रोत्साहन के रूप में सामने आई है, जिससे लाखों परिवारों को आर्थिक सहायता भी मिलेगी।

हर्षिल पर मंडरा रहा खतरा, भागीरथी के बढ़ते जलस्तर से मची दहशत

बढ़ता जलस्तर बना चिंता का कारण, हर्षिल के लोग पांच रातों से जागने को मजबूर

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तरकाशी जिले के हर्षिल क्षेत्र में भागीरथी नदी का बढ़ता जलस्तर ग्रामीणों के लिए गंभीर चिंता का कारण बन गया है। लगातार हो रहे कटाव और जलस्तर में वृद्धि से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पिछले कई दिनों से हालात ऐसे बने हुए हैं कि स्थानीय लोग रातों की नींद खो चुके हैं और संभावित आपदा की आशंका के चलते पूरी रात जागकर निगरानी करने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले वर्ष आई आपदा के बाद से ही हर्षिल क्षेत्र में स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाई है। उस समय बनी अस्थायी झील और नदी के बदलते प्रवाह ने इलाके की भौगोलिक स्थिति को अस्थिर कर दिया है। अब भागीरथी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे किनारों पर कटाव तेजी से हो रहा है और आसपास के गांवों पर खतरा मंडरा रहा है।

मंगलवार को हर्षिल क्षेत्र के आठ गांवों के प्रधान और कई पूर्व

ग्रामीणों ने की सुरक्षा कार्यों की मांग, प्रशासन से लगाई गुहार

जनप्रतिनिधि जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और उन्होंने प्रशासन से तत्काल सुरक्षा उपाय करने की मांग की। इस दौरान वयोवृद्ध पूर्व प्रधान बसंती नेगी ने भी अधिकारियों से मुलाकात की और कहा कि गांवों की सुरक्षा के लिए जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए जाएं, अन्यथा स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

ग्रामीणों ने बताया कि बीते शुक्रवार रात को नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे जीएमवीएन का एक टिनशेड बह गया। इसके बाद शनिवार को फिर से जलस्तर में वृद्धि हुई, जिससे कई पेड़ टूटकर नदी में गिर गए। यह स्थिति दर्शाती है कि नदी का प्रवाह बेहद अस्थिर हो गया है और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

अब हालात यह हैं कि जीएमवीएन परिसर, पुलिस थाना, लोक निर्माण विभाग का गेस्ट हाउस, सेब के बागान, होटल, होमस्टे और कई आवासीय भवन सीधे खतरे की जद में आ गए हैं। स्थानीय लोग हर समय भय के माहौल में जी रहे हैं और रात के समय नदी किनारे निगरानी भी करनी पड़ रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति से समय रहते निपटा जा सके।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में तुरंत सुरक्षात्मक कार्य शुरू किए जाएं। उन्होंने करीब चार सौ वायरक्रेट दीवारें लगाने की मांग भी रखी है ताकि नदी के कटाव को रोका जा सके और गांवों को सुरक्षित किया जा सके। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो यह स्थिति बड़े पैमाने पर नुकसान का कारण बन सकती है।

इस पूरी स्थिति ने हर्षिल क्षेत्र में चिंता और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीण लगातार प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही राहत और सुरक्षा के ठोस उपाय किए जाएंगे ताकि उनकी जान-माल की रक्षा हो सके और क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल हो सके।

पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर की अध्यक्षता में डिजिटल पुलिसिंग समीक्षा बैठक संपन्न

भारतेंदु संवाददाता, रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग पुलिस ने जनपद में डिजिटल पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा तकनीक आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी उद्देश्य से पुलिस कार्यालय रुद्रप्रयाग में पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के सभी राजपत्रित अधिकारी, कोतवाली प्रभारी, तकनीकी प्रकोष्ठ के अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं प्रणाली (सीसीटीएनएस) तथा भारत सरकार और उत्तराखंड पुलिस द्वारा संचालित विभिन्न डिजिटल पोर्टलों की प्रगति की समीक्षा करना और उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था।

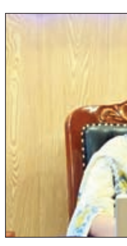

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि थानों में दर्ज होने वाली प्रत्येक

◆ **15 दिन में शत-प्रतिशत डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने का लक्ष्य**

प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर), ड्राफ्ट आरोपपत्र और अंतिम आरोपपत्र पर समयबद्ध तरीके से डिजिटल ई-साइन की प्रक्रिया पूरी की जाए। इससे दस्तावेजों की सुरक्षा, पारदर्शिता और प्रमाणिकता सुनिश्चित होगी। साथ ही 'सिक्योर मालखाना' परियोजना के अंतर्गत सभी थानों के मालखानों का शत-प्रतिशत डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने पर भी विशेष जोर दिया गया। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अगले 15 दिनों के भीतर सभी माल का विवरण पोर्टल पर दर्ज किया जाए और उसकी भौतिक उपलब्धता का भी सत्यापन किया जाए।

समीक्षा बैठक में ई-बीट बुक, ई-समन, ई-साक्ष्य और मेडिकोलीगल मामलों के ऑनलाइन पंजीकरण जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

दूषित व कीड़े वाला खाना खाने को मजबूर डॉ. भीमराव अंबेडकर छात्रावास के बच्चे

मुनाफे के लिए छात्रों को परोसा जा रहा अस्वच्छ भोजन

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तरकाशी जनपद मुख्यालय के पास तिलोथ क्षेत्र में स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर बालक एवं बालिका छात्रावास में गंभीर अव्यवस्थाओं का मामला सामने आया है। समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित इस छात्रावास में लगभग सौ छात्र-छात्राएं रहते हैं, जिनमें अनुसूचित जाति के कई विद्यार्थी शामिल हैं। यहां रहने वाले विद्यार्थियों को पिछले कई महीनों से दूषित और गुणवत्ताविहीन भोजन परोसे जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे छात्रों और उनके अभिभावकों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है।

छात्रों का आरोप है कि छात्रावास में भोजन बनाने की व्यवस्था बेहद खराब है। यहां खुले में लकड़ी के चूल्हे पर खाना तैयार किया जाता है, जिससे

उत्तरकाशी छात्रावास में छात्रों के स्वास्थ्य से खिलवाड़

भोजन में गंदगी और कीड़े गिरने की घटनाएं आम हो गई हैं। कई बार दाल, चावल और सब्जियों में कीड़े पाए जाने के बावजूद वही खाना छात्रों को परोसा जाता है। इससे छात्रों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

स्थिति इतनी खराब है कि छात्रावास में सफाई व्यवस्था भी पूरी तरह से चरमराई हुई है। आरोप है कि सफाईकर्मी नियमित रूप से नहीं आता, जिसके कारण छात्रों को खुद ही नालियों और आसपास की सफाई करनी पड़ती है। यह स्थिति छात्रावास की व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करती है, जहां रहने और पढ़ने वाले छात्रों को बुनियादी सुविधाएं भी सही ढंग से उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं।

छात्रों ने बताया कि करीब दो महीने पहले कैंटीन संचालक में बदलाव किया गया था। इसके बाद से ही भोजन की गुणवत्ता और व्यवस्था में लगातार गिरावट आई है।

उत्तराखंड में अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम लागू, मदरसा बोर्ड समाप्त

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में बुधवार से उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण (यूएसएएमई) लागू हो गया। इसके साथ ही उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम और गैर-सरकारी अरबी-फारसी मदरसा मान्यता नियम समाप्त हो गए। नई व्यवस्था के तहत राज्य के 452 पंजीकृत मदरसों समेत सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को निर्धारित नियमावली के अनुरूप मान्यता लेनी होगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को जारी एक पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार आधुनिक, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के लिए समान एवं पारदर्शी मान्यता प्रणाली सुनिश्चित करेगी तथा शिक्षा की गुणवत्ता और जवाबदेही को मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के बच्चों को आधुनिक शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और भारतीय जीवन मूल्यों से सशक्त बनाना है, ताकि वे विकसित उत्तराखंड और विकसित भारत के निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

नई व्यवस्था के तहत राज्य के 452 पंजीकृत मदरसों को पहले उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा बोर्ड से संबद्धता प्राप्त करनी होगी, जिसके बाद अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण से मान्यता दी जाएगी। प्रत्येक मान्यता तीन शैक्षणिक वर्षों के लिए वैध होगी। प्राधिकरण को संस्थानों का निरीक्षण करने तथा नियमों के उल्लंघन पर सुनवाई के बाद मान्यता निरस्त करने का अधिकार भी होगा।

देहरादून एयरपोर्ट पर हवाई सेवाएं प्रभावित चार फ्लाइट्स को किया गया डायवर्ट

देहरादून में तेज बारिश से उड़ानों में बाधा, कई विमानों का बदला गया रूट

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

भारी बारिश के कारण देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया है। सुबह से ही देहरादून और आसपास के क्षेत्रों में तेज बारिश हो रही थी, जो दोपहर तक और अधिक तेज हो गई। लगातार बारिश और खराब दृश्यता के कारण एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ और कई फ्लाइट्स को डायवर्ट करना पड़ा।

सबसे पहले मुंबई से देहरादून आने वाली इंडिगो की फ्लाइट को मौसम खराब होने के कारण दिल्ली की ओर मोड़ दिया गया।

इसके बाद जयपुर से देहरादून आने वाली फ्लाइट, जो 11:25 बजे लैंड करने वाली थी, उसे भी चंडीगढ़ डायवर्ट करना पड़ा। इसी तरह

◆ **एयर इंडिया और इंडिगो की उड़ानें प्रभावित**

कोलकाता से 12:00 बजे आने वाली इंडिगो की उड़ान को जयपुर भेजा गया। स्थिति और बिगड़ने पर दिल्ली से दोपहर 1 बजे देहरादून आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट को भी वापस दिल्ली की ओर डायवर्ट कर दिया गया।

एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, भारी बारिश के कारण रनवे के आसपास दृश्यता काफी कम हो गई थी, जिससे विमान की सुरक्षित लैंडिंग संभव नहीं हो पा रही थी। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी फ्लाइट्स को वैकल्पिक हवाई अड्डों की ओर भेजने का निर्णय लिया गया। यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा और कई लोग एयरपोर्ट पर घंटों इंतजार करते रहे।

कृषि वैज्ञानिक करेंगे गुरुकुल कांगड़ी के उद्यान का सौंदर्यीकरण

धनौरी के वैज्ञानिक करेंगे संकाय परिसर के उद्यान का सौंदर्यीकरण

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय को हरित, पर्यावरण-अनुकूल और सौंदर्यपूर्ण स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, धनौरी के युवा कृषि वैज्ञानिक संकाय परिसर के उद्यान के वैज्ञानिक विकास और सौंदर्यीकरण में योगदान देंगे।

इस पहल का उद्देश्य तकनीकी शिक्षा के साथ प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण की भावना को बढ़ावा देना है। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, धनौरी के सस्य विज्ञान विभाग के प्रोफेसर विनोद चौधरी और उद्यान विज्ञान की वैज्ञानिक डॉ. रेनू ने संकाय परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान संकायाध्यक्ष प्रो. मयंक अग्रवाल और उद्यान विभाग के प्रभारी डॉ. धर्मेंद्र बालियान साथ रहे।

हरित परिसर की अवधारणा को मिलेगा बढ़ावा

प्रो. विनोद चौधरी ने कहा कि परिसर की भूमि और प्राकृतिक वातावरण अत्यंत अनुकूल हैं। वैज्ञानिक योजना के तहत विभिन्न मौसमों के अनुरूप फूलों, छायादार वृक्षों, औषधीय और सजावटी पौधों का रोपण कर परिसर को आकर्षक और पर्यावरणीय दृष्टि से समृद्ध बनाया जा सकता है। डॉ. रेनू ने भवनों के भीतर भी इनडोर पौधे लगाने का सुझाव दिया। इससे वातावरण अधिक शांत, स्वच्छ और ऊर्जा से भरपूर बनेगा तथा कार्यक्षमता और सकारात्मकता में वृद्धि होगी। डॉ. धर्मेंद्र बालियान ने बताया कि संकाय में देश के 22 राज्यों से विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने आते हैं।

यात्रा

यार्ड रिमॉडलिंग कार्य पूरा होने के बाद रेलवे नेटवर्क के अधिक सुरक्षित संचालन की उम्मीद जताई गई

13 और 16 जुलाई को नहीं चलेगी योगनगरी ऋषिकेश-हुबली एक्सप्रेस

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

ललितपुर रेलवे स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के चलते जुलाई माह में रेल यातायात प्रभावित रहेगा। इसी कारण योगनगरी ऋषिकेश-हुबली एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों का संचालन अलग-अलग तिथियों में निरस्त या परिवर्तित किया गया है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और परिचालन क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से यह कार्य एक जुलाई से एक अगस्त तक करने का निर्णय लिया है। इस अवधि में प्री-नॉन इंटरलॉकिंग और नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कई बार ब्लॉक लिया जाएगा, जिससे ट्रेन सेवाओं पर असर पड़ेगा।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस कार्य के दौरान सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव योगनगरी ऋषिकेश-हुबली एक्सप्रेस पर पड़ेगा। ट्रेन संख्या 07363 एसएसएस हुबली से योगनगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस 13 जुलाई को निरस्त रहेगी, जबकि ट्रेन संख्या 07364 योगनगरी ऋषिकेश से एसएसएस हुबली एक्सप्रेस 16 जुलाई

ट्रैक, सिग्नलिंग और इंटरलॉकिंग सिस्टम का होगा आधुनिकीकरण

◆ **रेलवे ने यात्रियों को यात्रा से पहले जानकारी लेने की सलाह दी**

को नहीं चलेगी।

इसके अलावा लालकुआं-केएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस और केएसआर बेंगलुरु-लालकुआं एक्सप्रेस भी अलग-अलग तिथियों पर निरस्त की गई हैं, जिससे यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने बताया कि ललितपुर स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग का कार्य रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए किया जा रहा है। इस कार्य के दौरान ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम और इंटरलॉकिंग व्यवस्था को आधुनिक रूप दिया जाएगा, ताकि भविष्य में ट्रेनों का संचालन अधिक सुचारु रूप से हो सके।

कुछ ट्रेनों के मार्ग बदले गए

इसके अलावा कुछ प्रमुख ट्रेनों के मार्ग भी बदले गए हैं। गाड़ी संख्या 12172 हरिद्वार-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस 17 जुलाई को मथुरा-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना के बजाय मथुरा-बयाना-सोगरिया-बीना मार्ग से चलाई जाएगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 14313 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-बरेली एक्सप्रेस को 13 और 20 जुलाई को बीना-झांसी-ग्वालियर के स्थान पर बीना-गुना-ग्वालियर मार्ग से संचालित किया जाएगा।

ग्रुप-डी कर्मचारियों हेतु 6 जुलाई से कॉमन कैडर पोर्टल शुरू

6 से 20 जुलाई तक होगी ऑनलाइन प्रक्रिया, ओटीपी सत्यापन के बाद कर्मचारी चुन सकेंगे कॉमन कैडर या विभागीय सेवा नियम

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

विज्ञापन संख्या 04/2018 के तहत भर्ती किए गए ग्रुप-डी कर्मचारियों के लिए सरकार ने कॉमन कैडर को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया है। अब पात्र कर्मचारियों को यह विकल्प दिया गया है कि वे कॉमन कैडर में बने रहना चाहते हैं या अपने संबंधित विभाग के सेवा नियमों के तहत कार्य करना चाहते हैं। इसके लिए 6 जुलाई से 20 जुलाई तक ऑनलाइन पोर्टल खोला जाएगा, जहां कर्मचारी अपनी पसंद दर्ज कर सकेंगे।

यह निर्णय राज्य के हजारों ग्रुप डी कर्मचारियों को प्रभावित करेगा। सरकार की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार पूरी प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी होगी। आवेदन के लिए कर्मचारियों को किसी कार्यालय के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। वे निर्धारित पोर्टल पर जाकर अपने विकल्प का चयन कर सकेंगे। लॉग-इन की

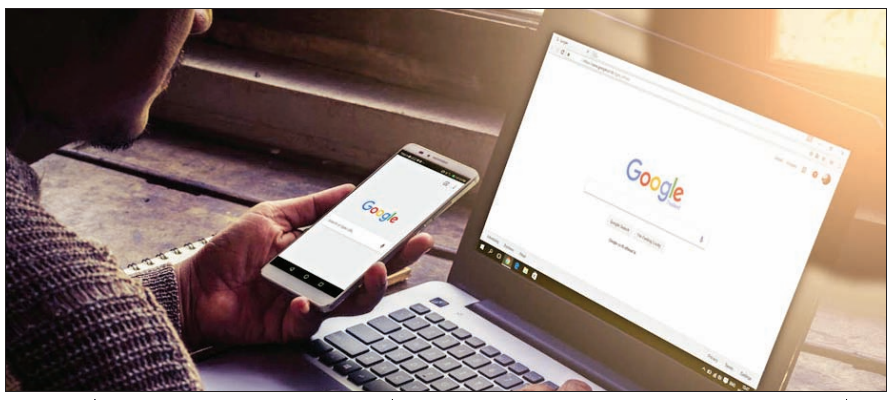

सुविधा केवल एचआरएमएस (ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम) में दर्ज मोबाइल नंबर के माध्यम से उपलब्ध होगी।

मोबाइल नंबर पर भेजे जाने वाले वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) के जरिए कर्मचारी अपनी पहचान सत्यापित करेंगे और इसके बाद ही विकल्प दर्ज कर पाएंगे। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने इस संबंध में सभी विभागाध्यक्षों, प्रशासनिक सचिवों और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा किया जाए, ताकि किसी भी कर्मचारी को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। विभागों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि एचआरएमएस में कर्मचारियों के मोबाइल नंबर और अन्य विवरण सही तरीके से अपडेट हों। सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन कर्मचारियों ने निर्धारित अवधि यानी 6 जुलाई से 20 जुलाई के बीच अपना विकल्प दर्ज नहीं किया, उन्हें स्वतः कॉमन कैडर में बने रहने के लिए सहमत माना जाएगा। इसलिए सभी पात्र कर्मचारियों से समय रहते पोर्टल पर जाकर अपनी पसंद दर्ज करने की अपील की गई है। इस फैसले को लेकर कर्मचारियों में काफी उत्सुकता देखी जा रही है। कई कर्मचारी अपने विभाग के सेवा नियमों के तहत कार्य जारी रखना चाहते हैं, जबकि कुछ कॉमन कैडर में बने रहने को बेहतर विकल्प मान रहे हैं। ऐसे में यह ऑनलाइन विकल्प कर्मचारियों को अपनी सुविधा और भविष्य की सेवा शर्तों के अनुसार निर्णय लेने का अवसर देगा।

सरकार का कहना है कि इस व्यवस्था का उद्देश्य कर्मचारियों को स्पष्ट और पारदर्शी विकल्प उपलब्ध कराना है। इससे भविष्य में सेवा संबंधी विवादों और प्रशासनिक जटिलताओं को कम करने में भी मदद मिलेगी। पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से होने के कारण रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा और निर्णय लेने में पारदर्शिता बनी रहेगी। अधिकारियों ने कर्मचारियों को सलाह दी है कि वे पोर्टल खुलने से पहले एचआरएमएस में दर्ज अपना मोबाइल नंबर और अन्य व्यक्तिगत जानकारी की जांच कर लें।

सीएम मान बोले-90% वोटरों की मैपिंग पूरी, फर्जी वोट हटाने की प्रक्रिया जारी

भारतेन्दु संवाददाता,चंडीगढ

पंजाब के मुख्यमंत्री ने राज्य में मतदाता सूची को लेकर चल रहे विशेष सत्यापन अभियान पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी वास्तविक और योग्य मतदाता का नाम सूची से न हटे। साथ ही फर्जी और संदिग्ध वोटों की पहचान कर उन्हें हटाने की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से जारी है।

सीएम मान ने बताया कि राज्य में लगभग 90 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी कर ली गई है। इस डिजिटल और फील्ड स्तर के सत्यापन अभियान के तहत मतदाता डेटा को आधार और अन्य पहचान दस्तावेजों से मिलान किया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या डुप्लीकेट एंट्री को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि यह कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम है।

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि इस अभियान का मकसद किसी भी पात्र नागरिक को उनके मतदान अधिकार से वंचित करना नहीं है।

यदि किसी का नाम गलती से सूची से हट जाता है, तो उसके लिए पुनः जोड़ने की पूरी प्रक्रिया उपलब्ध है और प्रशासन को इसे प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए गए हैं। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, बचा हुआ 10 प्रतिशत डेटा भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा और इसके बाद अंतिम मतदाता सूची को और अधिक सटीक एवं अपडेटेड बनाया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है ताकि त्रुटियों की संभावना न्यूनतम हो। सरकार का दावा है कि इस अभियान से चुनावी प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और फर्जी मतदान पर प्रभावी रोक लगेगी।

न्यूज ब्रीफ

डीएसपी दलबीर सिंह भिंडर को भावभीनी विदाई, पुलिस मुख्यालय में जश्न

भारतेंन्दु संवाददाता,चंडीगढ़। पुलिस में रिटायरमेंट समारोह के दौरान माहौल बेहद उत्साहपूर्ण रहा। लंबे समय तक सेवाएं देने वाले डीएसपी दलबीर सिंह भिंडर को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर पुलिस लाइन में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां अधिकारियों और कर्मचारियों ने ढोल की थाप पर भांगड़ा कर जश्न मनाया। सहकर्मियों ने डीएसपी भिंडर के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कवंरदीप कौर भी मौजूद रहीं और उन्होंने सेवानिवृत्त अधिकारी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भिंडर ने अपने कार्यकाल में अनुशासन और ईमानदारी की मिसाल पेश की। समारोह के दौरान भावुक पल भी देखने को मिले जब सहकर्मियों ने उन्हें उपहार और स्मृति चिन्ह भेंट किए। पूरे आयोजन में पुलिस बल का अनुशासन और आपसी सौहार्द साफ झलकता रहा। विदाई समारोह ने एक यादगार माहौल बना दिया। अधिकारियों ने भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए समारोह का समापन किया गया।

चंडीगढ़ से पंजाब में मानसून की एंट्री, जल्द पूरे प्रदेश में बारिश

भारतेंन्दु संवाददाता,चंडीगढ़। चंडीगढ़ के रास्ते पंजाब में मानसून ने आधिकारिक तौर पर प्रवेश कर लिया है, जिससे पूरे क्षेत्र में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों के भीतर मानसून पूरे पंजाब को कवर कर लेगा। इसके साथ ही कई जिलों में तेज और भारी बारिश का दौर शुरू हो गया है। विशेष रूप से तीन जिलों में मूसलाधार बारिश दर्ज की गई, जिससे निचले इलाकों में हालात बिगड़ गए हैं। कई सड़कों पर तीन से चार फीट तक पानी भर गया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में अलर्ट जारी कर दिया है और राहत टीमों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। मौसम विशेषज्ञों ने आने वाले दिनों में और बारिश की संभावना जताई है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी लेकिन जलभराव की समस्या बढ़ सकती है।

अंबाला-चंडीगढ़ हाईवे पर खड़े ट्राले से टकराई बाइक, दो युवक घायल

भारतेंन्दु संवाददाता, मोहाली । अंबाला-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर उस समय हादसा हो गया जब एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़े ट्राले से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, जिससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को सड़क से हटाकर प्राथमिक सहायता दी और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रैफिक को सुचारु कराया और घायलों को नजदीकी अस्पताल भेजा गया। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोहाली में श्रद्धा-उत्साह से मनाया गया श्री परशुराम मंदिर का 6वां स्थापना दिवस

भारतेंन्दु संवाददाता, मोहाली । भगवान श्री परशुराम मंदिर का 6वां स्थापना दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को फूलों और रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया था। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे और भगवान परशुराम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के दौरान विशेष हवन-यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठान किए गए, जिसमें स्थानीय लोगों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी भक्त शामिल हुए। भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। धार्मिक भजनों और कीर्तन ने पूरे माहौल को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया। आयोजन समिति ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे धार्मिक कार्यक्रम जारी रखने का संकल्प लिया।

डिजिटल भुगतान की ओर बड़ा कदम, चंडीगढ़ में 75 हजार लोगों को ऐप से मिलेगी राशन सब्सिडी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। जुलाई माह से चंडीगढ़ में करीब 75 हजार राशन कार्ड धारकों को खाद्यान्न सब्सिडी नई डिजिटल व्यवस्था के तहत प्रदान की जाएगी। भारत सरकार ने सब्सिडी वितरण प्रणाली में बड़ा बदलाव करते हुए अब पीएनबी डिजिटल रुपया मोबाइल ऐप को अनिवार्य कर दिया है। इस नई व्यवस्था के अनुसार अब लाभार्थियों को सब्सिडी की राशि सीधे बैंक खाते में नहीं मिलेगी, बल्कि यह डिजिटल रुपया ऐप के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे पारदर्शिता और त्वरित भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा। प्रशासन के अनुसार अब तक 45 हजार से अधिक लाभार्थियों ने पीएनबी डिजिटल रुपया मोबाइल ऐप डाउनलोड कर उसे सक्रिय कर लिया है, जबकि लगभग 30 हजार राशन कार्ड धारकों ने अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं की है।

लाभार्थियों को तुरंत मिल जाएगी पैसा या सब्सिडी

नई डिजिटल व्यवस्था के तहत लाभार्थियों को खाद्यान्न सब्सिडी या राशि तुरंत प्राप्त हो जाएगी। अब बैंक ट्रांसफर की प्रक्रिया में होने वाली देरी खत्म हो जाएगी, जिससे लोगों को समय पर लाभ मिल सकेगा। पीएनबी डिजिटल रुपया ऐप के माध्यम से भुगतान सीधे और तेज़ी से उपलब्ध होगा। इससे न केवल वितरण प्रणाली अधिक प्रभावी बनेगी, बल्कि लाभार्थियों को बार-बार दफ्तरों या बैंकों के चक्कर भी नहीं लगाने पड़ेंगे और समय की भी बचत होगी।इस व्यवस्था से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लोगों को समान रूप से लाभ मिलेगा। डिजिटल प्रणाली से पारदर्शिता बढ़ेगी और किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना कम होगी।

लेक्चरर भर्ती में आरक्षण पर बवाल, बसपा विधायक ने मुख्य सचिव से की शिकायत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में लेक्चरर भर्ती को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के विधायक डॉ. नछत्तर पाल ने शिक्षा भर्ती निदेशालय पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि विभिन्न विषयों के लेक्चरर पदों की भर्ती प्रक्रिया में संवैधानिक आरक्षण नीति का सही ढंग से पालन नहीं किया गया है, जिससे आरक्षित वर्गों के अभ्यर्थियों के अधिकारों पर असर पड़ सकता है।

इस संबंध में डॉ. नछत्तर पाल ने पंजाब के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने आग्रह किया है कि पूरी भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा की जाए और जब तक आरक्षण नियमों के अनुसार सीटों का सही निर्धारण नहीं हो जाता, तब तक इस पर रोक लगाई जाए। उनका कहना है कि यदि बिना नियमों के पालन के भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ती

है, तो यह सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ होगा।

विधायक ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि शिक्षा भर्ती निदेशालय, पंजाब के फेज-3बी2, सेक्टर-60 मोहाली स्थित कार्यालय द्वारा 25 जून 2026 को विभिन्न विषयों के लेक्चरर पदों के लिए नोटिफिकेशन जारी किए गए थे। इन पदों में पंजाबी, गणित, अर्थशास्त्र, कॉमर्स, बायोलॉजी, केमिस्ट्री, फिजिक्स और भूगोल जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। इन पदों के लिए बड़ी संख्या में योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

डॉ. नछत्तर पाल का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण रोस्टर का पालन न करना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे योग्य उम्मीदवारों के साथ अन्याय भी होगा। उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और सभी सीटों का पुनः नियमानुसार निर्धारण किया जाए, ताकि पारदर्शिता और समान अवसर सुनिश्चित किए जा सकें।

पंजाब में पारिवारिक त्रासदी, मोहाली से रोपड़ पहुंची महिला, 3 बच्चों को नहर में फेंकने का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

पंजाब के रोपड़ जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। जानकारी के अनुसार एक महिला पर अपने ही तीन बच्चों की हत्या करने और बाद में आत्महत्या का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगा है। मृत बच्चों की उम्र 4, 7 और 10 वर्ष बताई जा रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, महिला मोहाली से अपने तीनों बच्चों को लेकर रोपड़ पहुंची थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उसने कथित रूप से बच्चों को नहर में फेंक दिया, जिसके बाद वह खुद भी नहर में कूद गई। हालांकि स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से नहर में तलाश अभियान चलाया गया। कुछ

घंटों की मशक्कत के बाद बच्चों के शव बरामद किए गए, जबकि महिला को गंभीर हालत में बाहर निकाला गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए छानबीन की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि अभी तक घटना के पीछे के कारणों की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। मानसिक तनाव, पारिवारिक विवाद या अन्य किसी वजह की संभावना को भी जांच में शामिल किया गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना बेहद चौंकाने वाली है और किसी को विश्वास नहीं हो रहा कि एक मां अपने ही बच्चों के साथ ऐसा कदम उठा सकती है। पूरे इलाके में शोक और तनाव का माहौल है।

पुलिस ने बताया कि महिला के होश में आने के बाद उसका बयान दर्ज किया जाएगा, जिससे घटना के पीछे की सच्चाई सामने आ सके। साथ ही परिजनों और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

फिलहाल बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि मामले की गहन जांच कर सभी तथ्यों को सामने लाया जाएगा और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा है कि मामले में फोरेंसिक टीम को भी जांच में शामिल किया गया है ताकि घटनास्थल से जुड़े सभी सबूत इकट्ठा किए जा सकें। महिला की मानसिक स्थिति का आकलन करने के लिए मेडिकल विशेषज्ञों की टीम भी लगी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और बयान के बाद ही पूरी सच्चाई स्पष्ट हो सकेगी और आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी।

सिविल सर्जन कार्यालयों में डिजिटल सिस्टम लागू , अब सभी सेवाएं ऑनलाइन

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। सिविल सर्जन कार्यालयों में अब कामकाज की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल कर दी गई है, जिससे आम लोगों को दफ्तरों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। आज से नई ऑनलाइन व्यवस्था लागू कर दी गई है, जिसके तहत छुट्टियों से जुड़े आवेदन, शिकायतों का निपटारा और कोर्ट केस से संबंधित सभी प्रक्रियाएं अब डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पूरी की जाएंगी।

इस नई व्यवस्था का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और प्रशासनिक कामकाज को तेज बनाना है। अब कर्मचारी और अधिकारी एक ही ऑनलाइन सिस्टम पर सभी फाइलों और मामलों को अपडेट और ट्रैक कर सकेंगे। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि कागजी कार्रवाई भी कम होगी।

आम नागरिकों के लिए यह सुविधा बेहद उपयोगी साबित होगी, क्योंकि उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वे घर बैठे ही अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगे और उसकी स्थिति भी ऑनलाइन देख सकेंगे। इसी तरह छुट्टियों के आवेदन और अन्य प्रशासनिक कार्य भी समय पर निपटाए जा सकेंगे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस डिजिटल सिस्टम से कामकाज में तेजी आएगी और भ्रष्टाचार की संभावनाएं भी कम होंगी। साथ ही कोर्ट केस से जुड़े दस्तावेजों की प्रक्रिया भी अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी हो जाएगी।

बिजली खंभे में आग से हड़कंप, ग्रामीणों ने विभाग पर लगाए लापरवाही के आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ में बिजली व्यवस्था में उस समय बड़ा हंगामा मच गया जब एक बिजली के खंभे में अचानक आग लग गई। यह घटना शहर के ग्रामीण क्षेत्र में हुई, जिससे स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना के अनुसार, खंभे में अचानक स्पार्किंग के बाद आग भड़क उठी और कुछ ही देर में पूरे खंभे को अपनी चपेट में ले लिया।

हैरानी की बात यह रही कि इस दौरान करीब डेढ़ घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद नहीं की गई, जिससे लोगों में और अधिक चिंता फैल गई। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि विभाग की लापरवाही के कारण स्थिति और भी गंभीर हो सकती थी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और बिजली विभाग को सूचना दी गई। इसके बाद तकनीकी टीम ने पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया और आखिरकार सप्लाई को बंद कर आग पर काबू पाया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर बिजली आपूर्ति बंद कर दी जाती तो बड़ा हादसा टल सकता था। उन्होंने विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उचित जांच की मांग की है।

लोगों ने यह भी कहा कि क्षेत्र में पहले भी बिजली के तारों और खंभों की खराब स्थिति को लेकर शिकायतें की गई थीं, लेकिन उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और तकनीकी टीम से रिपोर्ट मांगी गई है। अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और यदि किसी तरह की लापरवाही पाई जाती है तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

इस पूरी घटना ने एक बार फिर बिजली व्यवस्था की सुरक्षा और रखरखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नियमित निरीक्षण और सुधार कार्य किए जाएं। चंडीगढ़ प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और विस्तृत जांच के बाद आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

रिश्वत मामले में पूर्व मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा की हाईकोर्ट ने याचिका ठुकराई

अदालत ने एफआईआर और ट्रायल रद्द करने की उनकी याचिका को खारिज करते हुए इसे आधारहीन बताया

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब की पूर्व कांग्रेस सरकार में उद्योग मंत्री रहे सुंदर शाम अरोड़ा को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने रिश्वत मामले में दर्ज एफआईआर और ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही को रद्द करने की उनकी याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि याचिका आधारहीन है और इसमें कोई मेरिट नहीं है, जिसके चलते अब उनके खिलाफ चल रही कानूनी प्रक्रिया आगे जारी रहेगी।

यह मामला वर्ष 2022 का है, जब पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने सुंदर शाम अरोड़ा को गिरफ्तार किया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने आय से अधिक संपत्ति के मामले में अपना नाम निकलवाने के लिए विजिलेंस ब्यूरो के तत्कालीन सहायक महानिरीक्षक (एआईजी) को रिश्वत देने की कोशिश की थी। आरोपों के अनुसार, अरोड़ा ने अधिकारी को 50 लाख रुपये की

रिश्वत दी और कुल मिलाकर एक करोड़ रुपये की पेशकश की थी, ताकि उनके खिलाफ चल रही जांच को प्रभावित किया जा सके।

इस मामले के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में भी भारी हलचल मच गई थी। विपक्षी दलों ने उस समय सरकार पर भी सवाल उठाए थे और भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। विजिलेंस ब्यूरो ने जांच के बाद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

इसके बाद से यह मामला अदालत में विचाराधीन था। हाई कोर्ट में दायर याचिका में सुंदर शाम अरोड़ा ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर और ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही को रद्द करने की मांग की थी। लेकिन अदालत ने सुनवाई के दौरान यह माना कि मामले में पर्याप्त आधार मौजूद हैं और इसे रद्द नहीं किया जा सकता। अदालत के इस फैसले के बाद अब ट्रायल कोर्ट में चल रही सुनवाई आगे बढ़ेगी।

इस निर्णय के बाद मामले ने एक बार फिर राजनीतिक और कानूनी दोनों ही स्तर पर चर्चा तेज कर दी है। अब सभी की नजरें ट्रायल कोर्ट की आगामी कार्यवाही पर टिकी हैं, जहां आगे इस मामले में गवाहों और सबूतों के आधार पर सुनवाई होगी।

अदालत ने स्पष्ट किया कि याचिका में कोई ठोस आधार नहीं है, इसलिए एफआईआर रद्द नहीं की जा सकती और ट्रायल जारी रहेगा। अब गवाहों और सबूतों के आधार पर आगे सुनवाई होगी। मामला अब ट्रायल कोर्ट में पूरी प्रक्रिया के साथ चलेगा।

रिश्वत केस में ट्रायल जारी, हाईकोर्ट ने राहत नहीं दी

रिश्वत मामले में पूर्व मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा को हाईकोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। अदालत ने उनकी याचिका को खारिज करते हुए साफ कर दिया कि एफआईआर और ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही जारी रहेगी। अदालत ने कहा कि मामले में पर्याप्त आधार मौजूद हैं और इसे रद्द नहीं किया जा सकता। इस फैसले के बाद अब पूरा मामला ट्रायल कोर्ट में आगे बढ़ेगा, जहां गवाहों के बयान और सबूतों के आधार पर सुनवाई जारी रहेगी। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद मामले में कानूनी प्रक्रिया और तेज हो गई है। ट्रायल कोर्ट अब सभी साक्ष्यों की जांच करेगा और गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे। विजिलेंस ब्यूरो द्वारा पेश किए गए सबूतों के आधार पर आगे की सुनवाई होगी। इस निर्णय से यह स्पष्ट हो गया है कि आरोपों की गंभीरता को देखते हुए केस को रद्द नहीं किया जा सकता। अब सभी पक्षों की नजरें आगामी ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर टिकी हैं। इस मामले में आगे की सुनवाई में कानूनी दलीलें और सबूत अहम भूमिका निभाएंगे और फैसला ट्रायल कोर्ट में होगा।

पंजाब में यूरिया घोटाले पर शिकंजा सरकारी सब्सिडी के दुरुपयोग का खुलासा

भारतेन्दु संवाददाता, खन्ना/लुधियाना

पंजाब में यूरिया घोटाले को लेकर सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सख्त, दर्ज कर दी है। यह मामला सरकारी सब्सिडी वाली खाद के कथित दुरुपयोग से जुड़ा हुआ है, जिसमें शुरुआती जांच के बाद कई अहम खुलासे सामने आए हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, यूरिया जैसी आवश्यक कृषि सामग्री को किसानों तक सही तरीके से पहुंचाने के बजाय इसके वितरण में अनियमितताओं की आशंका जताई गई है।

सूत्रों के मुताबिक, कुछ सप्लाई चैनल और डीलरों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है, जहां सब्सिडी का लाभ वास्तविक किसानों तक न पहुंचकर बीच में ही गड़बड़ी होने की बात सामने आ रही है। इसी आधार पर संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों के साथ किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जांच को गंभीरता से लेते हुए मामला अब राज्य स्तर से आगे बढ़कर केंद्रीय एजेंसियों तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। प्रारंभिक रिपोर्टों में यह भी संकेत मिले हैं कि कुछ स्थानों पर रिकॉर्ड में हेराफेरी और वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी रही है। इससे सरकारी सब्सिडी प्रणाली के दुरुपयोग की आशंका और मजबूत हुई है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर पूरे मामले की उच्च स्तरीय निगरानी की जा रही है और संबंधित विभागों से विस्तृत रिपोर्ट तलब की गई है। कृषि विभाग और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े अधिकारियों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि गड़बड़ी किस स्तर पर हुई। इस कार्रवाई के बाद राज्य में खाद वितरण प्रणाली को लेकर सख्ती बढ़ा दी गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो और सभी रिकॉर्ड डिजिटल व पारदर्शी तरीके से मेंटेन किए जाएं। इस घोटाले के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई है। विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की है। वहीं सरकार का कहना है कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष होगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

फिलहाल, जांच एजेंसियां दस्तावेजों की गहन जांच में जुटी हैं और आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। सरकारी सब्सिडी वाली खाद के दुरुपयोग और वितरण में अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। शुरुआती जांच में कुछ डीलरों और सप्लाई चैनलों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। सरकार ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं और मामले की उच्च स्तरीय जांच जारी है। जांच एजेंसियां रिकॉर्ड और वितरण प्रणाली की जांच कर रही हैं। सरकार ने पारदर्शिता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

छोले-भटूरे व कुलचे विक्रेताओं को मिला स्पेशल दर्जा खत्म

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ से जुड़ा वेंडिंग नोटिफिकेशन सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किए जाने के बाद प्रशासनिक और व्यापारिक हलकों में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस फैसले के तहत छोले-भटूरे और कुलचे जैसे लोकप्रिय स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को दिया गया विशेष दर्जा समाप्त कर दिया गया है, जिससे पहले उन्हें कुछ नियमों और सुविधाओं के तहत अलग पहचान मिली हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि किसी भी प्रकार का भेदभावपूर्ण या असमान दर्जा नीति के तहत स्वीकार नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब यह समान व्यवसायों के बीच असंतुलन पैदा करता हो। अदालत के इस निर्णय के बाद चंडीगढ़ प्रशासन को उस अधिसूचना को निरस्त कर दिया गया है, जिसमें इन वेंडर्स को विशेष श्रेणी में रखा गया था।

इस फैसले का असर शहर के छोटे फूड कारोबारियों पर सीधे तौर पर देखने को मिल सकता है। कई वेंडर्स का कहना है कि पहले से ही वे लाइसेंसिंग और स्थान की समस्याओं से जूझ रहे हैं, और अब इस तरह की नीति परिवर्तन से उनकी स्थिति और अनिश्चित हो गई है। वहीं कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला समान अवसर और पारदर्शी नीति व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन अब नए सिरे से फूड वेंडिंग नीति तैयार करने की दिशा में विचार कर सकता है, ताकि सभी स्ट्रीट वेंडर्स के लिए एक समान नियम लागू किए जा सकें। इस मामले ने शहर में स्ट्रीट फूड सेक्टर के नियमन और उनके अधिकारों को लेकर नई बहस भी छेड़ दी है। कुल मिलाकर, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय चंडीगढ़ की स्थानीय नीतियों पर एक बड़ा प्रभाव डालने वाला साबित हो सकता है। इस फैसले के बाद प्रशासन नई नीति बनाने की तैयारी में है। स्ट्रीट वेंडर्स के लिए समान नियम लागू होने की संभावना है। फूड वेंडर्स ने फैसले पर चिंता जताई है, जबकि विशेषज्ञ इसे समान अवसर की दिशा में सही कदम बता रहे हैं। मामले ने शहर में नई बहस छेड़ दी है।

फतेहगढ़ साहिब में सुई ओवरफ्लो से तबाही, खेतों में भरा पानी

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहगढ़

फतेहगढ़ साहिब जिले के गांव डडहेड़ी में सुई का पानी ओवरफ्लो होने से एक किसान की खड़ी फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। अचानक पानी का स्तर बढ़ने के कारण आसपास के खेतों में तेजी से जलभराव हो गया, जिससे पूरी फसल बर्बाद हो गई। इस घटना ने इलाके के किसानों की चिंता बढ़ा दी है और कृषि व्यवस्था की कमजोरियों को भी उजागर किया है।

स्थानीय किसानों के अनुसार, सुई नहर या जलस्रोत में पानी के बहाव को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त प्रबंध नहीं किए गए थे। इसी लापरवाही के कारण अचानक पानी का स्तर बढ़ गया और देखते ही देखते खेतों में पानी भर गया। किसान अपनी मेहनत से तैयार की गई फसल को बचाने में असमर्थ रहे। कुछ ही घंटों में पूरी फसल जलमग्न होकर नष्ट हो गई, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। पीड़ित किसान ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर समय रहते जल निकासी की उचित व्यवस्था होती तो यह स्थिति टाली जा सकती थी।

उन्होंने सरकार से मांग की है कि नुकसान का सर्वे कर उचित मुआवजा दिया जाए ताकि उन्हें कुछ राहत मिल सके। घटना के बाद ग्रामीणों में भी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि हर साल बरसात या पानी के अधिक प्रवाह के समय ऐसी समस्याएं सामने आती हैं, लेकिन स्थायी समाधान नहीं किया जाता।

इससे किसानों की मेहनत बार-बार बर्बाद हो जाती है। स्थानीय प्रशासन ने मामले की जानकारी मिलने के बाद जांच के आदेश दिए हैं और प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने की बात कही है।

लुधियाना में नाबालिग छात्रा को ले भागा बॉयफ्रेंड, मां के फोन से खुला राज

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

लुधियाना में 10वीं कक्षा की एक छात्रा के अपने कथित बॉयफ्रेंड के साथ फरार होने का मामला सामने आया है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, छात्रा अचानक घर से लापता हो गई थी, जिसके बाद परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

बाद में मां के मोबाइल पर आए एक संदेश और कॉल के जरिए मामले का खुलासा हुआ। बताया जा रहा है कि युवक ने लड़की की मां से बातचीत में कहा कि उसने पहले ही इस रिश्ते के बारे में बताया था, लेकिन परिवार ने उसकी बात नहीं मानी। इसी के बाद वह लड़की को लेकर चला गया। इस घटना से परिवार पूरी तरह सदमे में है और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और दोनों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं। आसपास के इलाकों और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही दोनों को ढूंढ लिया जाएगा और मामले की सच्चाई सामने लाई जाएगी। इस घटना ने स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ा दी है और नाबालिगों की सुरक्षा तथा पारिवारिक संवाद को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। पुलिस ने बताया कि दोनों की लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश की जा रही है और तकनीकी टीमों को भी जांच में लगाया गया है। परिजनों से लगातार संपर्क में रहकर जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि नाबालिग मामलों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है ताकि जल्द से जल्द सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित की जा सके।

चुनाव से पहले (आप) का 'सनातन कार्ड' लुधियाना में सनातन भवन का भूमि पूजन

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

चुनाव से पहले शहरों में आम आदमी पार्टी की गतिविधियां तेज हो गई हैं। लुधियाना में हाल ही में 'सनातन भवन' के भूमि पूजन कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। इस कार्यक्रम को पार्टी के एक नए राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसे कई लोग 'सनातन कार्ड' के तौर पर भी समझ रहे हैं।

लुधियाना में आयोजित इस भूमि पूजन कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, अन्य स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक माहौल देखने को मिला, जिसमें संकीर्तन और पूजा-अर्चना भी की गई। स्थानीय लोगों की बड़ी संख्या ने इस आयोजन में भाग लिया, जिससे यह कार्यक्रम चर्चा का विषय बन गया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से पहले इस तरह के धार्मिक आयोजनों में भागीदारी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हो सकती है। इससे पार्टी विभिन्न वर्गों और समुदायों तक अपनी पहुंच बढ़ाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, पार्टी की ओर से इसे पूरी तरह सामाजिक और सांस्कृतिक पहल बताया जा रहा है। विपक्षी दलों ने इस कदम पर सवाल उठाए हैं और इसे चुनावी लाभ से जोड़कर देखा है।

उनका कहना है कि धार्मिक मंचों का उपयोग राजनीतिक संदेश देने के लिए किया जा रहा है। वहीं आम आदमी पार्टी नेताओं का दावा है कि उनका उद्देश्य केवल समाज में सांस्कृतिक और धार्मिक एकता को बढ़ावा देना है। इस पूरे घटनाक्रम के बाद पंजाब की राजनीति में एक नई बहस शुरू हो गई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में इस तरह के आयोजन और बयानबाजी चुनावी रणनीति को और प्रभावित कर सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर भी लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है, जहां कुछ लोग इसे सकारात्मक पहल मान रहे हैं, वहीं कुछ इसे राजनीतिक कदम बता रहे हैं। राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि आने वाले दिनों में ऐसे कार्यक्रम और बढ़ सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के जरिए मतदाताओं से जुड़ाव मजबूत करने की कोशिश की जा रही है।

लुधियाना हत्याकांड: चाकू से की गई थी प्रिंसिपल की बेरहमी से हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

लुधियाना में प्रिंसिपल की हत्या के मामले में पुलिस जांच में लगातार नए खुलासे सामने आ रहे हैं। प्रारंभिक जांच के बाद अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि मृतक प्रिंसिपल पर चाकू से कई बार हमला किया गया था, जिससे उनकी मौके पर ही हालत गंभीर हो गई और बाद में उनकी मौत हो गई।

इस खुलासे के बाद पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है और पुलिस ने जांच को और तेज कर दिया है। पुलिस के अनुसार, इस हत्याकांड में डिजिटल साक्ष्यों की भी महत्वपूर्ण भूमिका सामने आ रही है। मृतक के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल्स, लोकेशन डेटा और डंप डेटा को खंगाला जा रहा है ताकि घटना के समय और उससे पहले की गतिविधियों का पता लगाया जा सके। इसके साथ ही संदिग्धों की पहचान करने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी जांच में शामिल किए गए हैं।

पुलिस टीम ने कई पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है, जिसमें व्यक्तिगत रंजिश, आपसी विवाद और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले में बड़ी सफलता मिल सकती है क्योंकि कुछ अहम डिजिटल सबूत हाथ लगे हैं। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोग भी सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमृतसर जेल में वार्डर बना तस्कर! चिट्टा अफीम के साथ पकड़ा गया

भारतेन्दु संवाददाता,अमृतसर। अमृतसर सेंट्रल जेल में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। जेल प्रशासन की ओर से की गई तलाशी के दौरान एक वार्डर के पास से चिट्टा, अफीम और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। मामले में संबंधित वार्डर और एक हवालाती के खिलाफ थाना इस्लामाबाद में मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि बरामद नशीले पदार्थ और मोबाइल फोन को जेल के भीतर अवैध रूप से इस्तेमाल या पहुंचाने की कोशिश की जा रही थी। घटना के बाद जेल प्रशासन ने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नशीले पदार्थ और मोबाइल फोन जेल के अंदर कैसे पहुंचे तथा इस पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

बठिंडा हाईवे पर दर्दनाक हादसा, अमरनाथ यात्रियों की गाड़ी ट्रक से टकराई

भारतेन्दु संवाददाता,बठिंडा। बठिंडा हाईवे पर अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी एक ट्रक से टकरा गई, जिससे भीषण हादसा हो गया। दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार या लापरवाही हादसे की वजह हो सकती है।मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने ट्रक चालक से पूछताछ शुरू कर दी है और मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच जारी है।

ट्रक चालक से 100 की कथित रिश्वत सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर

जालंधर में पुलिस विभाग उस समय विवादों में आ गया जब सोशल मीडिया पर एक पुलिसकर्मी का ट्रक चालक से कथित रूप से रिश्वत लेते हुए वीडियो वायरल हो गया। बताया जा रहा है कि यह घटना सड़क पर चेकिंग के दौरान हुई, जहां पुलिसकर्मी ने ट्रक को रोककर चालक से पैसे की मांग की।

वायरल वीडियो में पुलिसकर्मी और ट्रक चालक के बीच बातचीत के दौरान लेन-देन होता हुआ दिखाई देता है। हालांकि, वीडियो की आधिकारिक पुष्टि अभी तक पुलिस प्रशासन ने नहीं की है, लेकिन इसके सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है।

एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए इसे गंभीर मामला बताया और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित पुलिसकर्मी पर सख्त कार्रवाई की जाए। इधर, वीडियो वायरल होने के बाद जालंधर पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले की जांच के आदेश देने की बात कही है। पुलिस का कहना है कि वीडियो की सत्यता की जांच की जाएगी और दोष सिद्ध होने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

यह मामला भले ही छोटी राशि (100) से जुड़ा हो, लेकिन इसने पुलिस व्यवस्था और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर लोग इस घटना को लेकर नाराजगी जता रहे हैं और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जालंधर में सामने आए इस कथित रिश्वत कांड ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल वीडियो के बाद सोशल मीडिया पर लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है और कई यूजर्स ने इसे 'भ्रष्टाचार की खुली मिसाल' बताया है। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं और संबंधित पुलिसकर्मी की भूमिका की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि अगर आरोप सही पाए जाते हैं।

लुधियाना में हाई वोल्टेज करंट का कहर, डिश एंटीना उतारते समय हादसा

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

लुधियाना में हाई वोल्टेज करंट लगने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब वह अपने घर की छत पर लगा डिश एंटीना उतार रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एंटीना अचानक पास से गुजर रही हाई वोल्टेज बिजली लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे तेज धमाके के साथ चिंगारियां निकलीं और बिजली के तारों में आग लग गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

करंट लगते ही व्यक्ति छत पर ही गिर पड़ा। आसपास के लोगों ने तुरंत बिजली विभाग को सूचना दी और घायल को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार, करंट से वह गंभीर रूप से झुलस गया है और उसकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना के कारण कुछ समय के लिए इलाके की बिजली आपूर्ति भी प्रभावित रही। बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और एहतियात के तौर पर बिजली सप्लाई बंद कर आग पर काबू पाया। इसके बाद क्षतिग्रस्त तारों की मरम्मत कर आपूर्ति बहाल की गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई जगहों पर बिजली की हाई वोल्टेज लाइनें रिहायशी मकानों के बेहद करीब से गुजरती हैं, जिससे हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है। उन्होंने प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि ऐसे क्षेत्रों का सर्वे कर आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाएं ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

बिजली विभाग के अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि छतों पर डिश एंटीना, लोहे की पाइप, पानी की टंकी या अन्य धातु के सामान से जुड़ा कोई भी कार्य करते समय बिजली की लाइनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें।

यदि बिजली की लाइनें बहुत पास हों तो पहले विभाग को सूचना दें और आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने के बाद ही काम करें। प्रशासन ने घटना की जानकारी लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पंजाब में महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता योजना शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, संगरूर। पंजाब सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से महिला वित्तीय सहायता योजना के तहत पहली किस्त जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं के बैंक खातों में सीधे आर्थिक सहायता राशि ट्रांसफर की जा रही है। सरकार का कहना है कि योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना और उनकी दैनिक जरूरतों को पूरा करने में सहयोग देना है। योजना का लाभ पारदर्शी तरीके से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से दिया जा रहा है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो सके। संबंधित विभाग लाभार्थियों के दस्तावेजों और बैंक खातों का सत्यापन भी कर रहा है, ताकि पात्र महिलाओं तक समय पर राशि पहुंच सके। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के कल्याण और आत्मनिर्भरता के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि योजना का लाभ बिना किसी देरी के सभी पात्र महिलाओं तक पहुंचाया जाए।

एंबुलेंस कर्मियों का सरकार को 15 दिन का अल्टीमेटम

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

पंजाब में एंबुलेंस सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ बड़ा रुख अपनाया है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सुनवाई नहीं हुई तो वे राज्यभर में हड़ताल पर जा सकते हैं। इस संबंध में कर्मचारी संगठनों ने मान सरकार को 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है और इसे आर-पार की लड़ाई बताया है।

कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से वे वेतन, भत्तों और सेवा शर्तों से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस समाधान नहीं किया गया है। कई कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि उन्हें समय पर वेतन नहीं मिलता और सेवा के दौरान संसाधनों की भी कमी रहती है, जिससे आपातकालीन सेवाएं प्रभावित होती हैं। संघ के नेताओं ने कहा कि एंबुलेंस सेवा जैसी आवश्यक व्यवस्था में काम करने वाले कर्मचारियों की अनदेखी गंभीर समस्या है, क्योंकि इसका सीधा असर आम जनता की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ सकता है।

उन्होंने सरकार से तुरंत बातचीत शुरू करने और लंबित मांगों को पूरा करने की अपील की है। सरकार की ओर से फिलहाल इस मुद्दे पर औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। यदि हड़ताल होती है तो राज्य की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं, जिससे मरीजों और अस्पतालों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

तस्करी | पुलिस ने योजना नाकाम की, 7 पिस्तौल बरामद 40 कारतूस भी जब्त

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार मंगाने वाला गिरोह पकड़ा गया

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

अमृतसर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार मंगाने वाले एक अंतरराष्ट्रीय तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन में पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद किए गए हैं। बरामद सामग्री में 7 पिस्तौलें और करीब 40 जिंदा कारतूस शामिल हैं, जिन्हें सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से पंजाब में सप्लाई किया जा रहा था।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह पूरा नेटवर्क बेहद संगठित तरीके से काम कर रहा था। आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे और ड्रोन के जरिए हथियारों की खेप भारतीय सीमा में गिराई जाती थी, जिसे स्थानीय नेटवर्क के सदस्य उठाकर अलग-अलग स्थानों पर पहुंचाते थे। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और कई बार पहले भी हथियारों की अवैध सप्लाई कर चुका है।

गुप्त सूचना के आधार पर अमृतसर पुलिस ने यह कार्रवाई की और एक सुनियोजित ऑपरेशन चलाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके ठिकानों की तलाशी के दौरान हथियार और कारतूस बरामद किए। इसके अलावा, मोबाइल फोन और डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए गए हैं, जिनकी फॉरेंसिक जांच की जा रही है। माना जा रहा है कि इन उपकरणों से इस पूरे नेटवर्क के अन्य सदस्यों और विदेशी संपर्कों के बारे में अहम जानकारी मिल सकती है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से लगातार पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस मॉड्यूल का नेटवर्क पंजाब के किन-किन जिलों तक फैला हुआ है। इसके साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इन हथियारों का इस्तेमाल किन आपराधिक गतिविधियों में किया जाना था। सुरक्षा एजेंसियां भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सक्रिय हो गई हैं। सीमा सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने भी इस नेटवर्क के ड्रोन रूट और तकनीकी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। यह आशंका जताई जा रही है कि सीमा पार से ड्रोन के जरिए हथियारों की तस्करी का यह कोई पहला मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा संगठित नेटवर्क काम कर रहा है।

एक्टर सोनू सूद ने बदल दी जिंदगियां 180 परिवारों को दिया आशियाना

भारतेन्दु संवाददाता, मोगा

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद और उनकी बहन तथा मोगा विधानसभा क्षेत्र की कांग्रेस प्रभारी मालविका सूद द्वारा शुरू की गई सामाजिक पहल 'छत आपकी-जिम्मेदारी हमारी' जरूरतमंद परिवारों के लिए एक बड़ी राहत बनकर सामने आई है। इस अभियान का उद्देश्य उन लोगों को पक्का आशियाना उपलब्ध कराना है, जिनके घर पंजाब में आई बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे।

बाढ़ के दौरान कई गरीब परिवारों के कच्चे मकान और कमजोर ढांचों वाली छतें ढह गई थीं, जिससे वे बेघर जैसी स्थिति में पहुंच गए थे। ऐसे समय में यह पहल उनके लिए उम्मीद की नई किरण साबित हो रही है। इस योजना के तहत अब तक कई प्रभावित परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए जा चुके हैं और आगे भी यह प्रक्रिया लगातार जारी है।

सोनू सूद, जो पहले भी अपने सामाजिक कार्यों और कोरोना काल में की गई मदद के लिए जाने जाते रहे हैं, एक बार फिर लोगों की मदद के लिए आगे आए हैं। इस अभियान में उनकी बहन मालविका सूद भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं और जमीनी स्तर पर प्रभावित परिवारों की पहचान कर उन्हें सहायता दिलाने में सहयोग कर रही हैं। 'छत आपकी-जिम्मेदारी हमारी' अभियान का मुख्य फोकस उन परिवारों पर है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और अपने घरों की मरम्मत या पुनर्निर्माण कराने में असमर्थ हैं। इस पहल के जरिए न केवल उन्हें सुरक्षित आवास मिल रहा है, बल्कि उनका जीवन भी स्थिरता की ओर बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों और लाभार्थियों ने इस प्रयास की जमकर सराहना की है।

बड़ों का सम्मान केवल परंपरा नहीं बल्कि हमारी नैतिक जिम्मेदारी है

भारतीय संस्कृति में बड़ों का सम्मान केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन का महत्वपूर्ण संस्कार माना गया है। बचपन से ही हमें यह शिक्षा दी जाती है कि माता-पिता, दादा-दादी, गुरुजन तथा समाज के वरिष्ठ लोगों का आदर करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान किया जाता है, वहां प्रेम, सद्भाव, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का विकास होता है। बड़ों का अनुभव, उनका ज्ञान और जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण नई पीढ़ी के लिए अमूल्य मार्गदर्शन का कार्य करता है। इसलिए उनका सम्मान करना केवल शिष्टाचार नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति की पहचान है।

बुजुर्गों ने अपने जीवन में अनेक प्रकार के संघर्षों, सफलताओं और कठिनाइयों का सामना किया होता है। उनके अनुभवों में जीवन की ऐसी सीख छिपी होती है जो किसी पुस्तक से प्राप्त नहीं की जा सकती। उन्होंने परिवार और समाज को मजबूत बनाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया होता है। उनके त्याग, परिश्रम और समर्पण के कारण ही नई पीढ़ी को शिक्षा, सुविधाएं और बेहतर जीवन प्राप्त होता है। ऐसे में उनका सम्मान करना उनके प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है। जब हम उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुनते हैं और उनके अनुभवों से सीखते हैं, तब हम स्वयं भी जीवन में सही निर्णय लेने में सक्षम बनते हैं।

डॉ. पीसी कौंडल
गांव ददोह, डा. धावन, तहसील बल्ह जिला मंडी (हि.प्र.)

माता-पिता हमारे जीवन के प्रथम शिक्षक होते हैं। वे हमें बोलना, चलना, पढ़ना और अच्छे-बुरे का अंतर समझाना सिखाते हैं। वे अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अनेक त्याग करते हैं और हर कठिन परिस्थिति में उनका साथ देते हैं। इसलिए उनका सम्मान करना प्रत्येक संतान का सबसे बड़ा धर्म है। माता-पिता का सम्मान करने वाला व्यक्ति जीवन में आत्मविश्वास, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी जैसे गुणों का विकास करता है। उनका आशीर्वाद जीवन की सबसे बड़ी पूंजी माना जाता है, क्योंकि उनके स्नेह और शुभकामनाओं से व्यक्ति कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति प्राप्त करता है।

दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की अमूल्य धरोहर होते हैं। वे परिवार को एकता के सूत्र में बांधकर रखते हैं और बच्चों को नैतिक मूल्यों, संस्कारों तथा पारिवारिक परंपराओं से परिचित कराते हैं। उनकी कहानियां, जीवन के अनुभव और स्नेह बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता के कारण अनेक परिवारों में पीढ़ियों के बीच संवाद कम होता जा रहा है, जिससे बच्चों को उनके अनुभवों का लाभ नहीं मिल पाता। यदि परिवार में बुजुर्गों का सम्मान किया जाए और उनके साथ समय बिताया जाए, तो पारिवारिक संबंध अधिक मजबूत और सुखद बन सकते हैं।

गुरुजनों का सम्मान भी हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि वे विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे अनुशासन, परिश्रम, ईमानदारी और जिम्मेदारी का महत्व समझाते हैं। गुरु का सम्मान करने वाला विद्यार्थी ज्ञान के प्रति विनम्र रहता है और निरंतर सीखने की भावना बनाए रखता है। समाज के निर्माण में शिक्षकों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, इसलिए उनका आदर करना प्रत्येक विद्यार्थी का नैतिक दायित्व है।

बड़ों का सम्मान केवल शब्दों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह हमारे व्यवहार में भी दिखाई देना चाहिए। उनसे विनम्रता से बात करना, उनकी बात ध्यान से सुनना, उनकी सहायता करना, उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना और उनके प्रति प्रेम तथा धैर्य का व्यवहार करना सम्मान के वास्तविक रूप हैं। सार्वजनिक स्थानों पर बुजुर्गों को बैठने के लिए स्थान देना, सड़क पार कराने में सहायता करना या किसी कार्य में उनका सहयोग करना भी सम्मान की भावना को दर्शाता है। छोटे-छोटे व्यवहार समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं।

आज के समय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ ही परिवारों में दूरियां भी बढ़ी हैं। संयुक्त परिवारों की संख्या कम होने के कारण अनेक बुजुर्ग अकेलेपन का सामना कर रहे हैं। कई बार युवा अपनी व्यस्त दिनचर्या के कारण उनके साथ समय नहीं बिता पाते। इससे बुजुर्ग स्वयं को उपेक्षित महसूस करते हैं। ऐसे समय में आवश्यक है कि परिवार के सदस्य प्रतिदिन कुछ समय उनके साथ बिताएं, उनकी भावनाओं को समझें और उन्हें यह एहसास कराएं कि वे परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य हैं। सम्मान केवल आर्थिक सहायता से नहीं, बल्कि अपनापन, संवाद और प्रेम से भी मिलता है। बड़ों का सम्मान करने से परिवार में प्रेम, विश्वास और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनुशासनः सफलता, व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण का आधार

अनुशासन मानव जीवन का ऐसा गुण है जो व्यक्ति को सही दिशा में आगे बढ़ने, अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। यह केवल नियमों का पालन करने का नाम नहीं है, बल्कि अपने विचारों, व्यवहार, समय और भावनाओं पर नियंत्रण रखने की क्षमता भी है। अनुशासित व्यक्ति हर कार्य को योजना बनाकर करता है, समय का सम्मान करता है और अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करता है। यही कारण है कि अनुशासन को सफल जीवन की सबसे मजबूत नींव माना जाता है। किसी भी समाज, संस्था या राष्ट्र की प्रगति उसके नागरिकों के अनुशासन पर निर्भर करती है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में अनुशासन को अपनाता है तो वह न केवल स्वयं का विकास करता है, बल्कि अपने परिवार, समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

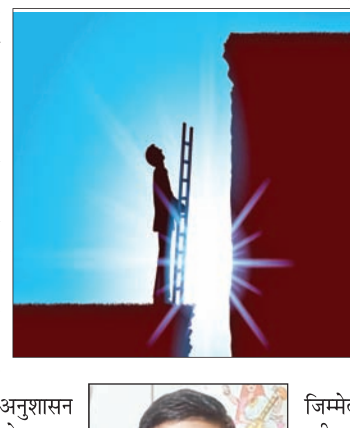

सुभाष चंद कासव
राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक
कवि लेखक एवं साहित्यकार

मनुष्य का जीवन अनेक चुनौतियों और अवसरों से भरा होता है। इन दोनों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए अनुशासन सबसे प्रभावी साधन है। बिना अनुशासन के प्रतिभा, ज्ञान और संसाधन भी पूरी तरह उपयोगी सिद्ध नहीं हो पाते। इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिन्होंने अपने जीवन में अनुशासन को अपनाया, वे कठिन परिस्थितियों में भी सफलता प्राप्त करने में सक्षम रहे। अनुशासन व्यक्ति को धैर्य, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास की प्रेरणा देता है। यह जीवन को व्यवस्थित बनाता है और प्रत्येक कार्य को समय पर पूरा करने की आदत विकसित करता है। अनुशासन के कारण व्यक्ति अपने लक्ष्य से भटकता नहीं, बल्कि लगातार आगे बढ़ता रहता है।

विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का विशेष महत्व होता है क्योंकि यही समय भविष्य की नींव तैयार करता है। जो विद्यार्थी समय पर विद्यालय जाते हैं, नियमित अध्ययन करते हैं, शिक्षकों का सम्मान करते हैं और अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखते हैं, वे शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी प्राप्त करते हैं। अनुशासन विद्यार्थियों को समय का महत्व समझाता है और उन्हें कठिन परिश्रम करने की प्रेरणा देता है। परीक्षा की तैयारी, गृहकार्य, खेलकूद और अन्य गतिविधियों में संतुलन बनाए रखना भी अनुशासन का ही हिस्सा है। अनुशासित विद्यार्थी केवल अच्छे अंक ही नहीं प्राप्त करते, बल्कि उनका व्यक्तित्व भी प्रभावशाली बनता है और वे जीवन की बड़ी चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास के साथ कर पाते हैं।

परिवार अनुशासन की पहली पाठशाला होता है। बच्चे सबसे पहले अपने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों से व्यवहार, जिम्मेदारी और जीवन जीने का तरीका सीखते हैं। यदि घर का वातावरण अनुशासित हो, सभी सदस्य समय का पालन करें, एक-दूसरे का सम्मान करें और अपने कर्तव्यों को जिम्मेदारी से निभाएँ, तो बच्चों में भी अनुशासन के संस्कार स्वतः विकसित हो जाते हैं। परिवार में नियमित दिनचर्या, स्वच्छता, सहयोग और बड़ों का सम्मान जैसे गुण व्यक्ति के चरित्र को मजबूत बनाते हैं। अनुशासित परिवार ही एक स्वस्थ और सशक्त समाज की आधारशिला होते हैं।

आज के समय में व्यावसायिक जीवन में भी अनुशासन का महत्व बहुत बढ़ गया है। किसी भी कार्यालय, उद्योग, विद्यालय, अस्पताल या व्यापारिक संस्था की सफलता उसके कर्मचारियों और अधिकारियों के अनुशासन पर निर्भर करती है। समय की पाबंदी, कार्य के प्रति ईमानदारी, जिम्मेदारी, टीम भावना और नियमों का पालन किसी भी सफल संस्था की पहचान होते हैं। अनुशासित कर्मचारी अपने कार्य को समय पर पूरा करते हैं, दूसरों का विश्वास जीतते हैं और संस्था की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> **सफलता** के लिए किसी सफाई की जरूरत नहीं होती और असफलता की कोई सफाई नहीं होती।
> **-प्रमोद बत्रा**

संपादकीय

पारदर्शी हो धार्मिक स्थलों की व्यवस्था

भारत को विश्वभर में उसकी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और धार्मिक विविधता के लिए जाना जाता है। देश के विभिन्न भागों में स्थित मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्च, मठ और दरगाह केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं हैं, बल्कि वे करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत के जीवंत केंद्र भी हैं। अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर, मथुरा का श्रीकृष्ण जन्मस्थान, माता वैष्णो देवी धाम, तिरुपति का श्री वेंकटेश्वर मंदिर, सबरीमाला, अमृतसर का स्वर्ण मंदिर तथा अजमेर शरीफ की दरगाह जैसे धार्मिक स्थल प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं का स्वागत करते हैं। इन स्थानों पर आने वाले श्रद्धालु केवल दर्शन ही नहीं करते, बल्कि अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार दान भी अर्पित करते हैं। यह दान किसी आर्थिक लेन-देन का माध्यम नहीं होता, बल्कि भगवान, गुरु या ईश्वर के प्रति विश्वास, समर्पण और कृतज्ञता की अभिव्यक्ति होता है। इसलिए इन धार्मिक संस्थानों की जिम्मेदारी केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा करना भी उनका सर्वोच्च दायित्व बन जाता है। देश के बड़े धार्मिक स्थलों पर प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये का दान प्राप्त होता है। इसके साथ ही सोना, चांदी, बहुमूल्य आभूषण तथा अन्य प्रकार की भेंट भी बड़ी मात्रा में अर्पित की जाती है। इन संसाधनों का उपयोग मंदिरों और अन्य धार्मिक संस्थानों के संचालन, सामाजिक सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, गौसेवा, अन्नक्षेत्र, धर्मार्थ कार्यों तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में किया जाता है। चूंकि यह धन सीधे श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा होता है, इसलिए इसके संग्रह, संरक्षण और उपयोग में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही अपेक्षित होती है। यदि कहीं भी वित्तीय अनियमितता या भ्रष्टाचार की आशंका उत्पन्न होती है तो उसका प्रभाव केवल संबंधित संस्था तक सीमित नहीं रहता, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं पर भी पड़ता है।

इसी संदर्भ में अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दानपात्र से चढ़ावे में कथित गबन का मामला अत्यंत गंभीर माना गया। यह घटना इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और लंबे सामाजिक-ऐतिहासिक संघर्ष का प्रतीक है। ऐसे प्रतिष्ठित धार्मिक संस्थान में यदि दान राशि के प्रबंधन को लेकर किसी प्रकार की अनियमितता की शिकायत सामने आती है, तो स्वाभाविक रूप से श्रद्धालुओं के मन में प्रश्न उठते हैं। इस प्रकार की घटनाएं यह संकेत देती हैं कि चाहे संस्था कितनी भी प्रतिष्ठित क्यों न हो, वित्तीय व्यवस्था में निरंतर निगरानी और मजबूत नियंत्रण तंत्र आवश्यक है। इस पूरे प्रकरण का एक सकारात्मक पक्ष यह रहा कि शिकायत सामने आने के बाद राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया और जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया। जांच के दौरान वित्तीय प्रक्रियाओं में कई प्रकार की कमियां और नियमों के उल्लंघन की बातें सामने आईं। इसके बाद पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी तथा कथित रूप से नकदी की बरामदगी की गई। इस कार्रवाई ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि कानून सभी के लिए समान है और किसी भी धार्मिक संस्था में कार्यरत व्यक्ति को नियमों से ऊपर नहीं माना जा सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यही सिद्धांत सुशासन की पहचान भी है कि किसी भी शिकायत की निष्पक्ष जांच हो और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाए।

धार्मिक संस्थानों के संदर्भ में यह भी समझना आवश्यक है कि पारदर्शिता किसी संस्था की प्रतिष्ठा को कम नहीं करती, बल्कि उसे और अधिक मजबूत बनाती है। जब किसी शिकायत की निष्पक्ष जांच होती है और तथ्य सार्वजनिक रूप से सामने आते हैं, तब श्रद्धालुओं का विश्वास और अधिक सुदृढ़ होता है। यदि किसी संस्था द्वारा शिकायतों को दबाने या अनदेखा करने का प्रयास किया जाए तो संदेह और अविश्वास बढ़ने की संभावना रहती है। इसलिए पारदर्शी व्यवस्था ही धार्मिक संस्थानों की दीर्घकालिक विश्वसनीयता का सबसे मजबूत आधार बन सकती है। इस मामले में संबंधित ट्रस्ट द्वारा जांच में सहयोग करना और श्रद्धालुओं को यह भरोसा दिलाना कि बहुमूल्य आभूषण तथा अन्य चढ़ावे सुरक्षित हैं, एक सकारात्मक पहल माना जा सकता है। किसी भी धार्मिक संस्था के लिए यह आवश्यक है कि वह समय-समय पर अपनी वित्तीय व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी जानकारी सार्वजनिक रूप से साझा करे। इससे अफवाहों पर रोक लगती है और श्रद्धालुओं का विश्वास बना रहता है। आधुनिक समय में सूचना का तीव्र प्रसार होता है, इसलिए पारदर्शी संवाद व्यवस्था भी संस्थागत प्रबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है।

आज तकनीक ने वित्तीय प्रबंधन को पहले की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बना दिया है। ऐसे में देश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों पर दान प्रबंधन की आधुनिक प्रणाली लागू करना समय की आवश्यकता है। दानपात्रों की नियमित सीलिंग और निगरानी, उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड, इलेक्ट्रॉनिक गणना प्रणाली, ऑनलाइन लेखा-जोखा, नियमित आंतरिक एवं बाहरी लेखा परीक्षण, स्वतंत्र ऑडिट तथा समय-समय पर सार्वजनिक वित्तीय रिपोर्ट जारी करने जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से अपनाई जानी चाहिए। इससे न केवल वित्तीय अनियमितताओं की संभावना कम होगी, बल्कि दान प्रबंधन अधिक व्यवस्थित और विश्वसनीय भी बनेगा। इसके अतिरिक्त धार्मिक ट्रस्टों के कर्मचारियों का समय-समय पर सत्यापन, कार्यों का स्पष्ट विभाजन, उत्तरदायित्व तय करना तथा संवेदनशील कार्यों में एक से अधिक अधिकारियों की भागीदारी सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

-शिवांश धाकड़

मां बगलामुखी की कृपा से मिलता है जीवन के हर संघर्ष में विजय का आशीर्वाद

भारतीय सनातन परंपरा में आदिशक्ति के अनेक स्वरूपों की आराधना की जाती है। इन्हीं दिव्य स्वरूपों में मां बगलामुखी का विशेष स्थान है। मां बगलामुखी को दस महाविद्याओं में आठवीं महाविद्या माना जाता है। वे शक्ति, साहस, संरक्षण, न्याय और विजय की देवी हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि मां बगलामुखी अपने भक्तों की सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करती हैं तथा उन्हें शत्रुओं, भय, अन्याय और विपत्तियों से रक्षा प्रदान करती हैं। उनका स्वरूप अत्यंत तेजस्वी, प्रभावशाली और रहस्यमय माना जाता है। देशभर में अनेक श्रद्धालु श्रद्धा और विश्वास के साथ मां बगलामुखी की पूजा-अर्चना करते हैं और उनके आशीर्वाद की कामना करते हैं।

प्रो. मनोज डोगरा
राजकीय महाविद्यालय बड़सर

मां बगलामुखी का नाम अपने आप में गहन आध्यात्मिक अर्थ समेटे हुए है। 'बगला' शब्द को कई विद्वान 'वल्गा' से जोड़ते हैं, जिसका अर्थ है लगाम या नियंत्रण। इसी प्रकार 'मुखी' का अर्थ मुख या वाणी से संबंधित है। इस प्रकार मां बगलामुखी वह शक्ति हैं जो नकारात्मक शक्तियों, दुष्ट विचारों और अनुचित वाणी पर नियंत्रण स्थापित करती हैं। यही कारण है कि उन्हें स्तंभन शक्ति की देवी भी कहा जाता है। यहां स्तंभन का अर्थ किसी को अनुचित कार्य से रोकना तथा सत्य और धर्म की रक्षा करना है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक समय संसार में भयंकर तूफान और प्राकृतिक संकट उत्पन्न हो गया था। चारों ओर भय और विनाश का वातावरण था। देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की कि वे इस संकट से संसार की रक्षा करें। तब भगवान विष्णु ने आदिशक्ति की उपासना की और उनकी कृपा से मां बगलामुखी प्रकट हुईं। देवी के प्रकट होते ही भयंकर तूफान शांत हो गया और सृष्टि को विनाश से बचा लिया गया। तभी से मां बगलामुखी को संकटों का नाश करने वाली और धर्म की रक्षा करने वाली देवी के रूप में पूजा जाने लगा।

एक अन्य कथा के अनुसार मदन नामक एक अत्यंत शक्तिशाली असुर ने कठोर तपस्या कर वरदान प्राप्त कर लिया था। उस वरदान के प्रभाव से वह अपनी वाणी द्वारा किसी को भी पराजित कर सकता था। उसके अत्याचारों से देवता और ऋषि अत्यंत दुखी हो गए। तब सभी ने मां बगलामुखी की आराधना की। देवी ने प्रकट होकर असुर की जिह्वा को पकड़ लिया, जिससे उसकी शक्ति निष्प्रभावी हो गई और धर्म की विजय हुई। यह कथा इस बात का प्रतीक है कि सत्य और धर्म की शक्ति अंततः असत्य और अहंकार पर विजय प्राप्त करती है।

मां बगलामुखी का स्वरूप अत्यंत आकर्षक और आध्यात्मिक महत्व से परिपूर्ण है। उन्हें प्रायः पीले वस्त्र धारण किए हुए दिखाया जाता है। उनका वर्ण स्वर्ण के समान पीत माना गया है। वे सिंहासन पर विराजमान रहती हैं। एक हाथ से वे दुष्ट की जिह्वा को पकड़ती हैं और दूसरे हाथ में गदा धारण करती हैं। उनका यह स्वरूप अन्याय, असत्य और अधर्म पर नियंत्रण तथा धर्म की स्थापना का प्रतीक माना जाता है। पीला रंग समृद्धि, ज्ञान, आत्मविश्वास, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक तेज का प्रतीक है, इसलिए मां बगलामुखी की पूजा में पीले रंग का विशेष महत्व माना गया है।

मां बगलामुखी की उपासना विशेष रूप से साहस, आत्मबल और मानसिक स्थिरता प्रदान करने वाली मानी जाती है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि देवी की कृपा से भय, भ्रम और नकारात्मक विचार दूर होते हैं। कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है तथा व्यक्ति में आत्मविश्वास का विकास होता है। यही कारण है कि अनेक साधक और भक्त कठिन समय में मां बगलामुखी की आराधना करते हैं और अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का अनुभव करते हैं।

भारत के अनेक भागों में मां बगलामुखी के प्रसिद्ध मंदिर स्थित हैं, जहां वर्षभर श्रद्धालुओं का आगमन होता है। मध्य प्रदेश के दतिया स्थित मां बगलामुखी मंदिर, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित बगलामुखी धाम तथा अन्य अनेक शक्तिपीठ श्रद्धा के प्रमुख केंद्र हैं। इन मंदिरों में विशेष अवसरों पर विशाल धार्मिक आयोजन होते हैं, जिनमें दूर-दूर से भक्त भाग लेते हैं। नवरात्र, बसंत पंचमी तथा अन्य शुभ अवसरों पर मंदिरों में विशेष पूजा, हवन और भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाता है। मां बगलामुखी की पूजा में पीले पुष्प, हल्दी, चने की दाल, पीले वस्त्र और पीले रंग के नैवेद्य का विशेष महत्व माना जाता है। श्रद्धालु श्रद्धा और नियमपूर्वक देवी का पूजन करते हैं तथा सत्य, संयम और सदाचार का पालन करने का संकल्प लेते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

हर किरदार में जीवंत अभिनय की मिसाल है रजा मुराद

रजा मुराद

रजा मुराद का जन्म 2 जुलाई 1946 को भारत में हुआ। वे हिन्दी सिनेमा के उन बहुमुखी अभिनेताओं में गिने जाते हैं जिन्होंने अपनी गहरी, प्रभावशाली आवाज़ और सशक्त अभिनय के बल पर फ़िल्म जगत में एक विशिष्ट पहचान बनाई। उन्होंने अपने लंबे अभिनय जीवन में खलनायक, चरित्र अभिनेता, पुलिस अधिकारी, न्यायाधीश, राजनेता, धार्मिक गुरु और पारिवारिक मुखिया जैसे अनेक विविध किरदार निभाए।

उनकी प्रभावशाली संवाद अदायगी और दमदार व्यक्तित्व ने उन्हें हिन्दी फ़िल्म उद्योग के सबसे विश्वसनीय चरित्र अभिनेताओं में शामिल किया। रज़ा मुराद का संबंध एक प्रतिष्ठित फ़िल्मी परिवार से है। अभिनय की कला उन्हें विरासत में मिली और उन्होंने अपने परिश्रम तथा प्रतिभा के बल पर अपनी अलग पहचान स्थापित की।

कविता

गायब लोक लिहाज

शिव राज सन्याल, गांव व डाकघर मकड़ाहन
तहसील जवाली, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

धर्म कर्म की बात को, कौन करे है आज।
शर्म हया सब मिट गई, गायब लोक लिहाज।।
तन से नंगे हो रहे, नहीं रही अब लाज।
फूहड़पन का रोग है, गायब लोक लिहाज।।
मर्यादा अब है कहां, झूठ कपट का राज।
दिया वचन अब ढोंग है, गायब लोक लिहाज।।
कौन सुने कब दर्द को, बदला यहां समाज।
मेरी मेरी सब करें, गायब लोक लिहाज।।
कुंठाओं में दब गए, सब के मन के राज।
रही ठिठोली अब नहीं, गायब लोक लिहाज।।
बातें शिष्टाचार की, कहां रही हैं आज।
बिगड़ रहे अब लाल हैं, गायब लोक लिहाज।।
घर घर में अब हो गई, नफरत की दीवार।
गायब लोक लिहाज से, रिश्तों में तकरार।।

भारत-पाक संबंधों में मील का पत्थर बना 1972 का ऐतिहासिक शिमला समझौता

2 जुलाई 1972 भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण तिथि मानी जाती है। इसी दिन हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति (बाद में प्रधानमंत्री) ज़ुल्फ़िकार अली भुट्टो के बीच ऐतिहासिक शिमला समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने, शांति स्थापित करने और भविष्य के विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इस समझौते ने केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने का प्रयास नहीं किया, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति की उम्मीद भी जगाई।

केशव शर्मा
स्वतंत्र लेखक, गांव कोटला, घुमारवीं, जिला बिलासपुर

वर्ष 1971 का भारत-पाकिस्तान युद्ध दक्षिण एशिया के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक था। तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता, लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन और व्यापक हिंसा के कारण लाखों लोग अपने घर छोड़कर भारत आए। इससे भारत पर मानवीय और आर्थिक दोनों प्रकार का भारी दबाव पड़ा। परिस्थितियां लगातार बिगड़ती गईं और अंततः दिसंबर 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ गया। इस युद्ध में भारतीय सेना ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की और पूर्वी पाकिस्तान एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में बांग्लादेश के रूप में अस्तित्व में आया। युद्ध समाप्त होने के बाद दोनों देशों के सामने सबसे बड़ी चुनौती आपसी संबंधों को सामान्य बनाना और भविष्य में संघर्ष की संभावनाओं को कम करना था।

युद्ध के बाद पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति भी तेजी से बदली। ज़ुल्फ़िकार अली भुट्टो ने देश की बागडोर संभाली और भारत के साथ बातचीत की पहल की। दूसरी ओर भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी यह महसूस किया कि युद्ध में मिली सफलता को स्थायी शांति में बदलना आवश्यक है। इसी सोच के साथ दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच शिमला में वार्ता आयोजित की गई। कई दिनों तक चली गहन चर्चा के बाद 2 जुलाई 1972 को दोनों पक्षों ने एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे इतिहास में शिमला समझौते के नाम से जाना जाता है।

शिमला समझौते का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य भारत और पाकिस्तान के बीच स्थायी शांति स्थापित करना था। दोनों देशों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि वे अपने सभी विवादों का समाधान बल प्रयोग या युद्ध के माध्यम से नहीं, बल्कि आपसी बातचीत और शांतिपूर्ण वार्ता के जरिए करेंगे। यह सिद्धांत समझौते की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक माना जाता है। इससे यह संदेश गया कि दोनों पड़ोसी देश संवाद और कूटनीति के माध्यम से मतभेदों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस समझौते में एक महत्वपूर्ण निर्णय यह भी लिया गया कि वर्ष 1971 के युद्ध के बाद जम्मू-कश्मीर में जो युद्धविराम रेखा बनी थी, उसे नियंत्रण रेखा (लाइन ऑफ कंट्रोल) के रूप में स्वीकार किया जाएगा। दोनों देशों ने इस नियंत्रण रेखा का सम्मान करने और एकतरफा ढंग से इसकी स्थिति बदलने का प्रयास न करने का वचन दिया। इस व्यवस्था का उद्देश्य सीमा पर तनाव कम करना और सैन्य टकराव की संभावना को घटाना था। आज भी नियंत्रण रेखा भारत और पाकिस्तान के बीच एक महत्वपूर्ण सामरिक और राजनीतिक संदर्भ बनी हुई है।

शिमला समझौते में यह भी तय किया गया कि दोनों देश एक-दूसरे की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता का सम्मान करेंगे। किसी भी प्रकार की शत्रुतापूर्ण गतिविधियों, प्रचार या हस्तक्षेप से बचने पर भी सहमति बनी। दोनों देशों ने पारस्परिक विश्वास बढ़ाने तथा राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों को आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। इसके साथ ही युद्धबंदियों की रिहाई और सामान्य संबंधों की बहाली की दिशा में भी प्रयास किए गए।

इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता इसका द्विपक्षीय सिद्धांत था। इसमें स्पष्ट किया गया कि भारत और पाकिस्तान अपने सभी विवादों का समाधान आपसी वार्ता के माध्यम से करेंगे और किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की आवश्यकता नहीं होगी। भारत की विदेश नीति में यह सिद्धांत आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत लगातार यह कहता रहा है कि दोनों देशों के बीच सभी मुद्दों पर बातचीत द्विपक्षीय ढंग से ही होनी चाहिए।

हालांकि शिमला समझौते की व्यापक सराहना भी हुई और इसकी आलोचना भी। अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि युद्ध में निर्णायक बढ़त मिलने के बाद भारत के पास अधिक मजबूत कूटनीतिक स्थिति थी, जिसका उपयोग कुछ अन्य मुद्दों पर भी किया जा सकता था। वहीं दूसरी ओर कई विद्वानों का मत है कि इंदिरा गांधी ने दूरदर्शिता का परिचय देते हुए युद्ध की विजय को शांति स्थापना के अवसर में बदलने का प्रयास किया। उनका उद्देश्य दक्षिण एशिया में स्थिरता और विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना था।

पाकिस्तान के दृष्टिकोण से भी यह समझौता अत्यंत महत्वपूर्ण था। वर्ष 1971 की सैन्य पराजय के बाद पाकिस्तान को अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने और भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की आवश्यकता थी। ज़ुल्फ़िकार अली भुट्टो ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इस समझौते को स्वीकार किया। इससे दोनों देशों के बीच संवाद की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ हुई और युद्ध के बाद उत्पन्न तनाव को कम करने का प्रयास किया गया।

यद्यपि शिमला समझौते के बाद भी भारत और पाकिस्तान के बीच समय-समय पर तनाव, सीमा विवाद और अन्य चुनौतियां सामने आती रहीं, फिर भी यह समझौता दोनों देशों के संबंधों का एक महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

भाजपा पर अखिलेश का हमला, जनता का सोना-चांदी वापस दिलाने की बात

अखिलेश के बयान से सियासी माहौल गरमाया, भाजपा और सपा में तीखी बयानबाजी तेज हुई ,दोनों दलों में जुबानी जंग और बढ़ी

एजेंसी, लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। अपने बयान में उन्होंने सरकार की कार्यप्रणाली और नीतियों पर सवाल उठाते हुए व्यंग्यात्मक अंदाज में टिप्पणी की, जिससे राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि जनता के साथ न्याय तभी होगा जब सभी मामलों में 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो सके। उन्होंने तंज कसते हुए यह भी कहा कि अगर ऐसा नहीं हो पा रहा है तो जनता के नुकसान की भरपाई होनी चाहिए और लोगों का 'सोना-चांदी वापस मिलना चाहिए।'

अपने बयान के दौरान उन्होंने भाजपा पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि परिस्थितियां इसी तरह बनी रहीं तो पार्टी को अपना नाम बदलकर 'भारतीय चीटिंग पार्टी' रख लेना चाहिए। उनके इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है और सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच बयानबाजी और तेज हो गई है।

'भारतीय चीटिंग पार्टी' टिप्पणी से विपक्ष और सत्ता पक्ष में बयानबाजी और तेज हो गई

अखिलेश यादव लंबे समय से सरकार की आर्थिक नीतियों, कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों पर सवाल उठाते रहे हैं। इस बार भी उन्होंने आरोप लगाया कि जनता से जुड़े मुद्दों पर पारदर्शिता की कमी है और आम लोगों को उनका हक समय पर नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को जवाबदेह बनाना जरूरी है ताकि जनता का भरोसा कायम रह सके।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अखिलेश यादव का यह बयान आगामी चुनावी माहौल को ध्यान में रखते हुए दिया गया है। इससे विपक्षी दलों के बीच सरकार के खिलाफ एकजुटता दिखाने की कोशिश भी मानी जा रही है। वहीं, सत्ताधारी दल के नेताओं ने इस बयान को गैर-जिम्मेदाराना और राजनीतिक लाभ के लिए दिया गया बयान बताया है।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद राज्य की राजनीति में एक बार फिर गर्माहट बढ़ गई है और दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज होने की संभावना है। जनता के बीच भी इस बयान को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल और अधिक गर्म हो गया है। विपक्षी दलों के नेताओं ने अखिलेश यादव के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार को जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए और पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए। वहीं, सत्ता पक्ष के नेताओं ने इस टिप्पणी को पूरी तरह से राजनीतिक स्टंट बताते हुए कहा कि विपक्ष मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि ऐसे बयान आने वाले समय में चुनावी रणनीति को प्रभावित कर सकते हैं और दोनों पक्षों के बीच टकराव और बढ़ सकता है। सोशल मीडिया पर भी इस बयान को लेकर तीखी बहस देखने को मिल रही है।

बारात में बेटी के साथ अश्लील हरकत, विरोध करने पर युवकों ने पिता समेत परिजनों से की मारपीट

एजेंसी, नोएडा

नोएडा अपने परिवार के साथ बीती रात बारात में गई एक युवती के साथ वहां पर आए कुछ युवकों ने अश्लील हरकत की। विरोध करने पर आरोपितों ने युवती और उसके परिजनों के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। युवती को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

थाना एक्सप्रेसवे के प्रभारी निरीक्षक अमित खारी ने बताया कि छलेरा गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपनी बेटी और परिवार के अन्य लोगों के साथ छपरौली गांव में एक शादी में भाग लेने गए थे। वहां पर डीजे पर डांस के दौरान हिमांशु तथा उसके साथियों ने शराब के नशे में उसकी बेटी के साथ अश्लील हरकत करनी शुरू कर दी। जब उसकी बेटी ने विरोध किया तो उन्होंने उसके नाजुक अंगों को छुआ तथा धक्का मुक्की की। उन्होंने बताया कि पीड़िता के अनुसार उन्होंने आरोपितों का विरोध किया तथा अपनी बेटी को उनके चंगुल से बचाया। उसके बाद जब वह बारात से बाहर निकले तो उन्होंने देखा कि उनकी कार का टायर पंचर कर दिया गया है।

वह अपनी कार की स्टेपनी बदलने लगे इसी बीच हिमांशु अपने साथियों के संग दोबारा आ गया, तथा सड़क पर खड़ी उनकी बेटी के साथ अश्लील हरकत की जब। उनकी बेटी ने शोर मचाया तो पीड़ित और उनके परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तथा हिमांशु के चंगुल से अपनी बेटी को बचाया। इसी बीच हिमांशु और उसके साथियों ने पीड़ित और उसके परिजनों के साथ मारपीट की। इस घटना में उनकी बेटी को गंभीर चोट आई है। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उस उसका उपचार चल रहा है।

थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पीड़िता और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

लापता बेटी के विवाद के बीच महिला को मारी गोली, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी, बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के कमासिन थाना क्षेत्र के ग्राम इटर्रा बढोनी में मंगलवार देर शाम एक महिला को गोली मारकर घायल कर दिया गया। जानकारी के अनुसार महिला ससुराल जा रही थी, तभी सुनसान स्थान पर चार लोगों ने उसे घेरकर फायरिंग की। गोली उसके पैर में लगी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। करीब एक माह पहले उसकी बेटी लापता हुई थी, जिसमें गांव के एक युवक पर आरोप लगा था। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

एजेंसी, मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद के चुनार कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-35 पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ। समसपुर गांव के पास तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान हलुआडीह निवासी गौरव श्रीवास्तव (30) और आजमगढ़ निवासी सौरभ यादव (28) के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त डीसीएम वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

औरैया में पुलिस-बदमाशों में मुठभेड़, दो शातिर चोर गोली लगने से घायल

एजेंसी, औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के बिधूना थाना क्षेत्र में पुलिस और शातिर चोरों के बीच मुठभेड़ में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि चार अन्य को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कुल छह अभियुक्तों को दबोचकर चोरी का माल, नकदी, अवैध हथियार और वाहन बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, आरोपी डहरियापुर मोड़ पर चोरी के सामान का बंटवारा करने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने घेराबंदी कर कार्रवाई की, जिसमें जवाबी फायरिंग भी हुई। घायल बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और आगे की जांच जारी है।

नौकरी दिलाने के नाम पर छह लाख की ठगी के मामले में दूसरा आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी, मीरजापुर। मीरजापुर के चील्ह थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर छह लाख रुपये की ठगी, कूटरचित नियुक्ति पत्र देने और धमकी देने के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इससे पहले एक अन्य आरोपित को भी पकड़ा जा चुका है। पीड़ित धीरज मिश्रा ने 17 मार्च 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपितों ने उन्हें और उनकी पत्नी को नौकरी का झांसा देकर ठगी की। पैसे मांगने पर धमकी दी गई। पुलिस ने गुलाब चंद को पुरानाबाड़ा चौराहा से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

प्रयागराज समेत प्रदेश के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट

एजेंसी, प्रयागराज। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के लखनऊ केंद्र ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अगले कुछ घंटों में तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रयागराज, कानपुर, बांदा, फतेहपुर, उन्नाव, लखनऊ, अयोध्या, बरेली, मेरठ समेत मध्य और पूर्वी यूपी के कई जिलों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इस दौरान मध्यम बारिश की संभावना भी है। विभाग ने लोगों को खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी है। किसानों को भी सतर्क रहने को कहा गया है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है, लोगों से सावधानी बरतने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई है।

चार दिन पहले घर से भागे जीजा साली को हाईवे पर टैंकर ने रौंदा, जीजा की मौत, युवती घायल

एजेंसी, मीरजापुर

जिस दिन युवती की बारात घर आने वाली थी, उसी दिन उसकी जिंदगी ने ऐसा दर्दनाक मोड़ ले लिया जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। चार दिन पहले अपने जीजा के साथ घर से भागी युवती बुधवार सुबह अपने घर लौट रही थी। रास्ते में लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार टैंकर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में जीजा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवती की आज ही बारात आनी थी।

जिस दिन बारात आनी थी, उसी दिन सड़क हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया

यह हादसा बुधवार सुबह करीब आठ बजे उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के रामनगर थाना क्षेत्र के दुर्गापुर के आगे संजय सेतु के पास हुआ। मृतक की पहचान अनिकेत कुमार (20) निवासी थाना फखरपुर, जनपद बहराइच के रूप में हुई है। घायल युवती संतोषी वर्मा (20) उसकी चचेरी साली बताई जा रही है। अनिकेत और संतोषी के बीच पिछले करीब दो वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन परिवार इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं था। इसी बीच संतोषी की शादी कहीं और तय कर दी गई थी और बुधवार को उसकी बारात आने वाली थी।

शादी से चार दिन पहले दोनों घर छोड़कर भाग गए थे, जिसके बाद फखरपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। बताया जाता है कि दोनों रामनगर क्षेत्र के बड़नपुर गांव में अनिकेत के बड़े भाई मस्तराम के घर पहुंचे थे। यहां परिजनों ने दोनों को समझाया और आश्वासन दिया कि यदि दोनों परिवार राजी होंगे तो थाने में कानूनी प्रक्रिया के तहत शादी करा दी जाएगी। परिजनों की बात मानकर दोनों बुधवार सुबह बाइक से बहराइच लौटने के लिए निकले, लेकिन रास्ते में दर्दनाक हादसे का शिकार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बहराइच की ओर से आ रहे तेज रफ्तार टैंकर ने सामने से बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक करीब 50 मीटर तक घिसटती चली गई।

पचास हजार रुपये का इनामी अपराधी सुल्तानपुर से गिरफ्तार, भेजा गया जेल

एजेंसी,फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले की औंग थाना पुलिस व एसटीएफ लखनऊ की संयुक्त टीम द्वारा बीती रात 50 हजार के इनामी अपराधी बाबा उर्फ मुन्ना उर्फ हसीन उल्ला को 12 साल पहले 09 लाख रुपये के लूट की घटना में सुल्तानपुर जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। कोर्ट में पेशी के बाद अभियुक्त को जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि 50 हजार के इनामी बाबा उर्फ मुन्ना उर्फ हसीनउल्ला को बीती रात औंग थाना पुलिस व एसटीएफ लखनऊ की संयुक्त टीम को सुल्तानपुर से गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त विगत 22 दिसंबर 2014 को घटना में वांछित था। वादी श्रीपाल पांडेय पुत्र रामनारायण पांडेय, निवासी अहीपुर, थाना कल्याणपुर, जनपद फतेहपुर मोटरसाइकिल से जा रहे थे। रास्ते में अज्ञात बदमाशों ने पीछा कर हैंडिल में टंगे बैग को छीनकर 9 लाख रुपये लूट लिए थे। घटना के बाबत औंग थाना में 127/14 धारा 394/411/120 बी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आईजी प्रयागराज ने फरार आरोपित पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। बीती रात मुखबिर की सूचना पर एसटीफ लखनऊ टीम व थाना औंग पुलिस ने संयुक रूप से जाल बिछा कर आरोपित बाबा उर्फ मुन्ना, निवासी बज्जूपुर हडही, कोतवाली देहात, जनपद सुल्तानपुर से गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में अखिलेश पाल, राजकिशोर कुमार, अजय उर्फ हीरालाल और जावेद से लूटी गई 4 लाख रुपये की रकम पहले ही बरामद हो चुकी है। घटना के समय से ही सभी आरोपित फरार चल रहे थे। गिरफ्तार आरोपित का पुराना आपराधिक इतिहास भी है। इस पर 2016 में भी थाना औंग में 174 भादवि का मुकदमा दर्ज किया था।

गोवा में मुरादाबाद के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, एक-एक स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक जीते

एजेंसी, मुरादाबाद

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद स्थित शार्प शूटिंग एकेडमी के खिलाड़ियों ने गोवा में आयोजित ऑल इंडिया वाईएसएए नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। प्रतियोगिता में एकेडमी के खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि के बाद खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों और एकेडमी में खुशी का माहौल है।

मुरादाबाद के निशानेबाजों ने नेशनल चैंपियनशिप में जीते तीन पदक

एकेडमी की कोच अनामिका चौधरी ने बुधवार को बताया कि 26 से 30 जून तक गोवा में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में निशानेबाजों ने हिस्सा लिया था। कड़े मुकाबलों के बीच मुरादाबाद के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने बताया कि 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में पृथ्वी सिंह तोमर ने शानदार निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में वरुण चौधरी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। इसके अलावा 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अश्विनी गुर्जर ने कांस्य पदक हासिल कर एकेडमी की उपलब्धियों में एक और सफलता जोड़ी। कोच अनामिका चौधरी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासित अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि नियमित प्रशिक्षण और आत्मविश्वास के बल पर खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है। भविष्य में भी उनसे इसी तरह के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि एकेडमी का उद्देश्य खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।

दूसरे युवक के साथ पत्नी भागने से दुखी पति ने ससुराल में गोली मार कर दी जान

एजेंसी, हाथरस

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सासनी कस्बे में बुधवार देर रात एक युवक ने अपनी ससुराल के पड़ोस में कथित तौर पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 35 वर्षीय महेश, निवासी समस्तपुर (तहसील खुर्जा) के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मामले की जांच जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महेश की पत्नी कुछ दिन पहले उसे और बच्चों को छोड़कर दूसरे युवक के साथ चली गई थी। इस घटना से वह मानसिक रूप से काफी परेशान था। बताया गया कि 30 जून की शाम वह अपनी ससुराल सासनी पहुंचा था। इसके बाद वह पड़ोस में रहने वाले सूरजपाल के घर गया। सूरजपाल उस युवक अरविंद के पिता हैं, जिसके साथ महेश की पत्नी रहने चली गई थी। जानकारी के अनुसार, महेश ने घर के एक कमरे में जाकर तमंचे से अपनी कनपटी पर गोली मार ली।

गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना तत्काल कोतवाली पुलिस को दी गई। प्रभारी निरीक्षक विपिन चौधरी ने बताया कि शुरुआती जांच में पारिवारिक विवाद और पत्नी के घर छोड़कर चले जाने की बात सामने आई है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर की जाएगी।

इस घटना के बाद मृतक के परिवार और ससुराल पक्ष में शोक का माहौल है। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कर लिए हैं और मामले की विस्तृत जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि घटना में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद कर लिया गया है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसा, पांच की मौत

एजेंसी, उन्नाव

उत्तर प्रदेश के जनपद उन्नाव के बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में आज तड़के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर सड़क हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई,जबकि बस में सवार 17 लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी घनश्याम मीना, पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह और बांगरमऊ एसडीएम बृजमोहन शुक्ला ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने बताया कि आज सुबह 4:30 बजे के आसपास एक बस फरीदाबाद से बिहार जा रही थी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर देवखरी गांव के पास बस के ड्राइवर को झपकी आ गई। उसी के चलते बस डिवाइडर तोड़कर दूसरी साइड में चली गई और खंती में जा गिरी। वहीं, पर अर्टिगा कार जो लखनऊ से मथुरा की तरफ जा रही थी, उससे टकरा गई। कार में 9 लोग सवार थे, जिसमें पांच लोगों की मौके पर मृत्यु हो गई है और चार लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है, उनका इलाज चल रहा है।

डीएम ने बताया की बस सवार कुछ लोग घायल हुए थे उनको भी रेफर कराया है उन सब की स्थिति सामान्य है उन्हें घर भिजवा रहे हैं। क्षतिग्रस्त वाहन को हटा दिया गया है। मृतकों की पहचान दिव्या (6), अमृता (13), अंजू (40), धुनमुन (60) और कार चालक विनोद (45) के रूप हुई हैं जो संत कबीरनगर के बताए जा रहे हैं।

चौड़ीकरण 200 मजदूरों की टीम कर रही मस्जिदों का हटाने का काम,मुहर्रम के बाद फिर शुरू हुआ चौड़ीकरण कार्य

1860 जवानों की सुरक्षा में दालमंडी में तोड़ी जा रहीं 5 मस्जिदें

एजेंसी, वाराणसी

वाराणसी के दालमंडी क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे से दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत पांच मस्जिदों के चिह्नित हिस्सों को हटाने का अभियान शुरू किया गया। ध्वस्तीकरण का कार्य लगभग 200 मजदूरों की टीम हथौड़ों और अन्य उपकरणों की मदद से कर रही है। कार्रवाई को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

प्रशासन ने दालमंडी जाने वाले प्रमुख मार्गों को टीन शेड लगाकर बंद कर दिया है और आम लोगों की आवाजाही पर भी नियंत्रण रखा गया है। प्रशासन के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर करीब 1860 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। इनमें पीएसी की सात कंपनियां, सीआरपीएफ की एक बटालियन, आरआरएफ की एक बटालियन तथा स्थानीय पुलिस बल शामिल है।

वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी लगातार मौके पर मौजूद रहकर पूरे अभियान की निगरानी कर रहे हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के अंतर्गत कुल छह मस्जिदें प्रभावित हो रही हैं। प्रशासन के मुताबिक इनमें से पांच मस्जिदों के प्रबंधन ने पहले ही चिह्नित हिस्सों को हटाने के लिए सहमति दे दी थी।

वहीं, एक मस्जिद को लेकर अभी सहमति नहीं बन सकी है, इसलिए फिलहाल उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। मुहर्रम समाप्त होने के बाद प्रशासन ने पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार बुधवार से इन पांच मस्जिदों पर ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा कारणों से मीडिया को वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी पर भी रोक लगाई गई है। प्रशासन का कहना है कि अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है और पूरे इलाके की लगातार निगरानी की जा रही है।

दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र की संकरी सड़कों को चौड़ा कर यातायात व्यवस्था को सुगम बनाना और बढ़ती भीड़भाड़ की समस्या का समाधान करना है। इस परियोजना के तहत कुल 181 मकानों और छह मस्जिदों के प्रभावित हिस्सों को हटाया जाना प्रस्तावित है। प्रशासन के अनुसार अब तक 162 मकानों पर कार्रवाई पूरी की जा चुकी है, जिनमें से 80 मकानों को पूरी तरह ध्वस्त किया जा चुका है।

काशी में बीमार पड़े भगवान जगन्नाथ को शीघ्र स्वस्थ होने के लिए दिया जा रहा औषधीय काढ़ा

एजेंसी, वाराणसी

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी) में ज्येष्ठ माह के पूर्णिमा तिथि पर भक्तों के प्रेम में अत्यधिक स्नान से प्रतीक रूप से बीमार पड़े भगवान जगन्नाथ स्वास्थ्य लाभ के लिए एकांतवास में है। उन्हें शीघ्र स्वस्थ होने के लिए औषधीय काढ़ा दिया जा रहा है। अस्सी स्थित भगवान जगन्नाथ के मंदिर में भगवान जगन्नाथ,भइया बलभद्र और बहन सुभद्रा तीनों देव (काष्ठ विग्रह) को सायंकाल प्रधान पुजारी राधे श्याम पांडेय काली मिर्च, लौंग, छोटी और बड़ी इलायची, जायफल, खांडसारी तथा तुलसी से तैयार विशेष काढ़े का भोग अर्पित कर रहे हैं।

मान्यता के अनुसार यही औषधीय काढ़ा पीने से भगवान एक पखवाड़े में स्वस्थ हो जाएंगे। भगवान को चढ़ाया प्रसाद मंदिर पहुंच रहे श्रद्धालुओं में वितरित हो रहा है। बुधवार को मंदिर के पुजारी ने बताया कि काढ़े का प्रसाद लेने के लिए भक्तों की भारी भीड़ मंदिर में पहुंच रही है। पुजारी राधेश्याम पांडेय स्वयं मिट्टी के चूल्हे पर पारंपरिक रूप से काढ़ा बनाकर भगवान को अर्पित करते हैं। क्षेत्रीय सामाजिक कार्यकर्ता रामयश मिश्र बताते है कि काढ़े का प्रसाद लेने से सर्दी, खांसी और पेट के तमाम रोग ठीक हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि भगवान को चढ़ा प्रसाद आस्था, परंपरा और विश्वास का प्रतीक है। यह उत्सव केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि काशी की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है।

भगवान जगन्नाथ के स्वास्थ्य लाभ हेतु श्रद्धालुओं ने चढ़ाया काढ़ा

हर वर्ष की तरह इस बार भी भगवान का गणेश स्वरूप, स्नान यात्रा और एकांतवास यह संदेश दे गया कि दिव्यता केवल दर्शन में नहीं, बल्कि उन परंपराओं में भी बसती है जिन्हें पीढ़ियां पूरी श्रद्धा के साथ जीवित रखती आई हैं। सामाजिक कार्यकर्ता बताते है कि नाथों के नाथ भगवान जगन्नाथ के एकांतवास पर जाने (बीमार होने) की लीला भी मानव को एक संदेश देने के लिए है।

गर्मी और ओवरलोड से चरखी दादरी में 3 माह में 249 ट्रांसफार्मर जले, 3 करोड़ का नुकसान

भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते बिजली लोड के चलते दादरी और बाढड़ा क्षेत्र में हालात बिगड़ते जा रहे हैं

भारतेंन्दु संवाददाता ,भिवानी

चरखी दादरी जिले में लगातार बढ़ती बिजली की मांग अब बिजली निगम के लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के कारण बिजली की खपत में तेजी से इजाफा हुआ है, जिससे पावर सब स्टेशनों और फीडरों पर उनकी निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक लोड पड़ रहा है।

इस ओवरलोडिंग का सीधा असर बिजली ढांचे पर देखने को मिल रहा है। पिछले तीन महीनों के दौरान दादरी और बाढड़ा क्षेत्र में स्थिति और भी गंभीर हो गई है। आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में कुल 249 बिजली ट्रांसफार्मर जल चुके हैं, जिससे न केवल बिजली आपूर्ति बाधित हुई है बल्कि आम लोगों को भी लंबे समय तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ा है। कई इलाकों में बार-बार ट्रांसफार्मर खराब होने से उपभोक्ताओं में नाराजगी भी बढ़ रही है।

बिजली निगम के अधिकारियों के मुताबिक, गर्मी के मौसम में घरेलू कूलर, एसी, पंखे और कृषि कार्यों में बिजली की खपत कई गुना बढ़ जाती है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में ट्यूबवेल और सिंचाई पंपों के लगातार उपयोग से ट्रांसफार्मरों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। यह दबाव कई बार उनकी क्षमता से अधिक हो जाता है, जिसके कारण वे ओवरहीट होकर जल जाते हैं।

स्थिति को संभालने के लिए निगम की टीमें लगातार फील्ड में सक्रिय हैं और खराब ट्रांसफार्मरों को बदलने का काम किया जा रहा है, लेकिन बढ़ती मांग के मुकाबले संसाधन सीमित होने के कारण दिक्कतें बनी हुई हैं। कई जगहों पर एक ट्रांसफार्मर बदलने में भी समय लग रहा है, जिससे लोगों को अस्थायी रूप से परेशानी झेलनी पड़ रही है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि बिजली की अनियमित आपूर्ति और बार-बार फाल्ट की समस्या से दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। खासकर गर्मी के इस मौसम में बिजली कटौती लोगों के लिए और अधिक मुश्किलें खड़ी कर रही है। बिजली निगम ने लोगों से अपील की है कि वे बिजली का अनावश्यक उपयोग न करें और लोड को संतुलित रखने में सहयोग दें, ताकि ट्रांसफार्मरों पर दबाव कम किया जा सके और आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके। चरखी दादरी में बढ़ते बिजली लोड से ट्रांसफार्मर जलने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

10 एकड़ स्कूल की लालच में बहन की हत्या, भाई से पूछताछ तेज

भारतेंन्दु संवाददाता, रोहतक

शिमला के सरस्वती पैराडाइज स्कूल की संचालिका मनीषा मित्तल की हत्या के मामले में जांच लगातार आगे बढ़ रही है। बुधवार सुबह शिमला पुलिस ने मृतका के छोटे भाई हिमांक मित्तल को हरियाणा के रोहतक स्थित नेहरू कॉलोनी से गिरफ्तार किया। पुलिस की टीम सुबह उसके घर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मेडिकल परीक्षण कराया। इसके बाद उसे पूछताछ के लिए अपने साथ शिमला ले जाया गया।

पुलिस जांच में दावा किया गया है कि करीब 10.3 एकड़ में फैले करोड़ों रुपये मूल्य के स्कूल और उससे जुड़ी संपत्ति पर कब्जा करने की मंशा से हत्या की साजिश रची गई थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, हिमांक ने खुद पर संदेह न हो, इसलिए कथित तौर पर हत्या की जिम्मेदारी अपने एक दोस्त को सौंप दी। मामले से जुड़े अन्य आरोपियों की भूमिका की भी गहन जांच की जा रही है। गौरतलब है कि 13 जून को शिमला में मनीषा मित्तल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

इस सनसनीखेज हत्याकांड में अब तक हिमांक मित्तल समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और पूछताछ के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। आरोपियों के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की भी पड़ताल की जा रही है।

पानीपत में भतीजे ने चाचा का पत्थर से चेहरा कुचलकर किया मर्डर

भारतेंन्दु संवाददाता, पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक युवक ने अपने ही चाचा की कथित तौर पर बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने पहले गली में चाचा को घेरकर उनके साथ मारपीट की और फिर उन्हें जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद उसने एक बड़ा पत्थर उठाकर उनके चेहरे पर कई बार वार किए। गंभीर चोटों के कारण चाचा की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की पूरी तस्वीर पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसके आधार पर पुलिस जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, यह घटना पानीपत के खोतापुरा (डेरा मन्धुरी) गांव की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी और मृतक के बीच पहले से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि आरोपी इससे पहले भी अपने चाचा के साथ मारपीट कर चुका था। उस घटना की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई थी। आरोप है कि इसी बात को लेकर आरोपी चाचा से रंजिश रखे हुए था और बदला लेने की फिराक में था। पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन आरोपी ने मौका देखकर चाचा को गली में रोक लिया। दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई। आरोपी ने पहले मारपीट की और फिर जमीन पर गिराकर पास में पड़ा बड़ा पत्थर उठाया तथा उनके चेहरे पर लगातार कई वार किए। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी वहां से फरार हो चुका था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पत्नी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और सीसीटीवी फुटेज को जांच का अहम आधार बनाया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पुरानी रंजिश हत्या की मुख्य वजह सामने आ रही है, हालांकि सभी तथ्यों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही की जाएगी। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है, जबकि मृतक के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और भरोसा दिलाया है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

तेज रफ्तार गाड़ी ने तीन राहगीरों को कुचला, मौके पर मौत

भारतेंन्दु संवाददाता, अंबाला। हरियाणा के अंबाला जिले के मीठापुर क्षेत्र में बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में एक महिला समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा तेपला के पास नेशनल हाईवे-344 पर अंबाला-जगाधरी मार्ग पर हुआ। बताया जा रहा है कि सड़क किनारे पैदल जा रहे तीन लोगों को एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि वाहन और चालक की पहचान कर जल्द कार्रवाई की जा सके।

12 से 15 नवंबर तक हरियाणा में पहली बार होगा राज्य स्तरीय फिल्म फेस्टिवल

भारतेंन्दु संवाददाता,चंडीगढ़। हरियाणा सरकार राज्य को फिल्म, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में लगातार कदम बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पहली बार हरियाणा फिल्म फेस्टिवल-2026 का आयोजन 12 से 15 नवंबर तक किया जाएगा। यह राज्य स्तरीय फिल्म महोत्सव रोहतक स्थित सुपवा परिसर में आयोजित होगा, जहां देशभर के फिल्मकार, कलाकार, निर्माता, निर्देशक और सिनेमा प्रेमी एक मंच पर जुटेंगे। चार दिवसीय इस महोत्सव में फिल्मों की स्क्रीनिंग, परिचर्चाएं, कार्यशालाएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सरकार का उद्देश्य हरियाणा की कला, संस्कृति, लोक परंपराओं और उभरती फिल्म प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। इस आयोजन से प्रदेश में फिल्म निर्माण को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, साथ ही युवाओं को रचनात्मक क्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे।

हरियाणा सूचना आयोग का बड़ा आदेश विभाग खुद करेंगे जानकारी सार्वजनिक

भारतेंन्दु संवाददाता,चंडीगढ़। हरियाणा राज्य सूचना आयोग ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 की धारा-4 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी किया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि राज्य के सभी सरकारी विभागों और सार्वजनिक प्राधिकरणों का वैधानिक दायित्व है कि वे कानून के तहत निर्धारित सूचनाओं को स्वतः अपनी वेबसाइट और अन्य सार्वजनिक माध्यमों पर उपलब्ध कराएं। आयोग का उद्देश्य सरकारी कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना तथा नागरिकों को आवश्यक जानकारी बिना आरटीआई आवेदन दिए उपलब्ध कराना है। आयोग ने कहा कि समय पर सूचनाएं सार्वजनिक होने से आरटीआई आवेदनों की संख्या भी कम होगी और आम लोगों को जानकारी प्राप्त करने में आसानी होगी। साथ ही विभागों को नियमित रूप से अपनी वेबसाइट अपडेट रखने और अधिनियम के प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सड़क हादसे में जान गंवाने वाले सिपाही विकास का अंतिम संस्कार

भारतेंन्दु संवाददाता, भिवानी। विकास सांगवान वर्ष 2020 में उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के पद पर भर्ती हुए थे। शुरुआती सेवा के दौरान उन्होंने थाना सदर बाजार में अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। इसके बाद 30 जून 2024 को उनका तबादला मीरानपुर कटरा थाने में कर दिया गया, जहां वे अपनी सेवाएं दे रहे थे। विकास अपने पीछे पत्नी और ढाई वर्ष की मासूम बेटी को छोड़ गए हैं। उनका विवाह करीब चार वर्ष पहले हुआ था। उनके असमय निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, जबकि गांव और परिचितों में भी शोक का माहौल है।

मनीषा केस में सीबीआई जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

भारतेंन्दु संवाददाता, भिवानी। शिक्षिका मनीषा मौत मामले में सोमवार को एक दिन का अनशन करने वाले पिता संजय कुमार ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष चार प्रमुख मांगें रखीं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की।

साथ ही उन्होंने यह भी आग्रह किया कि जांच के शुरुआती चरण में सीबीआई टीम का हिस्सा रहे उस इंस्पेक्टर को, जिसका बाद में तबादला कर दिया गया था, आगामी बैठक में शामिल किया जाए। पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया कि सभी मांगों को संबंधित उच्च अधिकारियों के पास भेजा जाएगा और जल्द बैठक कराने का प्रयास किया जाएगा।गौरतलब है कि ढाणी लक्ष्मण गांव निवासी 19 वर्षीय शिक्षिका मनीषा 11 अगस्त 2025 को लापता हो गई थीं।

हिसार पुलिस कस्टडी में युवक की संदिग्ध मौत, सीजेएम की मौजूदगी में जांच

भारतेंन्दु संवाददाता , हिसार

हरियाणा के हिसार जिले में पुलिस हिरासत में एक युवक की मौत का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया। युवक को पुलिस उसकी पत्नी से हुए विवाद के बाद पूछताछ के लिए थाने लाई थी। हिरासत के दौरान उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों में हलचल तेज हो गई।

जानकारी के अनुसार, युवक और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से पूछताछ की। इसके बाद युवक को आगे की कार्रवाई के लिए थाने लाया गया। पुलिस के अनुसार, हिरासत के दौरान युवक की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे बचाया नहीं जा सका।

पुलिस हिरासत में हुई मौत के चलते नियमानुसार मामले की मजिस्ट्रियल जांच शुरू कर दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) को मौके पर बुलाया गया। उनकी मौजूदगी में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है ताकि जांच पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी रहे। मृतक के परिजनों ने मामले में गंभीर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शिमला से लौट रहे आईटी इंजीनियर की कुरुक्षेत्र में मौत

भारतेंन्दु संवाददाता , कुरुक्षेत्र

हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां शिमला से नोएडा लौट रहे एक आईटी इंजीनियर की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। यात्रा के दौरान अस्वस्थ महसूस होने पर उन्होंने कुरुक्षेत्र में एक होटल में ठहरने का निर्णय लिया, लेकिन हालत लगातार खराब होती गई।

होटल प्रबंधन की सूचना पर उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिवार, मित्रों और सहकर्मियों में शोक की लहर है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक एक निजी कंपनी में आईटी इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे और कुछ दिनों की छुट्टी बिताने के बाद शिमला से नोएडा लौट रहे थे। सफर के दौरान उन्हें अचानक बेचैनी और कमजोरी महसूस होने लगी। स्थिति गंभीर लगने पर उन्होंने आगे का सफर रोककर कुरुक्षेत्र में एक होटल में कमरा लिया ताकि कुछ समय आराम कर सकें। हालांकि आराम के बावजूद उनकी तबीयत में सुधार नहीं हुआ।

होटल कर्मचारियों ने बताया कि इंजीनियर की हालत बिगड़ती देख तुरंत एंबुलेंस बुलाकर उन्हें नजदीकी अस्पताल भेजा गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई और कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

गुरुग्राम में होगी काला जठेड़ी की पारिवारिक मुलाकात 4 घंटे की पैरोल पर पत्नी और जुडवा बच्चों से मिलेगा काला जठेड़ी

भारतेंन्दु संवाददाता , गुरुग्राम

हरियाणा के कुख्यात गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी को दिल्ली की रोहिणी कोर्ट ने मानवीय आधार पर चार घंटे की कस्टडी पैरोल मंजूर की है। इस दौरान वह पुलिस सुरक्षा के बीच गुरुग्राम के एक अस्पताल में अपनी पत्नी अनुराधा चौधरी और नवजात जुड़वा बेटियों से मुलाकात करेगा।

अदालत ने मुलाकात के लिए सीमित समय निर्धारित किया है और पूरी अवधि में वह पुलिस निगरानी में रहेगा। जानकारी के अनुसार, काला जठेड़ी की पत्नी अनुराधा चौधरी ने आईवीएफ प्रक्रिया के माध्यम से जुड़वा बेटियों को जन्म दिया है। प्रसव के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने सी-सेक्शन के जरिए डिलीवरी कराई। मां और दोनों नवजात बच्चियों के स्वास्थ्य को देखते हुए जठेड़ी ने अदालत से उनसे मिलने की अनुमति मांगी थी।

याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने पहले अस्पताल और मेडिकल रिकॉर्ड का सत्यापन कराया। दस्तावेजों की जांच के बाद कोर्ट ने मानवीय आधार पर चार घंटे की कस्टडी पैरोल देने का फैसला सुनाया। अदालत ने स्पष्ट किया कि मुलाकात पूरी तरह पुलिस सुरक्षा और निर्धारित शर्तों के तहत होगी। कोर्ट ने परिवार की निजता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अस्पताल का नाम, मुलाकात का स्थान और समय से जुड़ी संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक नहीं करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके अलावा सुरक्षा एजेंसियों को आवश्यक एहतियाती इंतजाम सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं ताकि किसी प्रकार की कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न हो।

सूत्रों के अनुसार, निर्धारित समय पूरा होने के बाद काला जठेड़ी को वापस न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा। अदालत के आदेश के तहत उसे केवल पत्नी और नवजात बेटियों से मिलने की अनुमति दी गई है। इस मामले में अदालत ने मानवीय पहलू को प्राथमिकता देते हुए राहत प्रदान की है, जबकि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कस्टडी पैरोल के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहेगी। निर्धारित समय समाप्त होने के बाद काला जठेड़ी को वापस न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा।

कैथल में ड्यूटी के दौरान, मालगाड़ी की चपेट में आकर रेलवे कीमैन की मौत

भारतेंन्दु संवाददाता , कैथल

हरियाणा के कैथल जिले में बुधवार को एक दर्दनाक रेल हादसे में रेलवे के एक कीमैन की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी कर्मचारी के रूप में हुई है। वह रेलवे में कीमैन के पद पर कार्यरत था और हादसे के समय अपनी नियमित ड्यूटी पर तैनात था।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कर्मचारी रेलवे ट्रैक का निरीक्षण और रखरखाव संबंधी कार्य कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से गुजर रही एक मालगाड़ी की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी, जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। घायल कर्मचारी को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक विवाहित था और अपने पीछे पत्नी तथा तीन बच्चों को छोड़ गया है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। सहकर्मियों ने भी घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतक को मेहनती और जिम्मेदार कर्मचारी बताया। रेलवे अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

यह पता लगाया जा रहा है कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और क्या सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। रेलवे प्रशासन की ओर से नियमानुसार परिजनों को सहायता और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

कपड़े की भारी गांठ बनी महिला मजदूर की मौत का कारण

भारतेंन्दु संवाददाता ,पानीपत। हरियाणा के पानीपत में थाना पुराना औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत स्थित एक कबाड़ी फैक्ट्री में बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। फैक्ट्री में काम के दौरान कपड़े की भारी गांठ गिरने से उसके नीचे दबकर एक महिला मजदूर की मौत हो गई। मृतका की पहचान उत्तर प्रदेश के कैराना निवासी माया देवी के रूप में हुई है, जो पिछले कुछ समय से फैक्ट्री में कार्यरत थीं।

जानकारी के अनुसार, घटना के समय माया देवी अन्य श्रमिकों के साथ फैक्ट्री में काम कर रही थीं। इसी दौरान अचानक कपड़े की एक भारी गांठ उनके ऊपर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। साथी मजदूरों ने तत्काल उन्हें गांठ के नीचे से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अंबाला में जिंदगी की जंग हारा निरवैर, 21 घंटे बाद निकाला शव

बोरवेल से बाहर निकाले जाने तक मासूम की सांसें थम चुकी थीं, डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

भारतेंन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

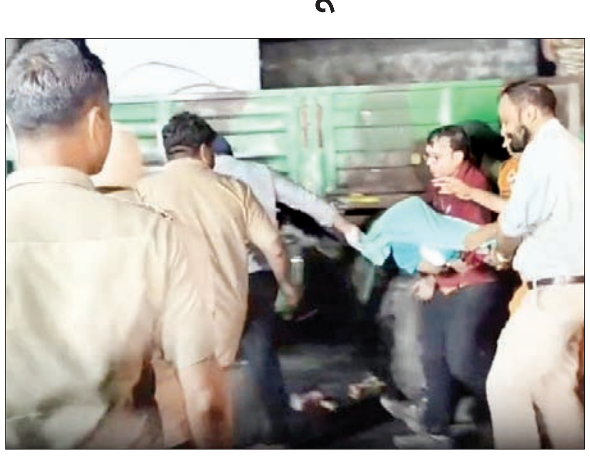

हरियाणा के अंबाला जिले के गांव धन्यौरा में खुले बोरवेल में गिरा चार वर्षीय निरवैर उर्फ निर्भय सिंह आखिरकार जिंदगी की जंग हार गया। करीब 21 घंटे तक लगातार चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बुधवार सुबह लगभग चार बजे उसका शव बोरवेल से बाहर निकाला गया।

सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), प्रशासन और स्थानीय टीमों ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए दिन-रात एक कर दिया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह निरवैर अपने पिता मनजीत सिंह के साथ खेत जाने की जिद करने लगा। पिता उसे अपने साथ खेत ले गए, जहां वे अपने पिता करनैल सिंह के लिए खाना लेकर पहुंचे थे।

खेत में पहुंचने के करीब आधे घंटे बाद निरवैर खेलते-खेलते खेत में बने खुले बोरवेल के पास चला गया। अचानक उसका पैर फिसल गया और वह करीब 220 फीट गहरे बोरवेल में जा गिरा। घटना का पता चलते ही परिवार के लोगों ने शोर मचाया और आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए।

सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और राहत एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। बच्चे को सुरक्षित निकालने के लिए तत्काल बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की विशेषज्ञ टीमों ने आधुनिक उपकरणों और मशीनों की मदद से लगातार अभियान चलाया। बचाव दल ने बोरवेल के समानांतर गड्ढा खोदने और सुरंग बनाकर बच्चे तक पहुंचने का प्रयास किया। पूरी रात अभियान जारी रहा और अधिकारी लगातार मौके पर मौजूद रहकर स्थिति की निगरानी करते रहे।

बुधवार तड़के करीब चार बजे टीमों ने बच्चे को बाहर निकाल लिया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मौके पर मौजूद चिकित्सकों ने तुरंत उसकी प्राथमिक जांच की। बाद में उसे एंबुलेंस के माध्यम से अंबाला शहर के सिविल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने ईसीजी समेत अन्य आवश्यक जांच की, लेकिन जीवन के कोई संकेत नहीं मिले। इसके बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सिविल अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. ऋषिपाल सिंह ने बताया कि बच्चे को बाहर निकालने के तुरंत बाद उसकी जांच की गई थी। अस्पताल में सभी जरूरी मेडिकल परीक्षण किए गए, लेकिन उसकी मृत्यु हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सटीक कारण और समय स्पष्ट हो सकेगा।

घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से खुले पड़े बोरवेलों को तुरंत बंद कराने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाएं दोबारा न हों। लोगों का कहना है कि खेतों और अन्य स्थानों पर खुले छोड़े गए बोरवेल छोटे बच्चों के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। प्रशासन ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरे घटनाक्रम की समीक्षा शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि यदि सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रिटायरमेंट के दिन गिरफ्तार आईएएस प्रदीप डागर, सीबीआई रिमांड पर

भारतेंन्दु संवाददाता ,पंचकूला

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आईएएस अधिकारी प्रदीप डागर को दो दिन की रिमांड पर लिया है। सीबीआई ने उन्हें देर रात अदालत में पेश किया, जहां पूछताछ के लिए दो दिन का रिमांड मंजूर किया गया। डागर की गिरफ्तारी उनके सेवानिवृत्ति (रिटायरमेंट) के दिन हुई, जिससे प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। जानकारी के अनुसार, सीबीआई लंबे समय से इस मामले की जांच कर रही थी।

प्रारंभिक जांच के दौरान मिले दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर एजेंसी ने कार्रवाई करते हुए डागर को हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर देर रात अदालत में पेश किया गया। अदालत ने सीबीआई की दलीलें सुनने के बाद दो दिन की रिमांड मंजूर कर दी। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी रिमांड के दौरान कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर पूछताछ करेगी। माना जा रहा है कि इस मामले में कुछ अन्य अधिकारियों और संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। इसी वजह से कई बड़े नाम भी जांच एजेंसी की निगरानी में बताए जा रहे हैं। हालांकि, सीबीआई ने अभी तक किसी अन्य व्यक्ति के खिलाफ आधिकारिक रूप से कोई जानकारी साझा नहीं की है।

जांच एजेंसी का उद्देश्य मामले से जुड़े वित्तीय लेनदेन, प्रशासनिक निर्णयों और दस्तावेजों की गहन पड़ताल करना है। यदि पूछताछ के दौरान नए तथ्य सामने आते हैं तो जांच का दायरा और बढ़ सकता है। सीबीआई संबंधित दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों का भी परीक्षण कर रही है। उधर, इस कार्रवाई के बाद प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। मामले पर सभी की नजर सीबीआई की जांच और पूछताछ से निकलने वाले तथ्यों पर टिकी है।

एजेंसी का कहना है कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष और कानूनी प्रक्रिया के तहत की जा रही है। रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद आईएएस प्रदीप डागर को दोबारा अदालत में पेश किया जाएगा, जहां आगे की कानूनी प्रक्रिया पर फैसला होगा। फिलहाल सीबीआई पूरे मामले की गहराई से जांच में जुटी हुई है और आवश्यक साक्ष्य जुटाने का काम जारी है। सूत्रों के अनुसार, सीबीआई रिमांड के दौरान मामले से जुड़े दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन की गहन जांच करेगी। यदि पूछताछ में नए तथ्य सामने आते हैं, तो जांच का दायरा बढ़ सकता है और अन्य संबंधित लोगों से भी पूछताछ की जा सकती है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जेपीसी सदस्यों से की मुलाकात

लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने पर दिल्ली सरकार सकारात्मक

भारतेंदु संवाददाता,नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' से जुड़े दो संशोधन विधेयकों पर अध्ययन के लिए आए संसद की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यह समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 के विभिन्न प्रावधानों पर राज्यों एवं अन्य हितधारकों से सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से अध्ययन के लिए दिल्ली आई है।

मुख्यमंत्री ने समिति के सदस्यों का दिल्ली सचिवालय में स्वागत करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी, सुशासित एवं प्रशासनिक रूप से दक्ष बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों से सुझाव प्राप्त करने की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। दिल्ली सरकार इस महत्वपूर्ण विषय पर पूरी गंभीरता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ समिति को अपने विस्तृत सुझाव भी उपलब्ध कराएगी।

समिति के अध्यक्ष और सांसद पीपी चौधरी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला, सांसद विष्णु दयाल राम, भर्तृहरि महताब, डॉ. संबित पात्रा, विष्णुदत्त शर्मा, सुखदेव भगत, जीएम हरीश बालयोगी, के राधाकृष्णन, घनश्याम तिवारी, कविता पाटीदार और संजय जयसवाल उपस्थित रहे।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर जताया भरोसा

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में एक साथ चुनाव होना समय की आवश्यकता है। इससे बेहतर व्यवस्था कुछ नहीं हो सकती। पूरे देश में अगर लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों तो देश की ऊर्जा, समय और संसाधनों की बड़ी बचत होगी। बार-बार होने वाले चुनावों के कारण प्रशासनिक व्यवस्था लंबे समय तक चुनावी प्रक्रिया में व्यस्त रहती है। आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य प्रभावित होते हैं और सरकारी मशीनरी का बड़ा हिस्सा चुनावी दायित्वों में लग जाता है। विशेष रूप से दिल्ली जैसे छोटे राज्य में चुनाव के दौरान बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगने से शिक्षा व्यवस्था सहित अनेक सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित होती हैं।

गरीबों के लिए बोझ साबित होगा वीबी जी राम जी अधिनियम: कांग्रेस

भारतेंदु संवाददाता,नई दिल्ली। कांग्रेस ने विकसित भारत- रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी जी राम जी अधिनियम लागू होने पर आरोप लगाया कि इस योजना में केंद्र और राज्य का खर्च का अनुपात 60-40 होने की वजह से यह गरीबों और राज्यों दोनों के लिए बोझ साबित होगी।

कांग्रेस सांसद एवं ग्रामीण विकास व पंचायती राज से जुड़ी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष सप्तगिरि उलका ने यहां पार्टी मुख्यालय में बुधवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) मांग आधारित रोजगार देने वाली अधिकार आधारित योजना थी, जबकि नई योजना में राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव डाल दिया गया है।

उलका ने कहा कि मनरेगा में केंद्र सरकार मजदूरी लागत का लगभग पूरा बजट देती थी और सामग्री लागत में 60-40 का अनुपात होता था।

ढाई साल में राम मंदिर क्यों नहीं गए अमित शाह, एसआईटी पर भी बोले केजरीवाल

बोले- राम मंदिर के नाम पर वोट मांगे, लेकिन दर्शन को नहीं गए अमित शाह

भारतेंदु संवाददाता,नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में कथित चढ़ावे की चोरी और उससे जुड़े विवाद को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कई गंभीर आरोप लगाए और इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

केजरीवाल ने दावा किया कि राम मंदिर बनने के बाद पिछले ढाई वर्षों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक बार भी रामलला के दर्शन करने अयोध्या नहीं गए, जबकि वे अपने भाषणों और राजनीतिक बयानों में लगातार राम मंदिर का उल्लेख करते रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा कि यह बेहद आश्चर्यजनक है कि जो नेता राम मंदिर के नाम पर जनता से समर्थन और वोट मांगते हैं, वे मंदिर निर्माण के बाद स्वयं दर्शन के लिए नहीं पहुंचे। उन्होंने यह भी दावा किया कि पिछले 891 दिनों में अमित शाह ने अपने विभिन्न भाषणों और इंटरव्यू में 40 से अधिक बार राम मंदिर का जिक्र किया है, लेकिन इसके बावजूद मंदिर जाकर भगवान श्रीराम के चरणों में नमन नहीं किया। उनके अनुसार यह जनता की भावनाओं से जुड़ा मुद्दा है और हर राम भक्त को इस पर विचार करना चाहिए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने केवल राजनीतिक आरोप ही नहीं लगाए, बल्कि जांच एजेंसियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस मामले में जो एसआईटी गठित की गई है, वह केवल एक औपचारिकता है और वास्तविक दोषियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। केजरीवाल ने इसे 'दिखावटी एसआईटी' और 'फर्जी एफआईआर' करार दिया और कहा कि इससे न्याय मिलने की उम्मीद कम है।

टिल्लू ताजपुरिया गैंग का मुख्य शार्प शूटर डागू महाराज गिरफ्तार

जमीन कब्जे के लिए 12 राउंड फायरिंग मामले में वांटेड शार्प शूटर गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता,नई दिल्ली। दिल्ली क्राइम ब्रांच ने टिल्लू ताजपुरिया गैंग के शार्प शूटर संदीप उर्फ डागू महाराज और उसके भाई दीपक को गिरफ्तार किया। दोनों पर अलीपुर में विवादित जमीन पर कब्जे के दौरान फायरिंग और हत्या के प्रयास सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं।दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कुख्यात टिल्लू ताजपुरिया गैंग के एक सक्रिय शार्प शूटर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी पिछले साल अलीपुर इलाके में एक विवादित जमीन पर कब्जे के दौरान हुई अंधाधुंध फायरिंग और जानलेवा हमले के मामले में वॉन्टेड था। आरोपी संदीप उर्फ डागू महाराज (40) है। पुलिस ने इसके चचेरे भाई दीपक (32) को भी गिरफ्तार किया है। दोनों ही सोनीपत हरियाणा के रहने वाले हैं।

पुलिस अधिकारी ने बताया, 30 अक्टूबर 2025 को दिल्ली के रमजानपुर गांव में एक विवादित प्लॉट पर अवैध कब्जा करने के इरादे से 30 से 45 हथियारबंद बदमाश इकट्ठा हुए थे।

इस दौरान बदमाशों ने इलाके में दहशत फैलाने के लिए करीब 12 राउंड गोलियां चलाईं, प्लॉट का ताला तोड़ने की कोशिश की और लाठी-डंडों से कई लोगों पर जानलेवा हमला किया था। अलीपुर थाने में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था।

आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत घूसखोरी मामले में गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता,नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक मामले में आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत को बुधवार को गिरफ्तार किया है। गहलावत वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), दिल्ली में तैनात हैं।

सीबीआई ने बुधवार को बताया कि इस मामले में 8 जून को दिल्ली पुलिस के एक इंस्पेक्टर और दो निजी व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत ने निजी व्यक्तियों से रिश्वत की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि वह अपने व्यक्तिगत प्रभाव का इस्तेमाल कर पुडुचेरी में नकली दवाओं की बिक्री से जुड़े उन मामलों में राहत दिला सकते हैं, जिनकी जांच सीबीआई कर रही है।

दिल्ली मेडिकल खरीद घोटाले में डीजीएचएस के अधिकारियों पर एसीबी का शिकंजा

भारतेंदु संवाददाता,नई दिल्ली। दिल्ली के कथित दवा और मेडिकल उपकरण खरीद घोटाले की जांच अब तेजी से आगे बढ़ रही है। एंटी करप्शन ब्रांच ने इस मामले में सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी और डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के 10 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ की है। जांच एजेंसी का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि सरकारी खरीद प्रक्रिया के दौरान नियमों का पालन किया गया था या नहीं तथा कहीं किसी स्तर पर अनियमितता या भ्रष्टाचार तो नहीं हुआ। इसके लिए एसीबी ने संबंधित विभागों से खरीद प्रक्रिया से जुड़ी महत्वपूर्ण फाइलें, टेंडर रिकॉर्ड, नोटशीट और अन्य आवश्यक दस्तावेज मांगे हैं।

सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी विशेष रूप से ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम, र्द्धरूपोर्टल के डिजिटल लॉग, भुगतान से जुड़े रिकॉर्ड, बैंक ट्रेल और संबंधित कंपनियों की संरचना की गहराई से जांच कर रही है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि टेंडर प्रक्रिया में तकनीकी मूल्यांकन, वित्तीय बोली खोलने और वर्क ऑर्डर जारी करने जैसे सभी चरणों में पारदर्शिता रखी गई थी या नहीं। एसीबी यह भी मिलान कर रही है कि फाइलों में दर्ज जानकारी और डिजिटल रिकॉर्ड एक-दूसरे से मेल खाते हैं या नहीं।

इसके अलावा, जांच टीम यह भी पता लगाने में जुटी है कि खरीद प्रक्रिया में किन अधिकारियों की क्या भूमिका रही और निर्णय किस स्तर पर लिए गए। अब तक 10 से अधिक अधिकारियों से पूछताछ की जा चुकी है और शुरुआती जांच के आधार पर मामले का दायरा और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इस पूरे मामले में दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

दिल्ली के सेंट्रल रिज में पहली बार चट्टान पर दिखी रहस्यमयी सीढ़ी जैसी आकृति, जंगल में मिला आर्टवर्क

भारतेंदु संवाददाता,नई दिल्ली। दिल्ली के सेंट्रल रिज फॉरेस्ट में एक चट्टान पर मिली रहस्यमयी आकृति ने वैज्ञानिकों और पुरातत्व विशेषज्ञों के बीच गहरी उत्सुकता पैदा कर दी है। यह आकृति सीढ़ी जैसी दिखाई देती है और इसे संभावित प्रागैतिहासिक पेट्रोग्लिफ यानी प्राचीन शैल-चित्र या शैल-नक्काशी माना जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि दिल्ली के रिज क्षेत्र में इस प्रकार की खोज पहली बार सामने आई है, जिससे इसकी ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्ता और भी बढ़ गई है। यह नक्काशी दिल्ली की क्वार्ट्जाइट चट्टान पर उकेरी गई है, जो समय के साथ काफी घिस चुकी है। इसमें ऊपर-नीचे और आड़ी-तिरछी रेखाएं इस तरह बनी हुई हैं कि पूरा पैटर्न एक सीढ़ी या सीढ़ीनुमा संरचना जैसा दिखाई देता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, इस प्रकार की आकृतियां पहले भी अरावली क्षेत्र के मंगर इलाके में पाई गई हैं, जहां इन्हें प्राचीन मानव गतिविधियों या सांस्कृतिक प्रतीकों से जोड़ा गया था। हालांकि सेंट्रल रिज में मिली इस नई खोज के मामले में अभी किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पुरातत्वविदों का कहना है कि जब तक वैज्ञानिक डेटिंग और विस्तृत अध्ययन नहीं किया जाता, तब तक इसकी वास्तविक उम्र, उद्देश्य और महत्व के बारे में निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता। कुछ शोधों में ऐसी आकृतियों को प्रतीकात्मक संकेत माना जाता है, जबकि कुछ विशेषज्ञ इन्हें प्राचीन काल के खेल या गणना बोर्ड जैसी संरचना भी मानते हैं।

उत्तम नगर में विजय सेल्स शोरूम में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

भारतेंदु संवाददाता,नई दिल्ली

दिल्ली के उत्तम नगर क्षेत्र में स्थित विजय सेल्स के एक शोरूम में लगी भीषण आग ने एक बार फिर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नजफगढ़ रोड पर स्थित इस इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम में अचानक आग लगने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा शोरूम धू-धूकर जलने लगा और आसमान में काले धुएं का घना गुबार छा गया। आग की भयावहता को देखकर आसपास के लोग घरों और दुकानों से बाहर निकल आए।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे तथा आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली, लेकिन शोरूम में रखा लाखों रुपये मूल्य का इलेक्ट्रॉनिक और अन्य सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और संबंधित एजेंसियां इसकी जांच में जुटी हैं।

प्रारंभिक स्तर पर शॉर्ट सर्किट, विद्युत उपकरणों में खराबी या अन्य तकनीकी कारणों की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। इस घटना ने यह भी याद दिलाया है कि बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अग्निशमन उपकरणों की नियमित जांच, विद्युत प्रणाली का समय-समय पर निरीक्षण, आपातकालीन निकास मार्गों की उपलब्धता तथा कर्मचारियों को आग से बचाव का प्रशिक्षण देना कितना आवश्यक है। राजधानी जैसे घनी आबादी वाले शहर में किसी भी शोरूम, मॉल या व्यावसायिक भवन में लगी आग कुछ ही मिनटों में बड़े हादसे का रूप ले सकती है।

इसलिए अग्नि सुरक्षा मानकों का पूरी गंभीरता से पालन करना सभी संस्थानों की जिम्मेदारी है। प्रशासन को भी समय-समय पर ऐसे प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन कर रहे हैं। यदि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही पाई जाती है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

मानसून से पहले ही दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का ड्रेनेज सिस्टम फेल

भारतेंदु संवाददाता,नई दिल्ली

देश में आधुनिक सड़क अवसंरचना को मजबूत बनाने के उद्देश्य से तैयार किए जा रहे एक्सप्रेसवे विकास की नई पहचान माने जा रहे हैं। इन परियोजनाओं पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं ताकि लोगों को तेज, सुरक्षित और सुगम यात्रा की सुविधा मिल सके। इसी कड़ी में लगभग 12 हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे भी एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिससे दिल्ली और उत्तराखंड के बीच यात्रा का समय काफी कम होने की उम्मीद जताई गई थी। लेकिन संचालन शुरू होने के मात्र तीन महीने के भीतर ही इस एक्सप्रेसवे की जल निकासी व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। मानसून पूरी तरह सक्रिय होने से पहले ही एक्सप्रेसवे की स्लैब से पानी नीचे सड़क पर टपकने की घटनाएं सामने आना न केवल निर्माण गुणवत्ता, बल्कि रखरखाव व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

शास्त्री पार्क से खजूरी खास की ओर जाने वाली सड़क पर लगातार पानी गिरने से सड़क की सतह क्षतिग्रस्त होने लगी है और कई स्थानों पर गड्ढे बनने लगे हैं। बताया जा रहा है कि एक्सप्रेसवे पर लगाए गए ड्रेनेज पाइप कई जगह गंदगी जमा होने के कारण जाम हो गए हैं। परिणामस्वरूप वर्षा का पानी पाइपों से बाहर निकलने के बजाय स्लैब के किनारों और जोड़ों से रिसकर नीचे गिर रहा है। यदि किसी नई परियोजना में शुरुआती दौर में ही ऐसी तकनीकी कमियां सामने आने लगें, तो स्वाभाविक रूप से उसकी गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है।

किसी भी एक्सप्रेसवे का निर्माण केवल मजबूत कंक्रीट और चौड़ी सड़कों तक सीमित नहीं होता, बल्कि उसकी जल निकासी प्रणाली भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यदि बारिश का पानी समय पर बाहर नहीं निकलेगा तो वह धीरे-धीरे सड़क की संरचना को कमजोर करेगा, दरारें पैदा करेगा और भविष्य में बड़े नुकसान का कारण बन सकता है। इससे न केवल मरम्मत पर अतिरिक्त खर्च बढ़ेगा, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी परियोजनाओं में नियमित निरीक्षण, ड्रेनेज पाइपों की समय-समय पर सफाई और रखरखाव की प्रभावी व्यवस्था अत्यंत आवश्यक होती है।

निर्माण एजेंसियों और संबंधित विभागों की यह जिम्मेदारी है कि वे परियोजना के शुरू होने के बाद भी उसकी गुणवत्ता पर लगातार निगरानी रखें और छोटी-से-छोटी समस्या का तुरंत समाधान करें। यदि शुरुआती संकेतों की अनदेखी की गई तो भविष्य में संरचनात्मक क्षति और अधिक गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए आवश्यक है कि संबंधित एजेंसियां इस समस्या की विस्तृत तकनीकी जांच कराएं, जल निकासी व्यवस्था को तुरंत दुरुस्त करें तथा यह सुनिश्चित करें कि करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से बनी इस महत्वपूर्ण परियोजना की गुणवत्ता और सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता न हो।

दिल्ली के पहाड़गंज में स्पा सेंटर में देह व्यापार का भंडाफोड़

भारतेंदु संवाददाता,नई दिल्ली। दिल्ली के पहाड़गंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने स्पा सेंटर की आड़ में कथित रूप से संचालित अवैध देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एक विशेष टीम का गठन किया गया और सत्यापन के लिए एक पुलिसकर्मी को नकली ग्राहक बनाकर स्पा सेंटर भेजा गया।

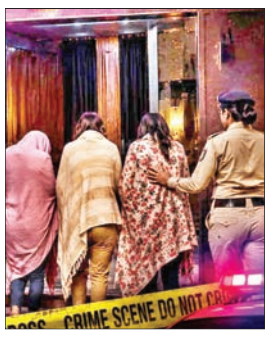

आरोप है कि संचालक ने ग्राहक से पैसे लेकर एक महिला को कमरे में भेज दिया। तय संकेत मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारकर स्पा सेंटर के संचालक अजय मल्होत्रा को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान चार महिलाओं को वहां से सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा नकदी और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, स्पा सेंटर की आड़ में कथित रूप से अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

नई पहल | बीमार पिता के लिए लिवर का हिस्सा दान करने की मिली अनुमति, अदालत ने मानवीय पहलू को दी प्राथमिकता

17 साल का नाबालिग पिता को दे सकेगा लिवर का हिस्सा: दिल्ली हाईकोर्ट

भारतेंदु संवाददाता,नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण और मानवीय निर्णय देते हुए 17 वर्षीय एक नाबालिग को अपने गंभीर रूप से बीमार पिता को लिवर का हिस्सा दान करने की अनुमति प्रदान की है। यह फैसला केवल एक परिवार के लिए राहत का विषय नहीं है, बल्कि अंगदान से जुड़े कानूनी, नैतिक और चिकित्सीय पहलुओं पर भी महत्वपूर्ण संदेश देता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि नाबालिग द्वारा जीवित अंगदान पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है, लेकिन इसकी अनुमति केवल असाधारण परिस्थितियों में ही दी जा सकती है। इसके लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि सभी कानूनी, नैतिक और चिकित्सीय मानकों का पूरी तरह पालन किया जाए तथा नाबालिग की सुरक्षा और स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता न हो। अदालत ने कहा कि इस मामले में 17 वर्षीय लड़के के अलावा कोई अन्य उपयुक्त लिवर डोनर उपलब्ध नहीं था और यदि समय रहते प्रत्यारोपण नहीं किया जाता, तो उसके पिता के जीवन को गंभीर खतरा हो सकता था।

न्यायालय ने यह भी पाया कि नाबालिग अपने पिता के प्रति प्रेम, पारिवारिक जिम्मेदारी और अपनी स्वतंत्र इच्छा से अंगदान करना चाहता है। जांच के दौरान ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि उस पर किसी प्रकार का दबाव डाला गया हो या इस प्रक्रिया में किसी प्रकार का आर्थिक या व्यावसायिक लाभ जुड़ा हो। इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने लिवर प्रत्यारोपण की अनुमति दी, लेकिन साथ ही निर्देश दिया कि पूरी चिकित्सा प्रक्रिया निर्धारित कानूनी और चिकित्सीय प्रोटोकॉल के अनुरूप ही संपन्न की जाए।

अदालत ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि प्रत्यारोपण से पहले और बाद में नाबालिग की शारीरिक तथा मानसिक स्थिति की लगातार निगरानी की जाए और उसकी दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। यह निर्णय यह भी दर्शाता है कि न्यायपालिका कानून की व्याख्या करते समय मानवीय संवेदनाओं और जीवन के अधिकार को भी समान महत्व देती है। अंगदान अनेक गंभीर रोगियों के लिए नया जीवन प्रदान करने का माध्यम बन चुका है, लेकिन इसके साथ जुड़े नैतिक और कानूनी प्रश्नों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। विशेषकर जब मामला किसी नाबालिग से जुड़ा हो, तब अतिरिक्त सावधानी आवश्यक हो जाती है।

इसलिए अदालत ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की अनुमति सामान्य नियम नहीं होगी, बल्कि केवल उन दुर्लभ मामलों में दी जाएगी जहां चिकित्सकीय आवश्यकता अत्यंत गंभीर हो, कोई अन्य उपयुक्त डोनर उपलब्ध न हो और यह पूरी तरह सुनिश्चित हो कि नाबालिग अपनी स्वतंत्र इच्छा से अंगदान कर रहा है। यह फैसला अंगदान के प्रति समाज में सकारात्मक जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ यह भी संदेश देता है कि मानव जीवन की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, लेकिन इसके लिए कानूनी प्रक्रिया, नैतिक मूल्यों और चिकित्सीय सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य है।

दिल्ली-एनसीआर में गर्मी से हाहाकार पानी की कमी और लू से तड़प रहे पक्षी

भारतेंदु संवाददाता,नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में इस समय पड़ रही भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान का असर अब केवल इंसानों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसका गंभीर प्रभाव पक्षियों और वन्यजीवों पर भी साफ तौर पर देखा जा रहा है। तेज धूप, लू और पानी की भारी कमी के कारण शहर के विभिन्न हिस्सों में पक्षी और छोटे वन्यजीव गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस मौसम में कई पक्षी डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और शरीर में पानी की कमी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिससे उनकी स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

कई पक्षी उड़ान भरने में असमर्थ हो रहे हैं, जबकि कुछ अपने घोंसलों तक पहुंचने से पहले ही थककर जमीन पर गिरकर घायल हो रहे हैं।

वाइल्डलाइफ एसओएस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने से अब तक कुल 224 पक्षियों और वन्यजीवों का रेस्क्यू किया गया है। यह संख्या पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक है, जो इस बात का संकेत देती है कि गर्मी का प्रभाव वन्यजीवों पर तेजी से बढ़ रहा है। संस्था के अनुसार, इस वर्ष अप्रैल महीने में ही रेस्क्यू मामलों में लगभग 39.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

अप्रैल से अब तक 224 का रेस्क्यू

सामान्य दिनों में जहां प्रतिदिन केवल 5 से 10 रेस्क्यू कॉल प्राप्त होती थीं, वहीं भीषण गर्मी के दौरान यह संख्या बढ़कर 15 से 20 कॉल प्रतिदिन तक पहुंच गई है। यह स्थिति वन्यजीवों के लिए एक गंभीर चेतावनी के रूप में देखी जा रही है। सबसे अधिक प्रभावित पक्षियों में कबूतर, चील (यंग काइट्स) और अन्य शहरी पक्षी शामिल हैं। ये पक्षी गर्म हवाओं और उच्च तापमान में उड़ान भरते समय जल्दी थक जाते हैं और कई बार जमीन पर गिरकर घायल हो जाते हैं। इसके अलावा, पानी की कमी के कारण उनकी शारीरिक स्थिति कमजोर हो जाती है, जिससे वे भोजन और पानी की तलाश में रिहायशी इलाकों की ओर रुख करने लगते हैं। इससे न केवल उनका जीवन खतरे में पड़ जाता है, बल्कि मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष की स्थिति भी पैदा होने लगती है। गर्मी के कारण केवल पक्षी ही नहीं, बल्कि सांप, गोह और अन्य सरीसृप भी प्रभावित हो रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

कश्मीर डिवीजन में हायर सेकेंडरी तक के सभी स्कूलों में 6 जुलाई से गर्मी की छुट्टियां घोषित

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। कश्मीर डिवीजन में भीषण गर्मी को देखते हुए शिक्षा निदेशालय ने हायर सेकेंडरी तक के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में 6 जुलाई से 19 जुलाई 2026 तक गर्मी की छुट्टियां घोषित कर दी हैं। इस संबंध में 30 जून को आधिकारिक आदेश जारी किया गया। छात्रों की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। छुट्टियों के दौरान सभी स्कूल बंद रहेंगे और कक्षाएं अस्थायी रूप से स्थगित रहेंगी।

बारामुला में 3 वाहनों के बीच भीषण टक्कर,6 लोग घायल

भारतेंदु संवाददाता,बारामूला। बारामूला जिले के जंगम पट्टन स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को 3 वाहनों के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम 6 लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक डंपर, एक आल्टो-800 कार और एक स्कॉर्पियो की जंगम पट्टन में नेशनल हाईवे पर आपस में टक्कर हो गई। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और ट्रैफिक पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल नज़दीकी अस्पताल पहुंचाया जहां उनका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि घायलों में से कुछ की हालत गंभीर भी बनी हुई है।

जम्मू-कश्मीर बोर्ड की 10वीं कक्षा की परीक्षा में दूसरों की जगह पेपर दे रहे दो लोग गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर बोर्ड की 10वीं कक्षा की परीक्षा में नकल और प्रतिरूपण (इम्पर्सनेशन) का गंभीर मामला सामने आया है। 30 जून 2026 को परीक्षा के दौरान 10वीं कक्षा के दो ऐसे उम्मीदवारों को पकड़ा गया जो परीक्षा केंद्र के अंदर किसी और उम्मीदवार की जगह परीक्षा दे रहे थे। दोनों उम्मीदवारों की उत्तर पुस्तिकाएं ज़ब्त कर ली गईं और उन्हें राजौरी के ब्लॉक टेरियाथ पुलिस के हवाले कर दिया गया।

बीबीआईए अध्यक्ष तरुण सिंगला ने उपमुख्यमंत्री से की मुलाकात

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। बारी ब्राह्मणा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष तरूण सिंघला ने जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिन्द्र चौधरी से मुलाकात कर औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत और सकारात्मक चर्चा की। इस दौरान बारी ब्राह्मणा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष ने मौजूदा उद्योगों के लिए एक व्यापक और व्यावहारिक औद्योगिक नीति बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि नीति को सभी हितधारकों से विस्तृत परामर्श के बाद ही अंतिम रूप दिया जाना चाहिए।

सोपोर साइबर पुलिस ने 'म्यूल अकाउंट्स' को लेकर प्राथमिकी दर्ज की, लोगों को की चेतावनी जारी

भारतेंदु संवाददाता,सोपोर। सोपोर के साइबर पुलिस स्टेशन ने उन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है जो 'म्यूल बैंक अकाउंट्स' (धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल होने वाले खाते) का इस्तेमाल करके साइबर धोखाधड़ी में मदद कर रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई साइबर वित्तीय अपराधों और उन नेटवर्क पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे तेज़ अभियान का हिस्सा है जो धोखेबाजों को तीसरे पक्ष के बैंक खातों के ज़रिए गैर-कानूनी तरीके से हासिल किए गए पैसे को इधर-उधर करने या छिपाने में मदद करते हैं।

कुपवाड़ा में डंपर की टक्कर से 6 साल की बच्ची की मौत

भारतेंदु संवाददाता,कुपवाड़ा। बुधवार को उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा ज़िले के वोधपोरा इलाके में एक डंपर की टक्कर से छह साल की बच्ची की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब जेके02सीआर-6027 नंबर वाले डंपर ने छह साल की बच्ची को टक्कर मार दी। बच्ची को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बच्ची की पहचान हबसा इशाक (6) के तौर पर हुई है जो कुपवाड़ा के वोधपोरा इलाके के खुरमाबाद की रहने वाली मोहम्मद इशाक शेख की बेटी थी। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और जांच शुरू कर दी है।

जम्मू-कश्मीर दक्षिण और मध्य एशिया का प्रमुख प्रवेश द्वार : महबूबा मुफ्ती

अनुच्छेद 370 के बाद की स्थिति पर हमला, महबूबा मुफ्ती ने जेएंडके को कहा 'खुली जेल'

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को केंद्र सरकार से जम्मू और कश्मीर की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति का उपयोग पाकिस्तान और चीन के साथ संबंधों को मजबूत करने, सार्क के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग को पुनर्जीवित करने और केंद्र शासित प्रदेश को दक्षिण एशिया और मध्य एशिया को जोड़ने वाले प्रवेश द्वार में बदलने का आह्वान किया।

घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए मुफ्ती ने कहा कि देश भूगोल का उपयोग रणनीतिक लाभ के रूप में तेजी से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व की स्थिति बदल रही है। आपने देखा कि कैसे ईरान ने अपनी रणनीतिक स्थिति का उपयोग करके संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश को भी दबाव में ला दिया। जम्मू और कश्मीर की भी अपनी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति है।

उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर को लेकर भारत-पाकिस्तान

सिर्फ 12 दिनों में तैयार हुआ रणनीतिक महत्व का बेली ब्रिज

के लंबे विवाद ने इस क्षेत्र को अपनी आर्थिक और रणनीतिक क्षमता का एहसास करने से रोक रखा है।

उन्होंने कहा कि पीडीपी ने हमेशा सुलह की वकालत की है। जम्मू और कश्मीर एक युद्धक्षेत्र बन गया है, इसे दोनों देशों के बीच शांति का सेतु बनना चाहिए। लोगों के बीच संपर्क, संवाद और खुले रास्ते होने चाहिए।

आरएसएस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा संवाद के पक्ष में दिए गए हालिया बयानों का स्वागत करते हुए मुफ्ती ने कहा कि मोहन भगवत और दत्तात्रेय होसबले सहित नेताओं द्वारा जुड़ाव और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की बात करने से उन्हें प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने भारत के पड़ोसियों के प्रति पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दृष्टिकोण का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि किसी प्रधानमंत्री की विरासत इस बात से नहीं मापी जाती कि वह कितने शक्तिशाली थे या कितने समय तक पद पर रहे बल्कि इस बात से मापी जाती है कि उन्होंने कितने संघर्षों का समाधान किया।

मुफ्ती ने तर्क दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के पास वर्तमान में द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने और क्षेत्रीय सहयोग को पुनर्जीवित करने का अवसर है।

केंद्र सरकार पर किया प्रहार

मुफ्ती ने केंद्र सरकार के अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त करने के फैसले की भी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह क्षेत्र में राजनीतिक असंतोष को दूर करने में विफल रहा है। 2019 में भाजपा ने अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त करके जम्मू और कश्मीर के खिलाफ अपना सबसे शक्तिशाली हथियार इस्तेमाल किया। फिर भी कोई ठोस उपलब्धि हासिल नहीं हुई है। आज भी जम्मू और कश्मीर के लोग खुद को अलग-थलग महसूस करते हैं। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश की वर्तमान स्थिति का वर्णन करते हुए मुफ्ती ने आरोप लगाया कि इस क्षेत्र को एक खुली जेल में बदल दिया गया है जहाँ लोगों को बोलने या शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की स्वतंत्रता नहीं है।

अमेरिका-ईरान बातचीत पर लौट सकते हैं तो भारत-पाकिस्तान क्यों नहीं : उमर फारूक

पुलवामा और उरी हमलों के बाद रुकी बातचीत पर मीरवाइज ने फिर उठाया मुद्दा

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। कश्मीर के अलगाववादी नेता मीरवाइज उमर फारूक ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच रुकी हुई बातचीत को फिर से शुरू करने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान जैसे देश, जिनके बीच लंबे समय तक तनाव रहा है, बातचीत की मेज पर वापस आ सकते हैं, तो भारत और पाकिस्तान क्यों नहीं। मीरवाइज ने यह बयान श्रीनगर में एक कार्यक्रम के दौरान और मीडिया से बातचीत में दिया, जिसमें उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए संवाद को आवश्यक बताया।

मीरवाइज ने भारत-पाक संवाद पर दिया जोर

उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत बंद होने से कश्मीर क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक तनाव बढ़ा है। उनके अनुसार, बातचीत ही एकमात्र ऐसा रास्ता है जिससे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवादों का समाधान संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि कश्मीर को संघर्ष का क्षेत्र नहीं, बल्कि शांति और सहयोग का सेतु बनना चाहिए, जहां दोनों देशों के बीच संबंध बेहतर हो सकें।

मीरवाइज उमर फारूक ने अपने बयान में यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई ऐसे उदाहरण मौजूद हैं जहां लंबे समय तक तनाव के बाद भी देशों ने बातचीत के जरिए अपने संबंधों को सुधारने की कोशिश की है।

कश्मीर घाटी में लू का दौर जारी, लंबे समय से बारिश न होने से बढ़ी चिंता

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। कश्मीर घाटी में भीषण लू का दौर जारी है और मौसम के शुष्क बने

रहने के कारण राहत के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। लंबे समय से जारी उच्च तापमान और बारिश की कमी ने घाटी के किसानों, बागवानों और निवासियों की चिंता बढ़ा दी है।

पिछले कुछ दिनों से कश्मीर के कई इलाकों में दिन का तापमान सामान्य से काफी ऊपर बना हुआ है। भीषण गर्मी ने आम जनजीवन को प्रभावित किया है

किसानों और बागवानों की बढ़ी चिंता

लोग दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं। लंबे समय तक बारिश न होने के कारण कुछ इलाकों में जलाशयों और जलधाराओं के जलस्तर में भी गिरावट देखी गई है।

मौसम की इन स्थितियों ने किसान समुदाय की चिंताएं बढ़ा दी हैं क्योंकि इस दौरान धान के खेतों, बागों और सब्जियों की फसलों के लिए समय पर बारिश बहुत ज़रूरी होती है। किसानों को डर है कि बारिश की कमी का असर फसल की बढ़त और पैदावार पर पड़ सकता है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में फटा बादल, मलबा आने से कई सड़कें हुईं बंद

मूसलाधार बारिश और क्लाउडबर्स्ट से कृषि भूमि को बड़ा नुकसान, राहत कार्य जारी

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में बादल फटने की घटना ने भारी तबाही मचा दी है। भलेसा क्षेत्र के खलजुगासर इलाके में दो बार बादल फटने से अचानक आई बाढ़ ने पूरे क्षेत्र को प्रभावित कर दिया है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण किसानों की खड़ी फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं, जबकि फलदार बाग-बगीचों को भी गंभीर नुकसान पहुंचा है। तेज बहाव के साथ आए पानी और मलबे ने न केवल कृषि भूमि को बर्बाद किया, बल्कि कई घरों और निजी संपत्तियों को भी क्षति पहुंचाई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुछ ही मिनटों में हालात इतने बिगड़ गए कि लोग अपने घरों से बाहर निकलने को मजबूर हो गए।

इस आपदा के कारण इलाके का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। भारी बारिश और मलबे के कारण कई प्रमुख सड़कें बंद हो गई हैं, जिससे भलेसा का भट्यास क्षेत्र अन्य इलाकों से पूरी तरह कट गया है। लोगों को आवागमन में भारी

किसानों की खड़ी फसलें और बाग-बगीचे पूरी तरह तबाह

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी बाधित हो गई है। कश्तीगढ़ क्षेत्र में भी मूसलाधार बारिश के चलते अचानक बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई, हालांकि वहां किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जो एक राहत की बात है।

स्थानीय प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में टीमें भेजी गई हैं, जो मलबा हटाने और सड़कों को खोलने के प्रयास में जुटी हुई हैं। साथ ही, जिन लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा है, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

किसानों के लिए यह आपदा विशेष रूप से भारी नुकसान लेकर आई है, क्योंकि उनकी पूरी मेहनत की फसलें कुछ ही पलों में नष्ट हो गईं।

कई इलाके संपर्क से कट सड़क यातायात भी हुआ ठप

सेब और अन्य फलदार पेड़ों को भी गंभीर क्षति पहुंची है, जिससे आने वाले समय में उनकी आय पर बड़ा असर पड़ सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इस तरह की अचानक और विनाशकारी बाढ़ नहीं देखी थी, जिसने पूरे क्षेत्र को हिला कर रख दिया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, पहाड़ी क्षेत्रों में इस तरह की घटनाएं मानसून के दौरान कभी-कभी देखने को मिलती हैं, लेकिन बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन के कारण इनकी तीव्रता और आवृत्ति बढ़ती जा रही है। अचानक बादल फटने जैसी घटनाएं न केवल संपत्ति और कृषि को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बन जाती हैं। ऐसे में समय पर चेतावनी प्रणाली और आपदा प्रबंधन को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

जानीपुर में मरम्मत कार्य के दौरान हाईटेंशन करंट से डेलीवेजर कर्मचारी की गई जान

करंट लगने से डेलीवेजर की मौत, सड़क पर शव रखकर परिजनों ने किया प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के जानीपुर क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ड्यूटी के दौरान खंभे पर तार बदलते समय करंट लगने से डेलीवेजर लाइनमैन जोगिंद्र सिंह (35) की मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया और परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सड़क पर शव रखकर जोरदार प्रदर्शन किया। परिजनों का कहना है कि यह हादसा पूरी तरह से विभागीय लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का परिणाम है।

जानकारी के अनुसार, जोगिंद्र सिंह को जानीपुर में एक बिजली खंभे पर

विभागीय लापरवाही पर उठे सवाल, यूनियन ने जांच की मांग की

मरम्मत कार्य के लिए भेजा गया था।

उस समय शटडाउन लिया गया था ताकि काम सुरक्षित तरीके से किया जा सके। लेकिन आरोप है कि काम के दौरान अचानक किसी ने बिजली सप्लाई बहाल कर दी, जिससे खंभे पर चढ़े जोगिंद्र को हाईटेंशन करंट लग गया। करंट लगते ही वह संतुलन खो बैठा और सीधे पोल से नीचे सड़क पर गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह पूरा हादसा इतनी तेजी से हुआ कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

परिजनों ने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मृतक को बिना किसी उचित सेफ्टी किट के खंभे पर चढ़ाया गया था। न तो हेलमेट दिया गया था और न ही अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे। इसके अलावा सबसे बड़ा सवाल यह उठाया गया है कि जब शटडाउन चल रहा था तो आखिर किसके आदेश पर बिजली सप्लाई बहाल की गई।

पूर्व केसीसीआई अध्यक्ष मुबीन शाह की संपत्ति जब्त: सीआईके

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) शाखा ने बुधवार को कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष मुबीन अहमद शाह की अचल संपत्ति को 2020 की एक एफआईआर के संबंध में जब्त कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि सीआईके की एक टीम ने श्रीनगर के डलगेट स्थित बुचवारा में शाह के आवास पर छापा मारा जहां राजस्व अधिकारी की उपस्थिति में कुर्की की कार्यवाही की गई।

जब्त की गई संपत्ति में एस्टेट बुचवारा में स्थित 12 मरला जमीन शामिल है। उन्होंने बताया कि केसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष शाह दिसंबर 2019 से अपने परिवार के साथ मलेशिया में रह रहे हैं। यह कुर्की पुलिस स्टेशन सीआईके में दर्ज एफआईआर संख्या 07/2020 की जांच के तहत की गई है। अधिकारियों ने मामले के बारे में तत्काल कोई और जानकारी नहीं दी।

भगवती नगर में 'हर हर महादेव' के जयकारों से गूंजे रजिस्ट्रेशन केंद्र

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप में अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। 3 जुलाई से शुरू होने वाली 57 दिन की यह पवित्र यात्रा नुनवान-पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों से संचालित होगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रजिस्ट्रेशन केंद्रों पर विशेष व्यवस्था की है, जहां भारी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। अब तक लगभग चार लाख श्रद्धालु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं, जबकि ऑफलाइन प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है।

रजिस्ट्रेशन केंद्रों पर सुबह से ही लंबी कतारें लग रही हैं और श्रद्धालु 'हर हर महादेव' तथा 'बम बम भोले' के जयकारों के साथ अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। मौसम में बदलाव के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है।

जेएंडके में 40वें दिन भी जारी रहा 'ऑपरेशन शेरावाली'

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजोरी जिले में आतंकियों के खिलाफ चलाया जा रहा 'ऑपरेशन शेरूवाली' लगातार 40वें दिन भी जारी रहा है। सुरक्षाबलों द्वारा डोरीमल और गंभीर मुगला क्षेत्र के घने जंगलों में व्यापक स्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह इलाका अत्यंत दुर्गम और पहाड़ी होने के कारण आतंकियों के छिपने के लिए संवेदनशील माना जाता है, इसी वजह से यहां लगातार सुरक्षा बलों की तैनाती और तलाशी अभियान चल रहा है। माना जा रहा है कि इन जंगलों में कुछ आतंकी अभी भी छिपे हो सकते हैं, जिनकी तलाश के लिए सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता के साथ अभियान को आगे बढ़ा रही हैं।

यह ऑपरेशन मई के अंतिम सप्ताह में शुरू किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों और घने जंगलों में छिपे आतंकियों को खोजकर उन्हें निष्क्रिय करना है। शुरुआत से ही यह अभियान काफी चुनौतीपूर्ण रहा है क्योंकि क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति बेहद कठिन है और घने जंगलों के कारण आतंकियों के छिपने की संभावना अधिक रहती है। इसके बावजूद सुरक्षाबलों ने आधुनिक तकनीक, ड्रोन निगरानी, थर्मल इमेजिंग और अन्य उपकरणों की मदद से पूरे क्षेत्र को घेरकर सर्चिंग तेज कर दी है। लगातार तलाशी अभियान के दौरान हर छोटे-बड़े संदिग्ध स्थान की जांच की जा रही है।

सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र में घेराबंदी कर रखी है और किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों की सुरक्षा को ध्यान

ऑपरेशन शेरावाली में सुरक्षाबल लगातार सक्रिय

में रखते हुए भी विशेष सावधानी बरती जा रही है ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित घोषित नहीं कर दिया जाता और आतंकियों की मौजूदगी की संभावना पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाती।

इस बीच 16 जून को नौशेरा सेक्टर के कालाल क्षेत्र में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास गश्त के दौरान एक बारूदी सुरंग विस्फोट की घटना हुई थी, जिसमें सेना के एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) और तीन जवान घायल हो गए थे। इस घटना के बावजूद सुरक्षाबलों का मनोबल कम नहीं हुआ है और वे पूरे साहस और दृढ़ संकल्प के साथ अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इस घटना के बाद क्षेत्र में और अधिक सतर्कता बढ़ा दी है और निगरानी को और मजबूत किया गया है।

ऑपरेशन शेरूवाली को सुरक्षा बलों का एक महत्वपूर्ण आतंक विरोधी अभियान माना जा रहा है, जो क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। लगातार चल रही तलाशी कार्रवाई यह दर्शाती है कि सुरक्षाबल किसी भी स्थिति में आतंकियों को बच निकलने का मौका नहीं देना चाहते। स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के साथ यह अभियान आगे बढ़ रहा है।

बडगाम में यात्री बस पलटने से चालक समेत 25 लोग घायल

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। बुधवार को बडगाम जिले के नस्रुल्लापोरा इलाके के कौनार में एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें चालक समेत कम से कम पच्चीस लोग घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह बस बीरवाह से बडगाम जा रही थी। दुर्घटना के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है।

बीरवाह से बडगाम जा रही बस हुई हादसे का शिकार

आपातकालीन बचाव दल के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले ही नस्रुल्लापोरा के स्थानीय निवासी मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने क्षतिग्रस्त वाहन से घायल यात्रियों को निकालने में मदद की।

घायलों को बडगाम के उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है।

तैयारी सीआरपीएफ की माउंटेन रेस्क्यू टीम अलर्ट पर, आपात स्थिति के लिए विशेष प्रशिक्षण पूरा

अमरनाथ यात्रा के लिए सीआरपीएफ ने संभाली पूरी जिम्मेदारी

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर

अमरनाथ यात्रा 2026 को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर यात्रा मार्ग, बेस कैंप और श्रद्धालुओं के ठहरने के स्थानों पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। इस वर्ष सुरक्षा व्यवस्था को पहले से अधिक मजबूत और आधुनिक बनाया गया है ताकि लाखों श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के अपनी धार्मिक यात्रा पूरी कर सकें।

सीआरपीएफ के अनुसार यात्रा मार्ग पर रोड ओपनिंग पार्टियों (आरओपी) की विशेष तैनाती की

यात्रा मार्ग से लेकर बेस कैंप तक सुरक्षा घेरा मजबूत, ड्रोन और सीसीटीवी से होगी निगरानी

गई है, जो पूरे रास्ते की निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी। इसके अलावा जम्मू से कश्मीर की ओर जाने वाले सभी श्रद्धालु काफिलों को भी सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

इन काफिलों के साथ सुरक्षा बल लगातार मौजूद रहेंगे ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। सुरक्षा बलों ने संवेदनशील क्षेत्रों में चौकसी बढ़ा दी है और नियमित सर्च ऑपरेशन भी चलाए जा रहे हैं।

यात्रा की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है। ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी निगरानी प्रणाली के माध्यम से पूरे यात्रा मार्ग पर नजर रखी जा रही है। इससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी।

इसके साथ ही सीआरपीएफ की माउंटेन रेस्क्यू टीम (एमआरटी) को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया है ताकि पहाड़ी क्षेत्रों में किसी भी आपात स्थिति या दुर्घटना के समय तुरंत राहत और बचाव कार्य किया जा सके। इन टीमों को राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के साथ मिलकर विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है, जिससे समन्वित तरीके से बचाव कार्य किया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

एनआईटी में जुटेंगे एनसीसी एयर विंग के सैकड़ों कैडेट्स

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की एयर विंग का एनुअल ट्रेनिंग कैंप (एटीसी-223) इस बार राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर में आयोजित किया जाएगा। कुल्लू स्थित एनसीसी की 1एचपी एयर स्क्वॉड्रन के कमांडिंग ऑफिसर विंग कमांडर कुनाल शर्मा ने बताया कि 5 से 14 जुलाई तक आयोजित किए जाने वाले इस दस दिवसीय एटीसी में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के सैकड़ों कैडेट्स भाग लेंगे। इसमें कैडेट्स को कई महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ-साथ सांस्कृतिक, खेलकूद और कई अन्य गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी।

कल्याण कला मंच की मासिक संगोष्ठी चार को

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर कल्याण कला मंच बिलासपुर की मासिक कला कलम संगोष्ठी घुमारवीं के बल्ह चुरानी पंचायत के गैहरा गांव में 4 जुलाई को होगी। संगोष्ठी की अध्यक्षता सुरेंद्र मिन्हास करेंगे, जबकि मंच के संयोजक अमरनाथ धीमान कार्यक्रम का संचालन करेंगे। बैठक में हडिंबा वेलफेयर सोसायटी बल्ह चुरानी व सरस्वती शर्मा को उनकी ओर से समाज में दी गई समाज सेवाओं के लिए मंच ने सम्मानित जाएगा। बैठक में कलाकार अपनी नवीनतम रचनाओं से माहौल को रंगीन बनाएंगे।

निशू देवी बनीं एसएमसी की प्रधान, इंदु बाला उपप्रधान

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला नखलेहड़ा में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुए। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य राज कुमार गौतम ने की। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, जिसमें निशू देवी को सर्वसम्मति से एसएमसी का नया प्रधान चुना गया, जबकि इंदु बाला को उपप्रधान बनाया गया। विद्यालय के समग्र विकास और विभिन्न गतिविधियों के बेहतर संचालन के लिए अलग-अलग समितियों का भी गठन किया गया। भवन समिति के प्रधान के रूप में अरुण कुमार तथा उपप्रधान के रूप में मनोहर लाल का चयन हुआ। वहीं, अकादमिक समिति की जिम्मेदारी हरेंद्र कुमार को सौंपी गई, जबकि अरुणा को उपप्रधान बनाया गया। पूर्व एसएमसी प्रधान मीना देवी को मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया। पंचायत प्रधान अंबालिका पठानिया, वार्ड सदस्य कमल व फीमेल हेल्थ वर्कर बनीता धीमान को पदेन सदस्य मनोनीत किया गया। समिति में ज्योति देवी, अमना देवी, बीना देवी, रजनी, किरण कुमारी, सुषमा कुमारी, प्रदीप कुमार और वीर सिंह सहित विद्यालय स्टाफ से सुषमा लता, मोहिंद्र सिंह तथा देवेंद्र कुमार को भी शामिल किया गया।

निर्णय वापस लेने तक जारी रहेगा शांतिपूर्ण आंदोलन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर। ग्राम पंचायत बेनला ब्राह्मणा ने पंचायत क्षेत्र में स्मार्ट बिजली मीटर लगाए जाने का विरोध तेज कर दिया है। मंगलवार को पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने विद्युत अनुभाग कंदरौर के सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपकर पंचायत क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया तत्काल रोकने की मांग की। ज्ञापन में पंचायत की ओर से कहा गया कि क्षेत्र में पहले से लगे बिजली मीटर सही ढंग से कार्य कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें हटाकर जबरन स्मार्ट मीटर लगाना उचित नहीं है। पंचायत और क्षेत्रवासी इस निर्णय को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने सरकार से जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए स्मार्ट मीटर लगाने के निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की। इस दौरान पंचायत की महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने एकजुट होकर स्मार्ट मीटर लगाने के फैसले का विरोध किया और पंचायत के समर्थन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। पंचायत प्रधान राकेश ठाकुर ने कहा कि ग्राम पंचायत बेनला ब्राह्मणा जनता के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जब तक स्मार्ट मीटर लगाने का निर्णय वापस नहीं लिया जाता, तब तक पंचायत लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध जारी रखेगी। उन्होंने विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर पंचायत का समर्थन करने वाले सभी ग्रामीणों का आभार भी व्यक्त किया।

7 जुलाई तक बंद रहेगी तल्याड़-सरकाघाट सड़क

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। उपमंडलाधिकारी सरकाघाट ने लोक निर्माण विभाग, मंडल सरकाघाट की अनुशंसा पर तल्याड़-पिंगला-थोना-सरकाघाट सड़क को मरम्मत व पुनर्स्थापन कार्य के दृष्टिगत 1 जुलाई से 7 जुलाई तक सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही के लिए अस्थायी रूप से बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा उक्त सड़क खंड पर आवश्यक मरम्मत एवं पुनर्स्थापन कार्य किया जाएगा। कार्य को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण व निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के उद्देश्य से सड़क को अस्थायी रूप से बंद रखने का निर्णय लिया गया है। आदेशों के अनुसार, सड़क बंद रहने की अवधि के दौरान लोक निर्माण विभाग सभी डायवर्जन स्थलों पर आवश्यक सूचना व दिशा-सूचक संकेतक बोर्ड स्थापित करेगा, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। विभाग को निर्धारित अवधि के भीतर मरम्मत कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए विभाग द्वारा वैकल्पिक वाहन की व्यवस्था तथा संबंधित ठेकेदार का संपर्क नंबर उपलब्ध रखा जाएगा। सड़क बंद रहने के दौरान सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन रिस्सा-फागलू-मसदवान-कुठेहड़-मछलाणा-चौक वैकल्पिक मार्ग से संचालित किया जाएगा।

लेखराज अध्यक्ष व केसरी देवी बनी उपाध्यक्ष

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राजकीय विजय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मंडी में स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के नवनिर्वाचित सदस्यों की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कुल 25 सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें अभिभावक सदस्य, स्थानीय पार्षद, शिक्षाविद, विशेष श्रेणी के प्रतिनिधि, आशा कार्यकर्ता तथा विद्यालय प्रशासन के सदस्य शामिल रहे। बैठक में स्थानीय नगर निगम पार्षद नेहा कुमारी व रजनी शर्मा, शिक्षाविद सदस्य कन्हैया राम सैनी, विशेष श्रेणी प्रतिनिधि पीतांबरी, आशा वर्कर, इंचार्ज अजय लखनपाल, प्राथमिक स्कूल की मुख्याध्यापिका लता देवी तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक ठाकुर सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया। नई शिक्षा नीति एवं समिति नियमावली-2026 के तहत प्रधान एवं उपप्रधान पद के लिए चुनाव करवाए गए। अध्यक्ष पद के लिए अंकुश मोहन एवं लेखराज को 12 व 13 मत प्राप्त होने पर लेखराज अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उपप्रधान पद के लिए केसरी देवी एवं हरनाम कौर को 14 व 11 मत प्राप्त होने पर केसरी देवी उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित की गई।

पेंशनर्स के लंबित मेडिकल बिलों का मुद्दा उठा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन घुमारवीं का प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष हरि सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों से मिला। बैठक में पेंशनर्स के लंबे समय से लंबित मेडिकल बिलों के भुगतान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। एसोसिएशन अध्यक्ष हरि सिंह ठाकुर ने बताया कि विभागीय अधिकारियों ने अवगत कराया कि मेडिकल प्रतिपूर्ति के लिए सरकार को भेजी गई मांग के अनुरूप पर्याप्त बजट उपलब्ध नहीं हो पाया है। इसी कारण वर्ष 2022 से लंबित मेडिकल बिलों का भुगतान अब तक नहीं किया जा सका है। उन्होंने कहा कि जल शक्ति विभाग घुमारवीं ने 22 लाख रुपए की मांग भेजी थी, लेकिन केवल 2 लाख रुपए ही प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि अन्य विभागों को भी अपेक्षाकृत कम बजट मिला है, जिससे पेंशनरों को समय पर भुगतान नहीं हो पा रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से लंबित मेडिकल बिलों के लिए शीघ्र पर्याप्त बजट जारी करने की मांग की है।

कबीर के व्यक्तित्व व कृतित्व पर हुई विस्तृत चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। साहित्य परिषद द्वारा संत कबीर को समर्पित एक साहित्यिक गोष्ठी व कवि सम्मेलन का आयोजन भाषा व संस्कृति विभाग के सौजन्य से नेरचौक में किया गया। कार्यक्रम में जिला भाषा अधिकारी सैनी मुख्यातिथि रहे, जबकि डॉ. गंगा राम राजी और जगदीश कपूर विशेषातिथि के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता परिषद अध्यक्ष डॉ. पीसी कौंडल ने की। प्रथम सत्र में वरिष्ठ साहित्यकार विद्या शर्मा और सुरेंद्र मिश्रा ने संत कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रपत्र प्रस्तुत किए, जिन पर विद्वानों द्वारा सार्थक चर्चा की गई। द्वितीय सत्र में बहुभाषी कवि सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें कई कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

भाजपा के शमशेर नेहरिया बने नगर निगम धर्मशाला के मेयर, प्रेरणा गुलेरिया डिप्टी मेयर

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। नगर निगम धर्मशाला में पिछले काफी समय से चल रही मेयर और डिप्टी मेयर पद की सियासी खींचतान और सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया है। इस चुनावी रण में धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा का दबदबा साफ देखने को मिला है। उनकी कुशल रणनीति के चलते धर्मशाला नगर निगम की कमान अब नए चेहरों के साथ पूरी तरह से भाजपा के हाथों में आ गई है।

नगर निगम के इस अहम चुनाव में भाजपा ने नई लीडरशिप पर भरोसा जताया है। वार्ड नंबर 2 से बीजेपी पार्षद शमशेर नेहरिया को धर्मशाला का नया मेयर चुना गया है। महिला शक्ति का दम दिखाते हुए, वार्ड नंबर 8 की पार्षद प्रेरणा गुलेरिया ने डिप्टी मेयर के पद पर कब्जा जमाया है। धर्मशाला नगर निगम के कुल 17 वार्डों में हुए चुनाव में बीजेपी ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। आंकड़ों पर नजर डालें तो भाजपा ने 11, कांग्रेस ने 5 और निर्दलीय ने 1 सीट पर जीत दर्ज की है। इस चुनाव प्रक्रिया के दौरान स्थानीय राजनीति के समीकरण बेहद दिलचस्प रहे। जीत के इस गणित में बीजेपी ने अपना पूरा संख्याबल दिखाया।

नप नगरोटा में कांग्रेस की जीत, अध्यक्ष राहुल, उपाध्यक्ष बनी आशा

भारतेन्दु संवाददाता, नगरोटा बगवां। नगरोटा बगवां की राजनीति में आज एक नया इतिहास दर्ज हुआ है। विकास, विश्वास व जनसेवा की राजनीति को जनता ने लगातार तीसरी बार समर्थन देते हुए कांग्रेस समर्थित नेतृत्व पर भरोसा जताया है।

ब्लॉक समिति नगरोटा, ब्लॉक समिति बड़ोह के बाद अब नगर परिषद नगरोटा में भी कांग्रेस समर्थित कार्यकारिणी के गठन के साथ कांग्रेस ने 3-0 की क्लीन स्वीप दर्ज की है। इस अवसर पर पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने नगरोटा विधानसभा क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जनादेश विकास की राजनीति और जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में हुए विकास कार्यों और स्पष्ट कार्यशैली पर जनता ने एक बार फिर भरोसा जताया है। नगर परिषद नगरोटा में

◆ आरएस बाली बोले– जनता ने विकास की राजनीति पर फिर जताया भरोसा

अध्यक्ष पद पर कांग्रेस समर्थित राहुल धीमान निर्वाचित हुए, जबकि उपाध्यक्ष पद पर आशा वालिया ने 5-3 के अंतर से विजय प्राप्त की।

एसडीएम नगरोटा मुनीष शर्मा की अध्यक्षता में यह चुनाव संपन्न हुआ। आरएस बाली ने कहा कि क्षेत्र की जनता ने लगातार तीसरी बार विकास के पक्ष में स्पष्ट जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नगरोटा बगवां में विकास कार्यों को और गति दी जाएगी तथा हर वार्ड और हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है और चुनाव के बाद सभी प्रतिनिधियों का समान सम्मान करते हुए केवल विकास और जनसेवा प्राथमिकता होगी। इस अवसर पर उन्होंने नए निर्वाचित प्रतिनिधियों का स्वागत भी किया।

कोट पंचायत में एफएमडी रोग पर जागरूकता शिविर, पशुपालकों को दी अहम जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पशुपालन स्वास्थ्य व प्रजनन विभाग, बिलासपुर के सौजन्य से पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) के अंतर्गत घुमारवीं तहसील की ग्राम पंचायत कोट में खुरपका व मुंहपका रोग (एफएमडी) पर एक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता ग्राम पंचायत कोट के प्रधान अमर चंद ने की।

इस अवसर पर सहायक निदेशक (परियोजना) डॉ. किशोरी लाल शर्मा, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रविंद्र कुमार, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. पर्वेश ठाकुर, डॉ. आदित्य शर्मा तथा डॉ. कीर्ति शर्मा सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। डॉ. किशोरी लाल शर्मा ने पशुपालकों को खुरपका व मुंहपका रोग के लक्षण, संक्रमण के कारण, बचाव के उपाय, नियमित टीकाकरण के महत्व, जैव सुरक्षा उपायों तथा रोग नियंत्रण कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समय पर टीकाकरण और वैज्ञानिक पशुपालन अपनाकर इस रोग की प्रभावी रोकथाम संभव है। ग्राम पंचायत प्रधान अमर चंद ने पशुपालन विभाग का शिविर आयोजित करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम पशुपालकों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं, जिनसे पशुधन के स्वास्थ्य एवं उत्पादकता में सुधार होता है।

उन्होंने क्षेत्र के सभी पशुपालकों से विभाग द्वारा संचालित निःशुल्क टीकाकरण अभियानों और अन्य पशु स्वास्थ्य सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। शिविर में बड़ी संख्या में पशुपालकों ने भाग लिया और विभाग द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता एवं रोग नियंत्रण अभियान की सराहना की।

एम्स बिलासपुर की द्विभाषी वेबसाइट और 'आपात सेतु' डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर। एम्स बिलासपुर ने मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में संस्थान की आधिकारिक द्विभाषी वेबसाइट तथा 'आपात सेतु' डिजिटल प्लेटफॉर्म का वर्चुअल शुभारंभ किया।

इसका उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष प्रो. नरेंद्र कुमार अरोड़ा ने किया। यह पहल एम्स बिलासपुर की डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने के साथ आम नागरिकों को अधिक पारदर्शी, सुलभ और तकनीक आधारित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस अवसर पर एम्स बिलासपुर के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि नई वेबसाइट केवल एक डिजिटल पोर्टल नहीं, बल्कि पारदर्शिता, दक्षता और जन-केंद्रित सेवा व्यवस्था के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वेबसाइट को हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में विकसित किया गया है, जिससे देशभर के नागरिक अपनी सुविधा के अनुसार इसका उपयोग कर सकेंगे। नई वेबसाइट के माध्यम से मरीजों, उनके परिजनों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा आम नागरिकों को संस्थान से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियां एक ही मंच पर उपलब्ध होंगी। वेबसाइट पर विभिन्न विभागों, विशेषज्ञ चिकित्सकों, ओपीडी एवं आईपीडी सेवाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं, भर्ती प्रक्रिया तथा अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकेगी।

सीएम सुक्खू ने राजा विजेंद्र सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने पूर्व स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री राजा विजेंद्र सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उनका निधन आज प्रातः दिल्ली में हुआ, वे 80 वर्षीय थे। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि राजा विजेंद्र सिंह का प्रदेश के विकास, विशेषकर सोलन जिला के नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विकास में उल्लेखनीय योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण के उनके कार्यों को प्रदेशवासी सदैव याद रखेंगे। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। राजा विजेंद्र सिंह वर्ष 1977, 1982, 1985, 1990 और 1993 में हिमाचल प्रदेश विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। उन्होंने मई 1982 से अप्रैल 1983 तक मुख्य संसदीय सचिव के रूप में कार्य किया। इसके अलावा उन्होंने वर्ष 1983-84 तथा 1988-89 के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री के पद पर भी कार्य किया।

एसडीएम घुमारवीं गौरव चौधरी ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में किया जागरूक

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मोरसिंघी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उपमंडलाधिकारी नागरिक घुमारवीं गौरव चौधरी ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों बारे जागरूक किया। इस मौके पर एसडीएम गौरव चौधरी ने कहा कि नशीले पदार्थों की घातक लत युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने, अपने परिवार व मित्रों को भी इसके प्रति जागरूक करने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता, सतर्कता व सामूहिक प्रयासों से ही इस सामाजिक बुराई पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

विद्यालय की प्रधानाचार्या अनीता राव ने एसडीएम का स्वागत करते हुए बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही विद्यार्थियों से नशामुक्त जीवन अपनाकर समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने की अपील भी की। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों आदित्य और कशिश ने नशामुक्ति विषय पर प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत कर चिट्टा सहित अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के प्रधान राजपाल, उपप्रधानाचार्य एवं संस्कृत प्रवक्ता शिव राम, विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, एनएसएस स्वयंसेवक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अमरनाथ यात्रा : लखनपुर में शिव तांडव व लेजर शो से होगा भव्य स्वागत

कन्वॉय सिस्टम से ही आगे बढ़ेंगे श्रद्धालु

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन और पुलिस ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। बुधवार को लखनपुर पहुंचने वाले पहले जत्थे का भव्य स्वागत लेजर शो और शिव तांडव प्रस्तुति के साथ किया जाएगा। इसके लिए विशेष पंडाल तैयार किया गया है। प्रशासन ने यात्रा को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध और यातायात नियम लागू किए हैं।

यात्रा की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी श्रद्धालु वाहन केवल नेशनल हाईवे-44 से ही 'कन्वॉय सिस्टम' के तहत जम्मू की ओर रवाना होंगे। किसी भी वाहन को धार रोड या अन्य शॉर्टकट मार्गों से जाने की अनुमति नहीं होगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को वापस मोड़ दिया जाएगा। लखनपुर में यात्रियों के लिए एक बार दस्तावेज जांच के बाद 'वन टाइम टोकन' (स्टिकर) जारी किया जाएगा, जिससे उन्हें बार-बार

चेकिंग की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा। यह स्टिकर यात्रा पूरी होने तक मान्य रहेगा। हालांकि, ड्रंक एंड ड्राइव, ओवरलोडिंग, रैश ड्राइविंग या नियमों के उल्लंघन की स्थिति में सख्त कार्रवाई की जाएगी। लखनपुर यात्रा रिसेप्शन सेंटर पर 6 आरएफआईडी काउंटर और 12 ई-केवाईसी केंद्र स्थापित किए गए हैं। यहां यात्रियों का पंजीकरण, पहचान सत्यापन और दस्तावेज जांच की जाएगी। इसके साथ ही हेल्प डेस्क और एलईडी स्क्रीन के माध्यम से यात्रा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। एसएसपी ट्रैफिक रूरल फारूक कैसर ने बताया कि यात्रा केवल एनएच-44 से संचालित होगी और लिंक मार्गों पर कट-ऑफ प्वाइंट बनाए गए हैं। काफिले के गुजरने के दौरान कुछ समय के लिए सामान्य यातायात को रोका जाएगा ताकि यात्रा सुरक्षित रूप से आगे बढ़ सके। श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए सांबा और कठुआ जिलों में 50 लॉजमेंट सेंटर चिन्हित किए गए हैं, जहां मौसम खराब होने की स्थिति में यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था होगी। लखनपुर सेंटर पर लंगर सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। प्रशासन ने बताया कि इस वर्ष यात्रा को अधिक सुरक्षित, तकनीक-सक्षम और व्यवस्थित बनाने पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

तकनीकी विवि हमीरपुर : काउंसलिंग के लिए आवेदन करने की तिथि बढ़ाई

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश के लिए काउंसलिंग आवेदन करने की तिथि बढ़ाई है, अब अभ्यर्थी तकनीकी विवि परिसर व संबंधित सरकारी/निजी शिक्षण संस्थानों में बीटेक, बी फार्मेसी, एमटेक, एमबीए, एमसीए, बी आर्क सहित अन्य विषयों की काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन सात जुलाई तक कर सकते हैं।

तकनीकी विवि के कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर ने कहा कि पात्र अभ्यर्थी सात जुलाई तक काउंसलिंग का ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। तकनीकी विवि और संबंधित शिक्षण संस्थानों में बीटेक (डायरेक्ट एंट्री), बी फार्मेसी (डायरेक्ट एंट्री), बीएससी एचएमसीटी/बीएचएमसीटी, बीसीए, बीबीए, एमबीए, एमबीए पर्यटन, एमसीए, एमएससी भौतिक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, एमए/एमएससी योग और फार्म डी के लिए पात्र अभ्यर्थी सात जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जबकि बी आर्क, बीटेक व बी फार्मेसी (लेटरल एंट्री), एमटेक और एम फार्मेसी के लिए 25 जुलाई तक आवेदन करने की प्रक्रिया रहेगी। अभी तक यूजी व पीजी विषयों की काउंसलिंग के लिए 6550 अभ्यर्थियों के आवेदन आ चुके हैं। उपरोक्त सभी स्नातक व स्नातकोत्तर विषय में प्रवेश के लिए पात्रता संबंधित जानकारी तकनीकी विवि की वेबसाइट पर लगी सूचना विवरणिका में देख सकते हैं, जिसमें सभी विषयों में प्रवेश के लिए पात्रता का पूरा ब्यौरा दिया है, जिन अभ्यर्थियों ने तकनीकी विवि की प्रवेश परीक्षा (कॉमन एंट्रेंस टेस्ट) दी है, उन्हें भी काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके अलावा बीटेक में डायरेक्ट एंट्री के लिए जेईई मेन परीक्षा देने वाले को भी काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। बता दें कि बीटेक (डायरेक्ट एंट्री) की 50 प्रतिशत सीटें एचपीसीईटी और 50 प्रतिशत सीटें जेईई की मेरिट के आधार पर भरी जाती हैं। काउंसलिंग फार्म भरने की तिथि के बाद जल्द की उपरोक्त विषयों की काउंसलिंग का शेड्यूल जारी किया जाएगा।

जुआ खेलते हुए आरोपियों से 44500 रुपए बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पुलिस थाना बारमाना के अंतर्गत पुलिस चौकी नमोहल की टीम ने ब्राह्मपुखर क्षेत्र में दबिश देकर जुआ खेलते हुए 7 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मौके पर 43500 रुपए नकद राशि बरामद की। इन आरोपियों के नाम शशि पाल, राजेश कुमार, परशुराम, ताराचंद, हेतराम, सुरेश कुमार के खिलसाफ पुलिस स्टेशन बारमाना में पब्लिक जुआ एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत करके कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इसी प्रकार इसी दिन शिकायतकर्ता खेमचंद पुत्र बंसी राम निवासी ढाड़ जिला बिलासपुर ने बयान और मामला दर्ज करवाया कि दिनेश कुमार बाबूराम अवतार सहित अन्य व्यक्तियों ने रास्ता रोककर उन्हें जान से मारने की धमकी दी और उनके साथ मारपीट करके गाड़ी का नुकसान भी किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध निर्माण | गरीब दिव्यांग दलित की जमीन विवाद पर जांच तेज, रसूखदार पर अतिक्रमण के आरोप

आरटीआई का असर: 165 दिनों बाद जागा प्रशासन

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। प्रशासन की सुस्ती और रसूखदारों के दबाव के आगे बेबस एक गरीब दिव्यांग दलित की चीख आखिरकार 165 दिनों बाद सूचना का अधिकार कानून के डंडे से प्रशासनिक गलियारों तक पहुंची। उप-मंडल बालीचौकी के तहत जीतराम की शिकायत पर आखिरकार राजस्व विभाग और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

अनुसूचित जाति से संबंधित पीड़ित जीतराम ने 19 जनवरी को उप-मंडल अधिकारी (नागरिक) बालीचौकी को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर अपनी भूमि की निशानदेही करने और अवैध अतिक्रमण को रोकने की गुहार लगाई थी। शिकायत के मुताबिक 7 वर्ष पूर्व जीतराम से पांच बिस्वा जमीन एक प्रभावशाली व्यक्ति ने खरीदी थी। अवैध कब्जा और रातों-रात निर्माण के बारे में आरोप है कि विजयपाल

ने खरीदी गई पांच बिस्वा जमीन से कई गुना अधिक भूमि पर जबरन कब्जा कर लिया और जेसीबी से उसे समतल कर दिया। रसूखदार व्यक्ति ने रातों-रात वहां सड़क का निर्माण कर दिया और लोक निर्माण विभाग के माध्यम से सरकारी डंगे (रिटेनिंग वॉल) भी लगवा दिए। जीतराम ने अपनी अर्जी में साफ तौर पर निशानदेही करने और इस अवैध निर्माण पर तुरंत रोक लगाने की मांग की थी। बार-बार सरकारी दफ्तरों की चौखट पर माथा टेकने के बाद भी जब कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो पीड़ित जीतराम ने आरटीआई एक्टिविस्ट संतराम से संपर्क किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए संतराम ने 23 जून को सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत एसडीएम कार्यालय से इस मामले में हुई अब तक की कार्रवाई का पूरा ब्योरा मांगा। आरटीआई के जरिए पता चला कि जीतराम के आवेदन को प्रशासन ने 11 फरवरी को ही तहसीलदार बालीचौकी को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया था, लेकिन फाइल धूल फांक रही थी। आरटीआई का आवेदन सामने आते ही हरकत में आए राजस्व विभाग के कानूनगो, पटवारी, लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता और वन विभाग के फॉरेस्ट गार्ड को मौके पर पहुंचे। इस दौरान मुशतिरख खाताधारक जीतराम, बालेराम, आत्माराम के साथ-साथ सतीश शर्मा, संतराम और दुले सिंह भी उपस्थित रहे। आरटीआई कार्यकर्ता संतराम ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह मामला बेहद संवेदनशील है। एक गरीब, दिव्यांग और दलित परिवार को सत्ता और रसूख के दम पर बर्बाद किया जा रहा है। हद तो तब हो गई जब मौके पर जांच करने गई टीम को भी आरोपी विजयपाल ने फोन पर 10-15 मिनट लंबी बात करके प्रभावित और दबाव में लेने की कोशिश की। संतराम ने साफ कहा है कि इस अन्याय के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाया जाएगा। वे जल्द ही इस पूरे मामले को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे व दोषियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की मांग करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इसके बावजूद पीड़ित को न्याय नहीं मिला, तो वे माननीय न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

24 घंटे में ब्लाइंड मर्डर केस सुलझाने पर नूरपुर पुलिस टीम हुई सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। थाना ज्वाली के अंतर्गत ग्राम मंडोल में हुए हत्या के एक सनसनीखेज मामले को सुलझाते हुए नूरपुर पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मामले के त्वरित व सफल खुलासे पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) नूरपुर ने जांच में शामिल पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशंसा एवं कमेंडेशन प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। पुलिस के अनुसार, 24 जून 2026 को दोपहर करीब 1 बजे ग्राम मंडोल (तहसील ज्वाली) निवासी 50 वर्षीय सुभाष चंद पर उनकी नयाली में किसी अज्ञात व्यक्ति ने तेजधार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना ज्वाली की पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी नूरपुर और एसडीपीओ ज्वाली ने स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण किया। फोरेंसिक एवं तकनीकी टीमों की सहायता से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए और थाना ज्वाली में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 के तहत मामला संख्या 119/2026 दर्ज किया गया। सुनियोजित व वैज्ञानिक जांच के आधार पर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर आरोपी रशपाल सिंह (22), पुत्र विक्रम सिंह, निवासी ग्राम मंडोल, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त तेजधार हथियार (दराट) भी बरामद कर लिया है। इस ब्लाइंड मर्डर केस को शीघ्रता और पेशेवर तरीके से सुलझाने पर एसपी नूरपुर ने एसडीपीओ ज्वाली डीएसपी वीरि सिंह, थाना प्रभारी ज्वाली सब-इंस्पेक्टर देव राज तथा सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) तेज सिंह को प्रशंसा एवं कमेंडेशन प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई और जांच जारी है। नूरपुर पुलिस क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधों के त्वरित खुलासे के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मैरीस मिज़ानिन का ग्लैमर स्टाइल

मैरीस मिज़ानिन कनाडा की प्रसिद्ध पेशेवर पहलवान, अभिनेत्री और मॉडल हैं। उन्होंने विश्व कुश्ती मनोरंजन में अपनी अलग पहचान बनाई। वर्ष 2014 में उन्होंने प्रसिद्ध पहलवान माइक मिज़ानिन से विवाह किया।

फुटबॉल वर्ल्ड कप मैक्सिको ने 40 साल बाद नॉकआउट मैच जीता

एमबाप्पे के डबल गोल से जीता फ्रांस

एजेंसी, ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी)

पिछली बार की फाइनलिस्ट फ्रांस ने बुधवार के पहले मैच में स्वीडन को 3-0 से हराकर फुटबॉल वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। साथ ही सह-मेजबान मैक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराकर 40 साल बाद नॉकआउट राउंड का मैच जीता है। इस जीत के शहर के कई जगह सेलिब्रेशन हुए। इस दौरान 2 फैंस की दम घुटने से मौत हो गई।

न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने दो और ब्रैडली बारकोला ने एक गोल किया। मैक्सिको सिटी स्टेडियम में मैक्सिको के जूलियन क्विन्योनेस ने 22वें और राउल जिमेनेज ने 31वें मिनट में गोल किए। इंजरी टाइम के 5वें मिनट में पिएरो हिनकापिए को रेड कार्ड मिला। अब फ्रांस का सामना पैराग्वे से 5 जुलाई को होगा, जबकि मैक्सिको 6 जुलाई को इंग्लैंड और कांगो डीआर के विजेता से खेलेगी। एमबाप्पे ने 45वें और 74वें मिनट में गोल किए। उन्होंने इस वर्ल्ड कप में तीसरी बार डबल गोल किए हैं। टूर्नामेंट में उनके छह गोल हो गए हैं। उन्होंने इस एडिशन के टॉप गोल स्कोरर की लिस्ट में अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी की बराबरी कर ली है। एमबाप्पे वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबलों में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उनके 10 गोल हो गए हैं। उन्होंने ब्राजील के दिग्गज लियोनिडास और रोनाल्डो के आठ-आठ गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। एमबाप्पे ने वर्ल्ड कप करियर में 18वां गोल किया है। वे मेसी (19 गोल) के वर्ल्ड रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे हैं।

फ्रांस ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। टीम ने स्वीडन पर 25-7 से शॉट लगाए, जिनमें पहले हाफ में 15-3 की बढ़त रही। पहले एमबाप्पे और फिर माइकल ओलिसे की साइकिल किक पोस्ट से टकराई। इसके बाद एमबाप्पे ने ओलिसे के प्रयास पर मिले मौके को गोल में बदला। 53वें मिनट में गुस्ताफ लागरबिएल्के से गेंद छिनने के बाद ऑरेलियन चुआमेनी ने ओलिसे को पास दिया। ओलिसे ने शानदार मूव बनाते हुए बारकोला को गेंद दी और उन्होंने गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। तीसरा गोल भी ओलिसे और बारकोला की मदद से एमबाप्पे ने किया।

विश्व कप जीतना लक्ष्य रिकॉर्ड नहीं : एमबाप्पे

फीफा विश्व कप में शानदार फॉर्म में चल रहे फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे ने कहा कि उनका लक्ष्य गोलों के रिकॉर्ड या गोल्डन बूट से अधिक विश्व कप ट्रॉफी जीतना है। उन्होंने कहा कि लियोनेल मेसी अभी और गोल करेंगे, लेकिन उनका पूरा फोकस 19 जुलाई को विश्व कप का खिताब जीतने पर है। स्वीडन के खिलाफ राउंड ऑफ-32 मुकाबले में दो गोल कर फ्रांस को 3-0 की जीत दिलाने वाले एमबाप्पे के विश्व कप में कुल 18 गोल हो गए हैं। वह मेसी के 19 विश्व कप गोलों के रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे हैं। मौजूदा टूर्नामेंट में भी दोनों छह-छह गोल के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर हैं। मैच के बाद एमबाप्पे ने कहा, 'हमारा लक्ष्य 19 जुलाई को यहां लौटकर विश्व कप ट्रॉफी जीतना है। हम एक-एक कदम आगे बढ़ रहे हैं।' रिकॉर्ड की दौड़ पर उन्होंने कहा, 'मुझे भरोसा है कि मेसी अभी और गोल करेंगे। मेरा फोकस रिकॉर्ड नहीं, बल्कि हर अगले मुकाबले और विश्व कप फाइनल तक पहुंचने पर है।' फ्रांस का अगला मुकाबला शनिवार को फिलाडेल्फिया में पराग्वे से होगा, जिसने राउंड ऑफ-32 में जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में हराकर बड़ा उलटफेर किया था। एमबाप्पे ने कहा कि फ्रांस पराग्वे को हल्के में नहीं लेगा और टीम मुकाबले से पहले अपनी कमियों पर काम करेगी।

नॉर्वे प्री-क्वार्टर फाइनल में, आइवरी कोस्ट फुटबॉल विश्व कप से बाहर

एजेंसी, आर्लिंग्टन (टेक्सास)

स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड के 86वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत नॉर्वे ने फीफा विश्व कप 2026 के नॉकआउट मुकाबले में आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ आइवरी कोस्ट का विश्व कप अभियान समाप्त हो गया। अब नॉर्वे का सामना अंतिम-16 में ब्राजील से होगा। दोनों टीमें न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में आमने-सामने होंगी।

पहले हाफ में नॉर्वे ने 39वें मिनट में बढ़त बनाई। आरबी लाइपजिग के विंगर एंटोनियो नूसा ने शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर आइवरी कोस्ट के गोलकीपर याहिया फोफाना को छकाते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में आइवरी कोस्ट ने जोरदार वापसी की। मैनचेस्टर यूनाइटेड के विंगर अमाद डियालो ने 74वें मिनट में बेहतरीन व्यक्तिगत प्रयास से गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि, पूरे मैच में अपेक्षाकृत शांत रहे एरलिंग हालैंड ने आखिरकार 86वें मिनट में अपना जलवा दिखाया। पैट्रिक बर्ग के पास पर उन्होंने नजदीक से गोल दागकर नॉर्वे को 2-1 की बढ़त दिलाई, जो अंत तक कायम रही। इस गोल के साथ हालैंड ने मौजूदा विश्व कप में अपने गोलों की संख्या पांच कर ली है। वह अब गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी से केवल एक गोल पीछे हैं। हालैंड का शानदार फॉर्म भी लगातार जारी है। अक्तूबर 2024 से अब तक उन्होंने नॉर्वे के लिए खेले गए हर प्रतिस्पर्धी मैच में गोल किया है। इस दौरान उन्होंने 13 मुकाबलों में 25 गोल दागे हैं।

विंबलडन में सेरेना पहले दौर में बाहर

एजेंसी, लंदन

लगभग चार साल बाद सिंगल्स कोर्ट पर लौटीं सात बार की विंबलडन चैंपियन सेरेना विलियम्स का वापसी मुकाबला हार के साथ खत्म हुआ। ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया ज्वॉइंट ने पहले दौर में सेरेना को 6-3, 6-7 (6), 6-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। 44 वर्षीय सेरेना ने 2022 यूएस ओपन के बाद पहला सिंगल्स मुकाबला खेला। मौजूदा सिंगल्स रैंकिंग नहीं होने के कारण उन्हें विंबलडन में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला था।

सेरेना ने दमदार सर्विस और आक्रामक खेल की झलक दिखाई, लेकिन दुनिया की 87वें नंबर की खिलाड़ी माया ज्वॉइंट ने निर्णायक मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। मैच के बाद सेरेना ने कहा कि विंबलडन में वापसी उनके लिए बेहद खास रही और सेंटर कोर्ट पर खेलना अविस्मरणीय अनुभव था। वहीं, माया जॉइंट ने कहा कि वह मुकाबले से पहले पूरी रात सो नहीं सकीं। उन्होंने इसे अपने करियर की सबसे बड़ी जीत बताया। माया ने मुकाबले में 40 विनर्स लगाए, जबकि सेरेना 26 विनर्स ही लगा सकीं। यह विंबलडन में माया की पहली जीत है। अब सेरेना अपनी बहन वीनस विलियम्स के साथ महिला युगल स्पर्धा में खेलती नजर आएंगी।

विंबलडन से स्टेन वावरिंका पहले दौर में बेरेटिनी से हारकर हुए बाहर

एजेंसी, लंदन। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका का विंबलडन सफर मंगलवार को पहले ही दौर में समाप्त हो गया। 41 वर्षीय स्विस दिग्गज को इटली के मैटियो बेरेटिनी ने रोमांचक मुकाबले में 6-7 (7), 7-6 (16), 7-6 (7), 7-6 (5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। करीब चार घंटे 20 मिनट तक चले इस मुकाबले के बाद दर्शकों ने वावरिंका को खड़े होकर तालियां बजाकर विदाई दी। माना जा रहा है कि यह उनके करियर का आखिरी विंबलडन मुकाबला था। वावरिंका ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह 2026 सीजन के अंत में संन्यास ले लेंगे। उन्हें इस बार विंबलडन में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला था।

स्विस स्टार ने 2014 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर अपने ग्रैंड स्लैम सफर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन का खिताब भी अपने नाम किया। इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में उन्होंने तीसरे दौर तक का सफर तय किया था, जबकि फ्रेंच ओपन में पहले दौर में बाहर हो गए थे। मैच के बाद भावुक वावरिंका ने कहा, 'जिस खेल से आप इतना प्यार करते हों, उसे अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। मैं संन्यास नहीं लेना चाहता, लेकिन मुझे पता है कि अब समय आ गया है।' वहीं, इस जीत के साथ 2021 विंबलडन उपविजेता मैटियो बेरेटिनी ने दूसरे दौर में जगह बना ली है, जहां उनका सामना फ्रांस के आर्थर फिल्स से होगा।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान

मैट फिशर को मिला मौका, वनडे सीरीज में डफी की वापसी

एजेंसी, वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 11 जुलाई से शुरू होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज मैट फिशर को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है, जबकि जैकब डफी की वापसी हुई है। 26 वर्षीय फिशर ने अगस्त 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट और इस साल बांग्लादेश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उन्होंने 25 लिस्ट-ए मैचों में 43 विकेट हासिल किए हैं।

डफी मार्च में खेले गए टी20 विश्व कप फाइनल के बाद पहली बार न्यूजीलैंड टीम में लौटे हैं। वह पहले बच्चे के जन्म के कारण इंग्लैंड टेस्ट दौरे से बाहर रहे थे। मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि फिशर और डफी दोनों टीम को मजबूती देंगे। उन्होंने फिशर की तेज गेंदबाजी और विविधताओं की सराहना करते हुए कहा कि पहली बार वनडे टीम में चयन उनके प्रदर्शन का पुरस्कार है। टीम की कप्तानी मिचेल सेंटनर करेंगे। स्पिन विभाग में माइकल ब्रेसवेल, जेडन लेनॉक्स और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को भी जगह मिली है। ब्रेसवेल और मार्क चैपमैन की भी टीम में वापसी हुई है। न्यूजीलैंड ने काइल जैमीसन, मैट हेनरी और विल ओ'रूर्क को व्यस्त कार्यक्रम के कारण आराम दिया है। ब्लेयर टिकनर चोट के कारण उपलब्ध नहीं होंगे, जबकि डेवोन कॉनवे और रचिन रवींद्र निजी और पूर्व निर्धारित प्रतिबद्धताओं के चलते इस दौरे का हिस्सा नहीं हैं।

किम जोंग-उन का चीन के साथ मजबूत रिश्ते बनाने का वादा

एजेंसी, सियोल

उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग-उन ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) की स्थापना की 105वीं सालगिरह पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को बधाई संदेश भेजा और बीजिंग के साथ संबंध मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप न्यूज ने बताया कि किम ने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी के बिना नया चीन नहीं बन सकता। यह वह सच है जिसे चीनी लोगों ने कई सालों तक पार्टी के मार्गदर्शन में आगे बढ़ते हुए महसूस किया है।

केसीएनए के अनुसार, किम ने पिछले महीने प्योंगयांग में जिनपिंग के साथ हुई अपनी शिखर बैठक को याद किया। जिनपिंग ने 8-9 जून को प्योंगयांग का दो दिवसीय राजकीय दौरा किया था, जो लगभग सात वर्षों में उत्तर कोरिया की उनकी पहली यात्रा थी। यात्रा के दौरान, दोनों नेताओं ने राजनीति, अर्थव्यवस्था और संस्कृति के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की और उच्च-स्तरीय बातचीत को मजबूत करने तथा द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय शुरू करने का वादा किया। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी नेता को भेजे संदेश में किम ने कहा, 'दोनों देशों के बीच संबंधों की मजबूती की पक्की गारंटी पार्टियों के नेतृत्व से मिलती है।' उत्तर कोरियाई राष्ट्रपति ने कहा कि वह दोनों पार्टियों के साझा लक्ष्य समाजवाद को और मजबूत बनाने के लिए जिनपिंग के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं।

पीएम मोदी बोले-राष्ट्र निर्माण में चार्टर्ड अकाउंटेंट की भूमिका अहम

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे के अवसर पर देशभर के चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) समुदाय को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट भारत की आर्थिक यात्रा के लंबे समय से भरोसेमंद साझेदार रहे हैं और उनकी विशेषज्ञता देश के आर्थिक विकास तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में कहा पारदर्शिता और पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से चार्टर्ड अकाउंटेंट देश की वित्तीय व्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के प्रयास ऐसे आर्थिक वातावरण के निर्माण में सहायक हैं, जहां उद्योग-व्यवसाय फल-फूल सकें और सभी के लिए नए अवसरों का विस्तार हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र की प्रगति में सीए समुदाय का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनकी सेवाएं भारत की आर्थिक मजबूती का आधार बनी हुई हैं।

दक्षिण और पूर्वी दिल्ली के साथ गाजियाबाद और नोएडा की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

एजेंसी, नई दिल्ली। सरकार ने राजधानी दिल्ली में द्वारका एक्सप्रेसवे को वसंत कुंज के नेल्सन मंडेला मार्ग से जोड़ने के लिए 6970 करोड़ रुपये की लागत से आठ किलोमीटर लंबी छह लेन की सुरंग बनाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने राष्ट्रीय राजमार्ग (ओ) योजना के तहत हाइब्रिड एन्युइटी मोड में इस सुरंग के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दी। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यह सुरंग एनएच-148 एई के लिए होगी और द्वारका एक्सप्रेसवे (एनएच 248 बीबी) को दिल्ली में वसंत कुंज के नेल्सन मंडेला मार्ग से जोड़ेगी। इस परियोजना की कुल लंबाई 8.1 किमी और कुल लागत 6969.67 करोड़ रुपये है।

प्रस्तावित टनल रंगपुरी (दक्षिणी दिल्ली) रिज से होकर गुज़रेगी। इसे ट्विन-ट्यूब टनल (टीबीएम से बनाई जाने वाली) के तौर पर डिज़ाइन किया गया है। यह शिवमूर्ति इंटरचेंज से शुरू होगी और नेल्सन मंडेला मार्ग और महिपालपुर-छतरपुर रोड के चौराहे से पहले खत्म होगी। यह परियोजना यूईआर 2 और द्वारका एक्सप्रेसवे को दक्षिण दिल्ली में वसंत कुंज से जोड़कर पश्चिम और दक्षिण दिल्ली के बीच तेज़ कनेक्टिविटी को बढायेगी। इससे गुरुग्राम, द्वारका, इंदिरा गांधी एयरपोर्ट और पश्चिम दिल्ली से दक्षिण दिल्ली की ओर जाने वाले ट्रैफ़िक को भी फ़ायदा होगा।

ज़मीन के नीचे बनने वाली ट्विन-ट्यूब टनल से ज़मीन की सतह पर कम से कम रुकावट आएगी और दक्षिणी रिज वन सुरक्षित रहेगा (टनल का 1.98 किमी हिस्सा रिज के नीचे से गुज़रेगा)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग , एम्स और महिपालपुर के बीच एक एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव भी दे रहा है। यह लिंक टनल को बारापुल्ला एलिवेटेड रोड से जोड़ेगा, जिससे पश्चिम दिल्ली और दक्षिण दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा से जुड़ जाएंगे। नेल्सन मंडेला मार्ग के साथ एक एलिवेटेड रोड (1.8 किमी) का प्रस्ताव भी है।

स्पोर्ट्स विंडो

गोवा में मुरादाबाद के खिलाड़ियों ने जीता स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक

एजेंसी, मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद की शार्प शूटिंग एकेडमी की कोच अनामिका चौधरी ने बुधवार को बताया कि गोवा में 26 से 30 जून तक आयोजित ऑल इंडिया वाईएसएए नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप-2026 में जिले की शार्प शूटिंग एकेडमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में पृथ्वी सिंह तोमर ने स्वर्ण पदक जीता। वहीं 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में वरुण चौधरी ने रजत पदक और 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अश्विनी गुर्जर ने कांस्य पदक हासिल किया। कोच अनामिका चौधरी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत और लगन का ही परिणाम है कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

डूरंड कप 25 जुलाई से शुरू, पांच शहरों में भिड़ेंगी 24 टीमें

एजेंसी, कोलकाता। एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप के 135वें संस्करण का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। प्रतियोगिता 25 जुलाई से 23 अगस्त तक कोलकाता, रांची, इम्फाल, शिलांग और गुवाहाटी में खेली जाएगी। फाइनल 23 अगस्त को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होगा। इस बार 24 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें सात क्लब पहली बार डूरंड कप खेलेंगे। इनमें डिफेंडर्स एफसी (श्रीलंका), नोंगकेसेह स्पोर्ट्स, सोशल एंड कल्चरल क्लब, बागपत एफसी, समलेश्वरी स्पोर्टिंग, एफसी रेंगदाई, मुंबई एफसी और एफसी-1 शामिल हैं। कोलकाता टूर्नामेंट का मुख्य केंद्र रहेगा, जहां उद्घाटन मैच, दो ग्रुप चरण, दो क्वार्टर फाइनल, एक सेमीफाइनल और फाइनल खेला जाएगा। मोहुन बागान सुपर जायंट, ईस्ट बंगाल एफसी और मोहम्मडन एससी जैसे दिग्गज क्लब भी यहीं खेलेंगे। रांची पहली बार डूरंड कप की मेज़बानी करेगा, जबकि इम्फाल, शिलांग और गुवाहाटी में भी ग्रुप चरण के मुकाबले होंगे। शिलांग में एक सेमीफाइनल और कोलकाता में दूसरा सेमीफाइनल आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में एक बार फिर इंडियन सुपर लीग, आई-लीग, सर्विसेज़ टीमों, उभरते भारतीय क्लबों और विदेशी सैन्य टीमों का मिश्रण देखने को मिलेगा।

◆ 7 क्लब पहली बार लेंगे हिस्सा फाइनल 23 अगस्त को

जनसांख्यिकीय बदलावों पर समिति जल्द देगी सिफारिशें : अमित शाह

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जनसांख्यिकीय बदलावों पर गठित हाई लेवल कमेटी से अपनी सिफारिशें जल्द प्रस्तुत करने को कहा है। समिति ने बुधवार को गृह मंत्री के आवास पर उनसे मुलाकात कर अपनी कार्ययोजना की जानकारी दी। बैठक में समिति ने बताया कि वह देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा कर जमीनी स्थिति का आकलन करेगी तथा संबंधित मंत्रालयों से भी विचार-विमर्श करेगी। इसके लिए एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की गई है, जिससे राज्यों से पहले ही आवश्यक सूचनाएं जुटाई जा सकें।

गृह मंत्री ने समिति की कार्ययोजना की सराहना करते हुए गृह सचिव को निर्देश दिए कि इसके कार्यों में हरसंभव प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अध्ययन को समयबद्ध तरीके से पूरा कर जल्द रिपोर्ट सौंपने का सुझाव दिया। यह समिति अवैध प्रवास और अन्य कारणों से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का अध्ययन कर नीतिगत, विधायी और प्रशासनिक उपायों पर सरकार को सिफारिशें देगी।

नेतन्याहू बोले-ईरान, हिजबुल्लाह हमास से कभी खत्म नहीं होगी लड़ाई

एजेंसी, तेल अवीव

इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान और उसके सहयोगियों (हमास और हिजबुल्लाह) के खिलाफ 'पूरी जीत' हासिल करने की उनकी कोशिश 'कभी खत्म नहीं होगी'। उन्होंने पिछले तीन साल में इसराइल की सैन्य उपलब्धियों का जिक्र किया और साथ ही यह भी कहा कि अभी और काम करना बाकी है।

द टाइम्स ऑफ इसराइल की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने 'चैनल 14' को दिए साक्षात्कार में यह दावा किया। नेतन्याहू से पूछा गया कि क्या गाजा युद्ध के दौरान 'पूरी जीत' हासिल करने का उनका वादा अभी भी कायम है। नेतन्याहू ने कहा, 'यह कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इसराइल पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है। उसने अपने दुश्मनों को काफी कमजोर किया है। प्रधानमंत्री ने हमास, हिजबुल्लाह और ईरान के ज्यादातर नेताओं को मारने और गाजा, लेबनान व सीरिया में बफर जोन बनाने के अपने कदमों की तारीफ की। उन्होंने यह माना कि ईरान के साथ युद्ध के नतीजे उन पक्के लक्ष्यों से कमतर रहे जो उन्होंने शुरू में तय किए थे। नी ईरान के न्यूक्लियर और मिसाइल प्रोग्राम को खत्म करना और वहां सत्ता परिवर्तन में मदद करना।

नेतन्याहू से पूछा गया कि वे किन देशों के साथ शांति समझौते करने की उम्मीद करते हैं और क्या उनमें सऊदी अरब भी शामिल है? प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने देशों के नाम बताने से इनकार कर दिया, लेकिन जोर देकर कहा कि कई देश इस दौड़ में शामिल हैं। इनमें लेबनान भी है। उन्होंने कहा कि मैं सबके नाम नहीं ले रहा, क्योंकि मैं नतीजे दिखाना चाहता हूं। लेबनान के साथ ऐसी समझ बनी है जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी। दूसरे देशों के साथ भी संपर्क हैं।

एयर मार्शल दीक्षित बने नए वायु सेना उप प्रमुख

एजेंसी, नई दिल्ली। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित और लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने बुधवार को यहां क्रमश: वायु सेना और थल सेना के उप प्रमुख का पदभार ग्रहण किया। इसके अलावा एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख तथा लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर ने दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में पदभार ग्रहण किया। एयर मार्शल दीक्षित को छह दिसंबर 1986 को भारतीय वायु सेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन मिला था। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा स्टाफ सर्विस कॉलेज (बंगलादेश) तथा राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज से जुड़े रहे हैं और उन्हें 3,500 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है।

उन्होंने मिराज-2000, मिग के विभिन्न संस्करण, एचपीटी-32, एएन-32, एवरो, किरण, जगुआर, आईएल-78, हॉक और तेजस सहित अनेक प्रकार के विमान उडाने का अनुभव है। वह एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट और क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर भी हैं।

लगभग चार दशकों के अपने विशिष्ट सेवाकाल के दौरान एयर मार्शल दीक्षित ऑपरेशन सफेद सागर, ऑपरेशन रक्षक, कोप-इंडिया और ऑपरेशन सिंदूर सहित कई प्रमुख अभियानों एवं सैन्य अभ्यासों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व कैडेट छात्र लेफ्टिनेंट जनरल जैन जून 1988 में महार रेजिमेंट में शामिल हुए थे।